मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.0	25.8
जमशेदपुर	34.4	24.0
डालटनगंज	31.2	22.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 05 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 118 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

यूपीए ने बढ़ाई थी ताकत, अब एनडीए लगाएगा लगाम

वक्फ एक्ट में होगा संशोधन!

मोदी सरकार ने कैबिनेट में वक्फ एक्ट के 40 संशोधनों को दी मंजूरी इसी हफ्ते संसद में आएगा बिल

ओवैसी बोले- यह देश में धर्म की आजादी पर होगा बड़ा प्रहार, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बोला- पहले हितधारकों से बात करे सरकार

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन करने की तैयार में है. सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को कैबिनेट ने वक्फ एक्ट में कुल 40 संशोधनों को मंजूरी दे दी. विधेयक में वक्फ अधिनियम की धारा 9 और धारा 14 में संशोधन का भी प्रस्ताव है. बोर्ड की संरचना में परिवर्तन का भी प्रस्ताव है. निकायों में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का प्रस्ताव है. इन संशोधनों के पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड की शक्तियां सीमित हो जाएंगी. सूत्रों के अनुसार, इन संशोधनों का उद्देश्य किसी भी संपत्ति को 'वक्फ संपत्ति' के रूप में नामित करने के वक्फ बोर्ड के अधिकार को प्रतिबंधित करना है.

सूत्रों ने कहा, प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, वक्फ बोर्ड द्वारा संपत्तियों पर किए गए सभी दावों को अनिवार्य सत्यापन से गुजरना होगा. वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों के लिए एक अनिवार्य सत्यापन प्रक्रिया प्रस्तावित है. सूत्रों के मुताबिक, इन संशोधनों का बिल अगले हफ्ते संसद में पेश किए जाने की संभावना है. वक्फ बोर्ड लगभग 940,000 एकड़ में फैली लगभग 870,000 संपत्तियों की देखरेख करता है. साल 2013 में, यूपीए सरकार ने मूल वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के माध्यम से वक्फ बोर्ड के अधिकार को मजबूत किया था.

यह अधिनियम औकाफ को रेगुलेट करने के लिए स्थापित किया गया था. एक वकीफ द्वारा दान की गई और वक्फ के रूप में नामित संपत्ति को औकाफ कहते हैं. वकीफ उस व्यक्ति को कहते हैं, जो मुस्लिम कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए संपत्ति समर्पित करता है. प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके समावेशिता को बढ़ाना है.

बता दें कि वक्फ बोर्ड की पावर को 1995 में नरसिम्हा राव की सरकार में बढ़ाया गया था. उस दौरान कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने इस अधिनियम में कई बदलाव किए थे. सबसे पहली बार वक्फ बोर्ड अधिनियम 1954 में संसद से पारित किया गया. इसके बाद 1995 में इसके अंदर बदलाव किए गए. 2013 में इसमें फिर संशोधन किए गए, जिसके बाद वक्फ को असीमित शक्ति और पूर्ण स्वायत्तता मिल गई.

प्रस्तावित बिल को देखने के बाद बोलेंगे: जदयू

केंद्र सरकार के वक्फ एक्ट में संशोधन के प्रस्ताव पर राजनीतिक पार्टियों की प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है. जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए प्रस्तावित बिल का प्रारूप क्या है ये देखना होगा. बिहार में नीतीश कुमार ने वक्फ की संपत्ति के मैनेजमेंट के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं. वक्फ की संपत्ति पर छात्रावास, शॉपिंग मॉल से लेकर यतीमखाना तक बनवाया गया है. हमें उम्मीद है बिहार के वक्फ मॉडल पर केंद्र सरकार काम करेगी. वहीं राजद प्रवक्ता मृतुंजय तिवारी ने कहा कि सरकार की निगाह कहीं और है, निशाना कहीं और. किसी धर्म विशेष को टारगेट करना, विवादित मुद्दों को उठाना, असली मुद्दों पर चर्चा न हो इसलिए केंद्र की मौजूदा सरकार ये तरीके अपनाती है. जदयू और टीडीपी बीजेपी के सहयोगी दल हैं. चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को बताना चाहिए की ये क्या हो रहा है. देश अपने नियम और कानून से चलेगा, विपक्ष मजबूत है.

वक्फ संपत्तियों को छीनने की मंशा: ओवैसी

हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, वक्फ एक्ट में ये संशोधन वक्फ संपत्तियों को छीनने के इरादे से किया जा रहा है. यह संविधान में दिए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रहार है. आरएसएस की शुरू से ही वक्फ संपत्तियों को छीनने की मंशा रही है. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, हमारे पूर्वजों ने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दान कर दिया और उन्होंने इसे इस्लामी कानून के तहत वक्फ का बना दिया. इसलिए जहां तक वक्फ कानून का सवाल है, यह जरूरी है कि संपत्ति का उपयोग केवल उन धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए जिनके लिए इसे हमारे पूर्वजों ने दान किया था. उन्होंने कहा, यह कानून है कि एक बार जब कोई संपत्ति वक्फ बन जाती है, तो उसे न तो बेचा जा सकता है और न ही हस्तांतरित किया जा सकता है. जहां तक संपत्तियों के प्रबंधन का सवाल है, हमारे पास पहले से ही वक्फ अधिनियम 1995 है और फिर 2013 में कुछ संशोधन किए गए थे और वर्तमान में, हमें नहीं लगता कि इस वक्फ अधिनियम में किसी भी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है. यदि सरकार को लगता है कि संशोधन की कोई जरूरत है, तो पहले हितधारकों से सलाह-मशविरा करना चाहिए और उनकी राय लेनी चाहिए. सभी को यह ध्यान रखना चाहिए कि वक्फ संपत्तियों का लगभग 60% से 70% हिस्सा मस्जिदों, दरगाहों और कब्रिस्तानों के रूप में है.

वक्फ बोर्ड क्या है

वक्फ का मतलब होता है ''अल्लाह के नाम'', यानी ऐसी जमीनें जो किसी व्यक्ति या संस्था के नाम नहीं है. वक्फ बोर्ड का एक सर्वेयर होता है. वही तय करता है कि कौन-सी संपत्ति वक्फ की है, कौन-सी नहीं. इस निर्धारण के तीन आधार होते हैं- अगर किसी ने अपनी संपत्ति वक्फ के नाम कर दी, अगर कोई मुसलमान या मुस्लिम संस्था जमीन की लंबे समय से इस्तेमाल कर रहा है या फिर सर्वे में जमीन का वक्फ की संपत्ति होना साबित हुआ. वक्फ बोर्ड मुस्लिम समाज की जमीनों पर नियंत्रण रखने के लिए बनाया गया था. जिससे इन जमीनों के बेजा इस्तेमाल को रोकने और गैरकानूनी तरीकों से बेचने पर रोक के लिए बनाया गया था. 1954 में जवाहरलाल नेहरू सरकार ने वक्फ अधिनियम पारित किया था. सरकार ने 1964 में केंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की. 1995 में, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में वक्फ बोर्ड के गठन की अनुमति देने के लिए कानून में संशोधन किया गया.

देश में एक सेंट्रल और 32 स्टेट वक्फ बोर्ड हैं

देश में एक सेंट्रल वक्फ बोर्ड और 32 स्टेट बोर्ड हैं. केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सेंट्रल वक्फ बोर्ड का पदेन अध्यक्ष होता है. अब तक की सरकारों में वक्फ बोर्ड को अनुदान दिया जाता रहा है. मोदी सरकार में भी वक्फ को लेकर उदारता दिखाई गई. सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने नियम बनाया कि अगर वक्फ की जमीन पर स्कूल, अस्पताल आदि बनते हैं, तो पूरा खर्च सरकार का होगा. यह तब हुआ जब मुख्तार अब्बास नकवी के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे. बिहार जैसे राज्यों में अलग-अलग शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड हैं. वक्फ बोर्ड के पास करीब 8.7 लाख संपत्तियां हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल करीब 9.4 लाख एकड़ है.

...10 के साथ खेला भारत ब्रिटेन को हरा कर सेमीफाइनल में

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलिंपिक में रविवार को भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच रोमांचक टक्कर देखने को मिली. भारत ने पुरुष हॉकी के पहले क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को हरा कर सेमीफाइनल में जगह बना ली है. भारत ने ओलंपिक में लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में एंट्री ली है. फुलटाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद नतीजा पेनल्टी शूटआउट में निकला. भारत ने शूटआउट 4-2 से अपने नाम किया. अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर दीवार बने. उन्होंने शूटआउट में इंग्लैंड के दो गोल बचाए. कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल किए. वहीं, ब्रिटेन के लिए जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ने गोल दागे.

दोनों टीमों में कांटे की टक्कर: पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ. हालांकि, 17वें मिनट में भारत को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब अमित रोहित दास को रेड कार्ड थमाया गया. उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और भारत को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा. कप्तान हरमनप्रीत ने मुकाबले में भारत का खाता खोला. भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत ने गोल में बदला. यह हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक में सातवां गोल था. हालांकि, ब्रिगेन ने कुछ देर बाद ही बराबरी हासिल कर ली. ली मॉर्टन ने 27वें मिनट गोल किया और दूसरा कार्टर समाप्त होने तक स्कोर 1-1 रहा. -पेज 10 भी देखें

भारतीय टीम ने दोहराया ये इतिहास

भारत की पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक के इतिहास को दोहराया है. भारत ने 2021 में टोक्यो में क्वार्टर फाइनल में भी ब्रिटेन को हरा कर सेमीफाइनल में एंट्री की थी. भारत ने तब ब्रिटेन को 3-1 से शिकस्त दी थी, लेकिन सेमीफाइनल में उसे बेल्जियम के हाथों हार झेलनी पड़ी थी. हालांकि, भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में जर्मनी को मात देकर 41 साल के सूखे को समाप्त किया था. भारत अब पेरिस में अपने मेडल का कलर बदलने की कोशिश करेगा.

यह दिन भारत का था : श्रीजेश

ब्रिटेन के कई गोल बचाने वाले अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश ने जीत के बाद कहा, मेरा का यह रोज का काम है. कई बार अलग हालात होते हैं, लेकिन आज हमारा दिन था. शूटआउट में हमारे सभी निशाने सटीक लगे. हमारे खिलाड़ियों ने गोल किये और मेरा आत्मविश्वास बढा. जब मैं मैदान पर आया, तो मेरे सामने दो ही विकल्प थे. यह मेरा आखिरी मैच होता या मुझे दो मैच और खेलने का मौका मिलता. आखिरकार अब मुझे दो मैच और मिलेंगे. सेमीफाइनल में सामने कोई भी हो, हम अपना स्वाभाविक खेल दिखाएंगे. यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आज एक खिलाड़ी के बिना खेले.

सरयू राय जदयू में शामिल

कहा-नीतीश जी के साथ उनका कई दशकों से व्यक्तिगत संबंध रहा है

विशेष संवाददाता। रांची

मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी: दिल्ली में थामा जदयू का दामन.

पूर्ववर्ती रघुवर सरकार में मंत्री रहे जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय जनता दल (यू) में शामिल हो गए हैं. रविवार को दिल्ली में एक संक्षिप्त मिलन समारोह में उन्होंने पार्टी का दामन थामा. जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें अपने दिल्ली स्थित आवास पर सदस्यता दिलाई. इसकी जानकारी खुद सरयू राय ने अपने एक्स हैंडल के जरिए दी है.

उन्होंने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के साथ उनका पिछले कई दशकों से व्यक्तिगत संबंध रहा है. इधर जदयू ने कहा है कि मुझे विश्वास है सरयू राय जी के आने से झारखंड में पार्टी को मजबूती मिलेगी. इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री एवं जदयू के झारखंड प्रदेश प्रभारी अशोक चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार, जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो, विधान पार्षद संजय गांधी, प्रदेश महासचिव मनीष कुमार आदि मौजूद थे. इधर पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राय को प्रदेश जदयू की कमान मिल सकती है. फिलहाल राज्यसभा सांसद खीरू महतो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं.

बता दें कुछ दिनों पहले ही शुभम संदेश ने खबर छाप संभावना व्यक्त की थी कि सरयू राय जल्द ही जदयू में शामिल होंगे. शुभम संदेश की खबर सही निकली. उस दौरान सरयू राय ने भी में सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था कि पटना मुख्यमंत्री निवास में नीतीश कुमार के साथ भेंट हुई. झारखंड विधानसभा के आगामी चुनाव में हमारी संभावित भूमिका के बारे में संक्षिप्त परंतु फलदायक चर्चा हुई. -शेष पेज 07 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,900
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

एमपी में दीवार ढही नौ बच्चों की मौत

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के एक गांव में रविवार सुबह एक जर्जर मकान की दीवार ढह जाने से पास में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल नौ बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. -पेज 12 भी देखें

शशि थरूर ने बताई 'यादगार' की परिभाषा

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उन लोगों पर पलटवार करने के लिए ''यादगार'' (मेमोरेबल) शब्द की परिभाषा सामने रखी है, जिन्होंने वायनाड भूस्खलन राहत कार्यों में भाग लेने के बारे में उनकी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस शब्द का इस्तेमाल करने के लिए उनकी आलोचना की थी.

रेपो रेट 6.5% यथावत रखेगा रिजर्व बैंक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गुरुवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को एक बार फिर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रख सकता है. विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा है कि देश का केंद्रीय बैंक दर में कटौती करने से पहले अधिक व्यापक आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकता है.

ममता ने की हेमंत से बात, किया आग्रह

कहा-अचानक तेनुघाट से ज्यादा पानी छोड़े जाने से बंगाल में बने बाढ़ के हालात

विशेष संवाददाता। रांची

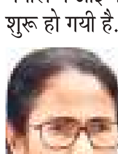

बंगाल में आई बाढ़ को लेकर राजनीति शुरू हो गयी है. इस मामले को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फोन से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात की. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि अभी मैंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात की और बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की. मैंने उनसे तेनुघाट से अचानक भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के मामले पर चर्चा की. जिससे बंगाल में बाढ़ आ गई है. मैंने उनसे कहा कि झारखंड का पानी बंगाल में बाढ़ ला रहा है और यह मानव निर्मित है. मैंने उनसे अनुरोध किया कि कृपया इसका ध्यान रखें. ममता बनर्जी ने कहा कि स्थिति पर नज़र रख रही हूं और मैंने दक्षिण बंगाल के साथ-साथ उत्तर बंगाल के सभी संबंधित डीएम से बात की है. मैंने डीएम से अगले 3-4 दिनों में विशेष रूप से सतर्क रहने और आपदा की स्थिति का उचित ध्यान रखने को कहा है. मैंने उनसे सभी एहतियाती कदम उठाने को कहा है ताकि कहीं भी कोई अप्रिय घटना न हो. -शेष पेज 7 पर

डीवीसी ने कहा : अभी तक बाढ़ का खतरा नहीं

झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई जलविद्युत परियोजनाओं का संचालन करने वाली डीवीसी ने कहा कि बारिश कम होने के कारण जल-प्रवाह में कमी आने की उम्मीद है. डीवीसी ने यह भी कहा कि उसे अभी तक बाढ़ का कोई बड़ा खतरा नहीं दिख रहा है.

बांग्लादेश: भड़की हिंसा, खूनी झड़प में 75 मरे

राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का ऐलान, हसीना समर्थकों और विरोधियों की भिड़ंत में सैकड़ों घायल

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक बार फिर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं. प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों और सत्तारूढ़ अवामी लीग के समर्थकों के बीच रविवार को खूनी झड़प में कम सेकम 75 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं.

बताया जा रहा है कि पीएम शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को ले प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन में भाग लेने पहुंचेथे, जहां अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया और फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई. कुछ ही देर में बवाल इतना बढ़ गया कि आक्रोशित लोगों ने सड़क पर वाहनों में आग लगा दी.

सरकार ने एक बार फिर राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का ऐलान किया है. उधर, भारत ने बांग्लादेश में रह रहे अपने नागरिकों को अलर्ट पर रहने को कहा है. एडवाइजरी के साथ हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है. महीनों से हिंसा की आग में झुलस रहा बांग्लादेश अभी तक उबरा नहीं है. देश के प्रमुख बंगाली भाषा के दैनिक प्रोथोम अलो ने कहा कि रविवार की हिंसा में कम से कम 49 लोग मारे गए हैं. वहीं, चैनल 24 ने कम से कम 50 मौतों की सूचना दी है. रिपोर्ट में हालांकि, मृतकों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है. प्रोथोम अलो अखबार ने अपनी खबर में कहा, बांग्लादेश के 13 जिलों में झड़पें हुई है. -शेष पेज 07 पर

यूएन की रिपोर्ट दुनिया के हर चौथे स्कूल ने स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर लगाया प्रतिबंध

कागज की जगह स्क्रीन ने ली, पेन की जगह कीबोर्ड

एजेंसी। नयी दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा शिक्षा में प्रौद्योगिकी पर रिपोर्ट प्रकाशित की गई है. इस रिपोर्ट में बताया गया कि मूल्यांकन डाटा से यह जानकारी मिली कि जिन छात्रों के पास मोबाइल डिवाइस हैं, उनकी सीखने की क्षमता, उनके ध्यान लगाने की शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है. संयुक्त राष्ट्र की शिक्षा टीम के विशेषज्ञ ने दावा किया कि शिक्षा में प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक ध्यान देने से बहुत अधिक लागत आती है. उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि स्मार्टफोन सहित प्रौद्योगिकी का उपयोग कक्षाओं में केवल तभी होना चाहिए, जब इससे कुछ सीखा जाए. मोबाइल फोन इस्तेमाल के वैसे तो कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स से लेकर कई सारे शोध इस पर किए जा चुके हैं. बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इससे नकारात्मक प्रभाव से खुद को नहीं बचा पा रहे हैं. हालांकि मोबाइल फोन इस्तेमाल के नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं. हाल ही में एक संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट जारी की है. इसके अनुसार नकारात्मक प्रभाव के कारण विश्व के 4 में से 1 स्कूल ने मोबाइल फोन को प्रतिबंधित कर दिया है. उनका कहना है कि कुछ शोध से यह बात सामने आई है कि जिन छात्रों के पास मोबाइल फोन थे, इनके सीखने और ध्यान लगाने की क्षमता कमजोर थी.

कोरोना काल में शुरू हुई ऑनलाइन पढ़ाई

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा किया गया कोराना काल में स्मार्ट फोन का इस्तेमाल काफी बढ़ा था. कोविड-19 को एक प्राकृतिक प्रयोग के रूप में देखा जा सकता है, जहां रातों-रात पूरी शिक्षा प्रणाली में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई. कई कक्षाओं में, कागज की जगह स्क्रीन ने ले ली है और पेन की जगह कीबोर्ड ने. रिपोर्ट में बताया गया कि डिजिटल तकनीक को अपनाने से शिक्षा और सीखने में कई बदलाव हुए हैं. कम से कम अमीर देशों में, स्कूल में युवाओं से जो बुनियादी कौशल सीखने की अपेक्षा की जाती है, उसका विस्तार हुआ है और डिजिटल दुनिया में नेविगेट करने के लिए कई नए कौशल शामिल किए गए हैं. अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन डेटा, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीआईएसए) ने बताया कि अत्यधिक आईसीटी (सूचना संचार प्रौद्योगिकी) के उपयोग से छात्र के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है. 14 देशों में मोबाइल डिवाइस के पास होने से छात्रों का ध्यान भटकता है और सीखने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, फिर भी चार में से एक देश ने स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है. यूनेस्को ने बताया है कि छात्रों के मध्यम सीमा से अधिक डिवाइस का उपयोग अकादमिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. स्मार्टफोन और कंप्यूटर का उपयोग कक्षा और घर पर सीखने की गतिविधि को बाधित करता है. -शेष पेज 07 पर

- संयुक्त राष्ट्र ने सभी स्कूलों में मोबाइल पर बैन लगाने का किया आग्रह

कोटे में कोटा के फैसले का विरोध करेगी बसपा: मायावती

एजेंसी। नयी दिल्ली

- **क्या कहा-**केंद्र संसद में बदल दे कोर्ट का फैसला
- आरक्षण में वर्गीकरण का मतलब आरक्षण की समाप्ति

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण पर आए फैसले को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को कहा, इससे से हमारी पार्टी सहमत नहीं. इस फैसले से राज्य-केंद्र में मतभेद होगा. बसपा सुप्रीमो ने कहा, एससी/एसटी में वर्गीकरण नहीं किया जा सकता. आरक्षण में किसी प्रकार का वर्गीकरण उचित नहीं है. आरक्षण में वर्गीकरण का मतलब आरक्षण को समाप्त करके उसे सामान्य वर्ग को देने जैसा होगा. बसपा शीर्ष कोर्ट के फैसले से सहमत नहीं है और हम आरक्षण में किसी तरह के वर्गीकरण के खिलाफ हैं.

उन्होंने कहा, एससी/एसटी कोटा सामान्य वर्ग को जा सकता है, केंद्र-राज्य में मतभेद बढ़ेंगे. कोर्ट ने 2004 के अपने ही फैसले को पलट दिया है, सरकारें मनचाही जातियों को आरक्षण देने का काम करेंगी, इससे असंतोष की भावना उत्पन्न होगी. उन्होंने कहा, कोर्ट ने जो निर्णय दिया है, उसको केंद्र सरकार को संसद से बदल देना चाहिए. अगर नहीं बदलते, तो हमें यह मानना चाहिए की भाजपा और कांग्रेस एक ही जैसी पार्टियां हैं.

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले एसटी-एससी आरक्षण के बंटवारे को लेकर फैसला सुनाया है. कोर्ट ने माना कि एससी/एसटी कोटे के अंदर किसी एक या कुछ जातियों को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 6:1 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है.

ट्राइबल मुख्यमंत्री रहते हुए भी आदिवासी सुरक्षित नहीं : अमित मुंडा

राजधानी में एकजुटता का प्रदर्शन करते आदिवासी सगठनों के लोग.

संवाददाता। रांची

झारखंड के कुछ हिस्सों को तोड़कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने का बयान देने के विरोध में आदिवासी युवाओं ने पांच अगस्त को अल्बर्ट एक्का के सामने सांसद निशिकांत दुबे का पुतला दहन करने का निर्णय लिया है. रविवार को मोरहाबादी के ट्राइका रेस्टोरेंट में विभिन्न आदिवासी संगठन के युवा एकजुट हुए. नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा. इस अवसर पर हजारों बाइक रैली भी निकाली जाएगी. इसकी तैयारी को लेकर

▪ आदिवासी युवाओं में आक्रोश, सांसद का पुतला दहन आज

आदिवासी युवाओं ने रविवार को मीडिया को संबोधित किया. इस अवसर पर आदिवासी युवाओं ने कहा कि झारखंड को तोड़ने वाले का विरोध होगा. अब आदिवासी युवा पढ़-लिख रहा है. अपना हक अधिकार लड़कर लेना सीख गया है. हर क्षेत्र में आदिवासी समाज नेतृत्व कर रहा है. आदिवासी युवा शशि पन्ना ने कहा कि झारखंड वीर शहीदों के खून बलिदान से बना है. यहां हजारों आदिवासी झारखंड आंदोलन के लिए अपना बलिदान दिये हैं. झारखंड में डेमोक्रेसी का मामला बढ़ा है. सीएम भी आदिवासी हैं. इसके बावजूद आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है. शासन प्रशासन आदिवासियों का हक अधिकार की बात नहीं सुन रहे हैं. वीर स्मारक बिरसा मुंडा समिति के अध्यक्ष अमित मुंडा ने कहा कि सीएम आदिवासियों की बात को सुनें. आज इनपर चौतरफा हमला हो रहा है. इनकी पहचान खतरे में है. आदिवासी सीएम रहते आदिवासी सुरक्षित नही हैं.

▪ नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा

बिरसा विकास जन कल्याण समिति अनिल उरांव ने कहा कि झारखंड में आदिवासी सुरक्षित नही हैं. दिनदहाड़े आदिवासी अफसरऔर नेताओ को गोली से मारा जा रहा है.यहां का शासन प्रशासन सुस्त हो गया है.राज्य मे अपराधियो का राज्य चल रहा है. जमीन कारोबारियों का मनोबल बढ़ गया है. जिला परिषद सद्स्य विपिन टोप्पो ने कहा कि नौ अगस्त को पिछले साल की भांति इस साल भी बाइक रैली बड़े स्तर पर निकाली जाएगी. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. लोगों को बाइक रैली मे शामिल होने के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है. रैली जिस रूट पर जाएगी, जहां भी वीर शहीदों की प्रतिमा स्थापित रहेगी. वहां माल्यार्पण करते हुए रैली आगे बढ़ती जाएगी. मौके पर रवि कुमार, योगेश भगत, अनिल उरांव, बिनोद कच्छप, आकाश बाड़ा, संदीप उरांव, गोविंद टोप्पो, विक्की करमाली, अमरनाथ लकड़ा, अजित लकड़ा, प्रतीक कच्छप समेत अन्य शामिल थे.

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक में लिया गया निर्णय

एससी हॉस्टल के छात्रों को भाजपा से जोड़ने का काम करें : भोला सिंह

विशेष संवाददाता। रांची

भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री सह झारखंड के प्रभारी भोला सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्य योजना झारखंड के सभी अनुसूचित जाति छात्रावास में जाकर छात्रों से मुलाकात कर उनकी सूची बनाने, प्रदेश के सभी सामान्य छात्रावास में भी एससी छात्रावास में जाकर सभी विधानसभा क्षेत्र के छात्रों से जुड़कर उनकी समस्याओं से रूबरू होना और पार्टी के नीति सिद्धांत के बारे में उन्हें जानकारी देते हुए भाजपा के साथ जोड़ने का निर्देश दिया गया है. इसके साथ ही प्रदेश के सभी बस्ती में जाकर अनुसूचित जाति के लोगों से उनकी बातें सुनकर व उनकी समस्याओं से रूबरू होने के का निर्देश दिया गया है. सिंह रविवार को भाजपा एससी मोर्चा की बैठक में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को हर घर तिरंगा कार्यक्रम करने, मां के नाम से पेड़ लगाना, प्रदेश के सभी छात्रावास व कॉलेज में जाकर वृक्षारोपण करना, सभी प्रदेश पदाधिकारी को जिले में जाकर कर टोली बनाने को कहा. उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि 12 अगस्त से लेकर 14 अगस्त तक प्रदेश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिमा पर माल्यार्पण करना और लोगों से मुलाकात करें. इसके अलावा 15 अगस्त को

भाजपा एससी मोर्चा की बैठक में शामिल प्रतिनिधिगण.

हिंदु के बहुसंख्यक रहने पर ही बचेगा संविधान : अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष बाउरी ने कहा कि प्रदेश के वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार की नाकामयाबियों को उजागर करना है और उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार दलितों के बारे में कोई सोच नहीं रखती है. उन्होंने कहा कि बाबा साहब का आरक्षण और संविधान तभी बचेगा जब हिंदू बहुसंख्यक रहेंगे. उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार ने जो वायदे किए थे. उसमें से एक भी वादा हेमंत सोरेन सरकार ने पूरा नहीं किया है. उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति का एक बड़ा आंदोलन मुद्दे के आधार पर तैयार करना है ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के साथ-साथ सभी समाज और वर्ग के लोग मिलकर इस नाकामयाब हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकेंगे.

सभी मंडलों और बूथों तक पार्टी का नीति-सिद्धांत पहुंचाए : किशुन दास

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा सह सिमरिया के विधायक किशुन कुमार दास ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी प्रदेश के पदाधिकारियों को सभी जिलों में जाकर जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों से मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना है, ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में संगठन को सशक्त और मजबूत बनाया जा सकेगा.

आयोजित कार्यक्रम में सभी स्कूलों एवं कॉलेज में प्रदेश पदाधिकारी की सहभागिता का भी निर्देश दिया गया. उन्होंने प्रदेश पदाधिकारी से कहा कि झारखंड के सभी 81 विधानसभा क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रमों को तैयार करना है और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी और संगठन को सशक्त बनाना है.

भाजपा की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

विशेष संवाददाता। रांची

रांची में रविवार को विभिन्न संगठनों ने भाजपा की नीतियों के विरुद्ध पैदल मार्च किया.

विभिन्न नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाजपा के हाल के सांप्रदायिक व विभाजनकारी राजनीति के विरुद्ध विरोध जताया. डंगराटोली से अल्बर्ट एक्का तक पैदल चले और इस दौरान डंगराटोली चौक, मिशन चौक और अल्बर्ट एक्का चौक पर शांतिपूर्ण प्रदार्शन किया. सभी ने एक स्वर में बोला कि झारखंडी समाज भाजपा के विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति के विरुद्ध है.

हाल के दिनों में भाजपा नेताओं के बयान नफरत फैलाने वाला : इस दौरान कहा गया कि हाल में भाजपा व उसके प्रमुख नेता लगातार बयान दे रहे हैं कि झारखंड में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठी आ रहे हैं. आदिवासियों की जनसंख्या कम हो रही है. आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं, ज़मीन हथिया रहे हैं, लव जिहाद, लैंड जिहाद कर रहे हैं आदि. ऐसे भाषण देकर वे लगातार आदिवासियों व अन्य समुदायों में मुसलमानों के विरुद्ध नफ़रत फ़ैलाने और विधान सभा चुनाव से पहले धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रहे हैं. भाजपा नेताओं द्वारा गलत आंकड़ों व झूठ के आधार पर सांप्रदायिक राजनीति की जा रही है. उनके द्वारा कहा जा रहा है कि 2000 के बाद संथाल परगना में आदिवासियों की जनसंख्या 10-16 प्रतिशत कम हुई है क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों (मुसलमानों) की आबादी बढ़ी है. यह तथ्य से परे है.

गैर आदिवासियों के जमीन लूटने के कारण घट रही आदिवासियों की संख्या : भाजपा के नेता द्वारा यह भी दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठी (मुसलमान) आदिवासियों की ज़मीन पर कब्ज़ा कर रहे हैं. तथ्य यह है कि कई दशकों से आसपास के राज्यों के विभिन्न धर्मों के गैर-आदिवासी झारखंड के आदिवासी ज़मीन पर, खास करके शहरों में, बसे हैं. सीएनटी-एसपीटी कानूनों का खुला उल्लंघन कर आदिवासियों के ज़मीन को लूटा गया है. प्रदर्शन में लोकतंत्र बचाओ अभियान, भारत जोड़ो अभिया-राजमहल, साझा कदम, यूनाइटेड मिली फोरम समेत कई संगठन भाग लिए. प्रदर्शन में अफ़ज़ल एनीस, अंकिता अग्रवाल, एलिना होरो, ज़ाहिद, मंथन, मोहम्मद तलहा नदवी, नंदिता, प्रियशीला, पंकज पुष्कर झा, प्रवीर पीटर, रोज़ कच्छप, स्मृति नाग, शाहिद कमल, सिराज दत्ता, तनवीर, टॉम काव आदि शामिल हुए.

मोदी सरकार के पास घुसपैठिया से संबंधित कोई आंकड़ा नहीं

कहा गया कि एक तरफ़ भाजपा के नेता बांग्लादेशी घुसपैठियों का राग जाप रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार लगातार संसद में बयान देते आ रही है कि उनके पास बांग्लादेशी घुसपैठिये की संख्या संबंधित कोई आंकड़े नहीं हैं. साथ ही, मोदी व रघुवर दास सरकार ने अडानी पावरप्लांट परियोजना के लिए आदिवासियों की ज़मीन का जबरन अधिग्रहण किया था . झारखंड को घाटे में रखकर अडानी को फाएदा पहुचानेके लिए राज्य की ऊर्जा नीति को बदला और संथाल परगना को अंधेरे में रखकर बांग्लादेश को बिजली भेजी.

यादादाश्त ठीक करें गिरिनाथ सिंह : झामुमो

संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता कार्तिक पांडेय और रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा है कि रंका को अनुमंडल बनाने का श्रेय सिर्फ और सिर्फ झामुमो को जाता है. तत्कालीन मधु कोड़ा सरकार में उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री रहे झामुमो विधायक दल के नेता सुधीर महतो की अनुशंसा पर मधु कोड़ा कैबिनेट की अंतिम बैठक में रंका और जगन्नाथपुर को अनुमंडल बनाने पर मुहर लगी थी. नेताओं ने पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह को यादादाश्त ठीक करने की सलाह दी है. उन्होंने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा कि चार अक्टूबर, 2008 को तब के मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन द्वारा कर कमलों से रंका अनुमंडल और डंडा प्रखंड का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया गया है. उस समय सरकार के सहयोगी दल रहे राजद विधायक के तौर पर समारोह में उपस्थित रहने से कोई अनुमंडल और प्रखंड बनाने का श्रेय लेना चाहे तो यह काफी हास्यास्पद है. कहा, इस तरह के बयानों से अनुभवी नेताओं को बचना चाहिए. आदिम समाज बहुल्य भंडरिया, चिनियां, रमकंडा, बरगड के लोगों की सुविधा के लिए झामुमो ने 1998 से इसकी मांग शुरू कर दी है. अनुमंडल की मांग काफी पुरानी थी. इसकी मांग झामुमो नेता सुबोध कुमार और मो जुबैर ने गुरुजी शिबू सोरेन के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी की थी. बिहार मुख्यमंत्री सचिवालय में वो पत्र आज भी सुरक्षित है. ऐसे में एक विधायक रहे नेता का यह कहना कि रंका अनुमंडल और डंडा प्रखंड हमने बनाया, यह कहना उचित नहीं है.

रांची पुलिस लाइन में वर्कशॉप का आयोजन

त्वरित कार्रवाई और वर्दी पहनने की दी जानकारी

वर्कशॉप में शामिल पुलिसकर्मी.

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस लाइन में रविवार को पीसीआर वैन के पुलिसकर्मियों के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया. इस वर्कशॉप में पीसीआर वैन के पुलिसकर्मियों को किसी घटना की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने और सही तरीके से वर्दी पहनने को लेकर जानकारी दी गयी. इसके अलावा पीसीआर और हाईवे पेट्रोलिंग के पदाधिकारी, सिपाही और चालक को 112 के कॉल में रिस्पॉन्स टाइम को कम करने, टैब को सही तरीके से चलाने और पेट्रोलिंग करने को लेकर ब्रिंफिंग किया गया. इस दौरान सभी पीसीआर और हाईवे पेट्रोलिंग में तैनात पुलिसकर्मी मौजूद रहे.

केंद्रीय कोयला मंत्रालय के निर्देश पर गठित हुए हैं अंशकालिक न्यायाधिकरण

'झारखंड में शीघ्र क्रियाशील होंगे सात अंशकालिक न्यायाधिकरण'

विशेष संवाददाता। रांची

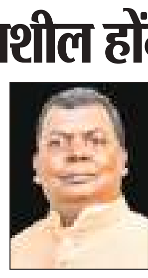

गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा है कि झारखंड में सात अंशकालिक न्यायाधिकरण (पीपीटी) बहुत जल्द ही कार्यशील होंगे. उन्होंने कहा कि इसको लेकर हम झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार से लगातार संपर्क कर रहे हैं और शीघ्र कार्यवाही को लेकर गत 19 जून 2024 को एक अनुस्मारक भी भेजा गया है. साथ ही कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव के द्वारा भी एक अर्द्धशासकीय पत्र 25 जुलाई 2024 को झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को भेजा गया है. उल्लेखनीय है कि कोयला मंत्रालय द्वारा झारखंड राज्य में सात अंशकालिक न्यायाधिकरण (पीपीटी) का गठन किया गया है. झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के द्वारा 15 मार्च 2024 को जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को इन अंशकालिक न्यायाधिकरण (पीपीटी) में पदेन पीठासीन पदाधिकारी नियुक्त करने के लिए अनुरोध किया गया है. गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने अंशकालिक न्यायाधिकरण (पीपीटी) बहुत जल्द कार्यशील हो.

प्रक्रिया आठ करोड़ की लागत से 20 जिलों में कोल्ड स्टोर का निर्माण कराया गया था

सात कोल्ड स्टोरेज के लिए निकलेगा टेंडर

ब्यूरो। रांची

करोड़ की लागत से तैयार किए गए कोल्ड स्टोरेज का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है. झारखंड में पांच हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले राज्य के 20 जिलों में आठ-आठ करोड़ की लागत से कोल्ड स्टोर का निर्माण किया गया था. इनमें छह जिलों के सात कोल्ड स्टोरेज का संचालन के लिए कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग निविदा जारी करेगा. वहीं अन्य पांच जिला में कोल्ड स्टोरेज संचालन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है, लेकिन उसका लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है. जिन जिलों में संचालन के लिए हजारीबाग, पाकुड़, रांची, कोडरमा और गिरिडीह और चतरा जिले के एक-एक कोल्ड स्टोर शामिल हैं.

जहां एजेंसी चुन ली गयी, वहां भी किसानों को नहीं मिल रहा लाभ : कोल्ड स्टोर के संचालन के लिए सहकारिता विभाग जहां एजेंसी का चयन कर चुका है, उनमें हजारीबाग, पाकुड, रांची, कोडरमा, गिरिडीह और चतरा जिले शामिल हैं. संचालन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया है, लेकिन इसको बनाने वाले ठेकेदार काम पूरा कर हैंडओवर नहीं किया गया है. या फिर यह कह सकते हैं कि इन कोल्ड स्टोरेज निर्माण का कार्य पूरा नहीं होना है. कहीं बिजली की व्यवस्था नहीं की गयी है, कहीं जले हुए ट्रांसफॉर्मर लगा दिये गये हैं. इन परेशानियों के कारण करोड़ों की लागत से बन कर तैयार कोल्ड स्टोरेज का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है. एक कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिए करीब 8 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. तत्कालीन कृषि मंत्री बादल के कार्यकाल में 20 जिलों में सरकारी कोल्ड स्टोरेज के चालू करने की पहल की गयी थी. तीन जिलों में निविदा की प्रकिया पूरी कर ली गई है. 11 जिलों के लिए टेंडर आमंत्रित किया गया था. वहीं 2023 में चार जिले में कोल्ड स्टोरेज निर्माण शुरू किया गया था.

फिर से निकलेगी निविदा

दुमका में दो, पलामू, लातेहार, पश्चिम सिंहभूम और रामगढ़ में बने एक-एक कोल्ड स्टोर का संचालन के लिए एजेंसी का चयन किया जाना है. इसके लिए सहकारिता विभाग अगले कुछ दिनों में टेंडर जारी करने वाली है. इन सात कोल्ड स्टोरेज को संचालन के लिए विभाग ने चार से पांच बार टेंडर जारी कर चुका है, लेकिन किसी एजेंसी ने इसमें रुचि नहीं ली. इसके कारण आठ-आठ करोड़ के लागत से बनकर तैयार कोल्ड स्टोर बेकार पड़े हैं. इसका लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है.

क्लासिफाइड

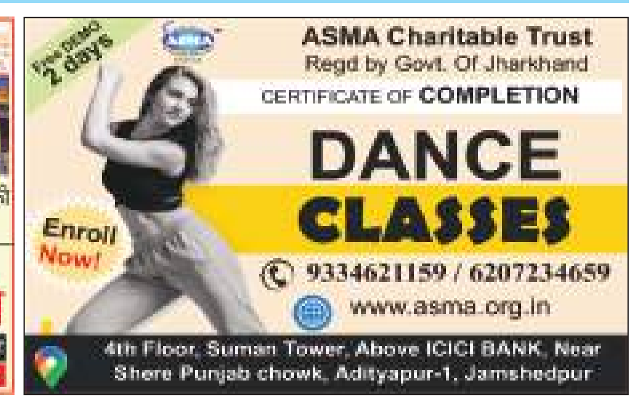

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 05 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 118 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बारिश जारी रही, तो रूक्का डैम से ढाई लाख मिलियन गैलन पानी बहाया जाएगा

गर्मी के बजाए बारिश के मौसम में सिकिदिरी हाइडल में चल रहा मेटेनेंस कार्य, 20 अगस्त तक पनबिजली प्लांट नहीं लेगा पानी

कौशल आनंद। रांची

- रूक्का डैम का जल स्तर खतरे के निशान से महज तीन फीट नीचे
- 33.04 फीट पहुंचा जल स्तर, 34 पहुंचने पर खोला जाएगा गेट

एक दिन की भारी बारिश के बाद रूक्का (गेतलसूद) डैम का जल स्तर खतरे के निशान से महज तीन फीट ही नीचे है. बारिश के दिन में रूक्का डैम का पानी छोड़ कर सिकिदिरी हाइडल पावर प्रोजेक्ट के लिए दिया जाता है. मगर, सिकिदिरी हाइडल में 25 जुलाई से ही वार्षिक मेटेनेंनस कार्य चल रहा है, जो 20 अगस्त तक चलेगा. यानी, मेंटेनेंस कार्य चलने तक सिकिदिरी हाइडल में रूक्का डैम का पानी नहीं लिया जाएगा.

अब सवाल उठता है कि गर्मी में जब डैम में पानी कम था, तब सिकिदिरी हाइडल का मेटेनेंस क्यों नहीं किया गया? रूक्का डैम के जल स्तर की बात करें, तो वैसे तो इसके खतरे का निशान 36 फीट है. रविवार को डैम का जल स्तर 33.04 फीट पर पहुंच चुका है. अगर फिर से बारिश शुरू हुई तो डैम से पानी छोड़ा जाएगा. पर, सिकिदरी प्रोजेक्ट 20 अगस्त तक इस पानी को नहीं लेगा, इसलिए डैम का बेशकिमती पानी यूं ही बर्बाद हो जाएगा. डैम की सुरक्षा के लिए पानी को छोड़ा जाना भी जरूरी है. जानकारी के अनुसार, कम से कम प्रतिदिन ढाई लाख मिलियन गैलन पानी यूं ही बहाया जाएगा.

पानी छोड़ने के बाद गोंदा डैम का जल स्तर खतरे से नीचे : भारी बारिश और रूक-रूक कर जारी बारिश के बाद गोंदा (कांके) डैम का जल स्तर खतरे के निशान 28 फीट तक पहुंच गया था. इसलिए, शनिवार को डैम के तीनों फाटक खोल दिये गये थे. इससे गोंदा डैम का जल स्तर 28 फीट से नीचे चला गया है. अब गोंदा डैम में पानी सुरक्षित स्तर पर पहुंच गया है.

रांची के तीनों डैम का जल स्तर (फीट में)

डैम	वर्तमान	पिछले साल	क्षमता
रूक्का	33.04	19.04	36.0
गोंदा	27.06	15.06	28.0
हटिया	25.08	25.11	38.0

हटिया डैम लबालब होने में अभी लगेगा काफी समय

हटिया डैम का जल स्तर अभी 25 फीट तक पहुंचा है. डैम की क्षमता 38 फीट है. यानी कि अभी इसे लबालब होने में काफी समय लगेगा. दरअसल, हटिया डैम पूरी तरह से बारिश और पिस्का नगड़ी से निकलने वाली स्वर्णरेखा नदी के पानी पर आश्रित है. नगड़ी और आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बारिश के बाद ही यह डैम भरेगा. चूंकि रिंग रोड निर्माण के समय डैम में जाने वाले स्वर्णरेखा नदी के पानी को काफी हद तक ब्लॉक कर दिया गया था, इसलिए अब काफी धीमी गति से नदी का पानी डैम में जाता है.

सिकिदिरी प्लांट का मेटेनेंस गर्मी में ही होता था, मगर इस बार चार जून तक आचार संहिता लगे रहने के कारण गर्मी में मेटेनेंस कार्य को शुरू नहीं किया जा सका. चार जून के बाद निविदा की प्रकिया शुरू हुई और 25 जुलाई से मेटेनेंनस कार्य शुरू किया गया. डैम का जल स्तर 34 फीट होने पर ही पानी छोड़ा जाता है. अभी बारिश थम गया है, इसलिए पानी बर्बाद होने की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही है. - **कुमुद रंजन**, जीएम, बिजली उत्पादन निगम

चांडिल डैम का जल स्तर 181.25 मीटर पहुंचा, चार रेडियल गेट खोले

चांडिल डैम के खोल गये चारों रेडियल गेट.

चांडिल। पिछले दो दिनों से रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण चांडिल डैम का जल स्तर बढ़ गया है. ऐहतियात के तौर पर रविवार की सुबह आठ बजे डैम के चार रेडियल को 10-10 सेंटीमीटर खोल दिया गया. सुबह डैम का जल स्तर 181.25 मीटर दर्ज किया गया. रेडियल गेट खोले जाने के बाद लगातार बढ़ रहे डैम के जल स्तर में स्थिरता आई है. हालांकि, शाम में एक गेट को 25 सेमी तक बढ़ा कर 35 सेंमी तक खोल दिया गया, जबकि शेष तीन गेट 10-10 सेमी तक ही खुले रहे. इसके पूर्व गुरुवार की सुबह भी चांडिल डैम का पांच रेडियल गेट खोला गया था और शाम में सभी गेट को बंद कर दिया गया था.

उत्तरी कोयल बराज का जल स्तर खतरे के निशान से दो फीट नीचे

उत्तरी कोयल बराज से बढ़ा हुआ जल स्तर.

हुसैनाबाद (पलामू)। देवरी कला में उत्तरी कोयल बराज का जल स्तर खतरे के निशान से दो फीट नीचे यानी 19.5 फीट पर है. अनुमंडल प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि सोन नदी के नजदीक ना जाएं. स्थानीय प्रशासन ने झारखंड-बिहार को जोड़ने वाले नाव घाट को बंद कर दिया है. देवरी ओपी प्रशासन लगातार सोनपुरवा, देवरी कलां, देवी खुर्द आदि जगहों में अपनी पेट्रोलिंग बढ़ा दी है. हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने कहा कि प्रशासन हर जगह मुस्तादी बरते हुए है. वहीं एसडीओ पीयूष सिंह ने सोन नदी के किनारे के क्षेत्र का निरीक्षण किया है. उन्होंने सभी कर्मचारियों को उचित दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि सभी जगह अलर्ट जारी कर दिया जाए.

झरिया की 12 लाख की आबादी को नहीं मिला पानी

धनबाद। दामोदर नदी का जल स्तर बढ़ने से झरिया के जामाडोबा स्थित झमाड़ा का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पूरी तरह ठप है. रविवार को भी इस प्लांट से पानी की सप्लाई नहीं हो सकी. यहां सप्लाई पंप के फुटबाल में कचरा फंस गया है. लगातार दूसरे दिन झरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 12 लाख की आबादी को पानी नहीं मिल पाया. झमाडा के अधिकारियों ने कहा कि नदी का जल स्तर कम होते ही मोटर को नीचे कर फुटबाल की सफाई की जाएगी और जल संयंत्र से पानी की सप्लाई का काम सुचारू किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

रांची जोन के आठ जिलों से 94 अपराधी गिरफ्तार

रांची। रांची जोनल आईजी के निर्देश पर रांची जोन के आठ जिलों में अपराधियों के विरुद्ध रविवार को छापेमारी अभियान चलाया गया. इस अभियान में 94 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. इनमें रांची में 35, गुमला में 20, जमशेदपुर में 19, सरायकेला में 12, चाईबासा में छह और खूंटी में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है.

झारखंड पुलिस की साइट पर अपलोड की गई रिपोर्ट

रांची। आईजी प्रोविजन पंकज कंबोज के निर्देश पर झारखंड पुलिस की साइट पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत 11 मुख्य बिंदुओं को लेकर रिपोर्ट अपलोड की गयी है. इनमें एफआईआर, जीरो एफआईआर, प्राथमिक जांच प्रतिवेदन, अपराध विवरण फॉर्म, गिरफ्तारी, कोर्ट में आत्मसमर्पण, तलाशी और जब्ती, फाइनल रिपोर्ट, गिरफ्तारी की सूचना, एफएसएल और प्रदर्श अग्रसारण रिपोर्ट शामिल हैं.

बोकारो नदी में लापता किसान का शव मिला

बोकारो। बोकारो नदी पुल टूटने के बाद लापता किसान का शव 28 घंटे बाद रविवार अहले सुबह मिला. गोमिया प्रखंड के ढेंढे गांव निवासी भोरी लाल प्रजापति का शव हजारी पंचायत के अंबा टोला के पास बोकारो नदी के किनारे झाड़ी में मिला. बता दें कि भोरी लाल प्रजापति शनिवार की सुबह डुमरी गांव में अपने खेत में जाने के लिए पुल पार कर रहे थे, तभी पानी के तेज बहाव में पुल का एक पाया टूट कर गिर गया और वह भी पानी में बह गये. शनिवार को एनडीआरएफ टीम ने नदी में खोजबीन की थी, पर सफलता नहीं मिल पाई थी.

मेहरबानी : संवेदक पर एटीआर लगने के बावजूद दर्जनों काम दिये

लातेहार में 70 करोड़ से ज्यादा की योजनाएं फंसी

आखिर एक ही निर्माण कंपनी पर इतनी मेहबानी क्यों ?

कमरुल आरफी। लातेहार

ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा एक नियमावली बनाई गई थी. इस नियमावली में कहा गया था कि एक संवेदक को एक कार्य आवंटित होने के बाद जब तक वह योजना पूरी नहीं होगी, उसे दूसरी योजना आवंटित नहीं की जायेगी. इसके पीछे विभाग की मंशा यह थी कि कार्य समय पर पूर्ण हो और अन्य संवेदकों को काम करने का अवसर प्राप्त हो पाये.

लातेहार जिले में ऐसे भी संवेदक हैं, जिन्हें एक- दो नहीं बल्कि दर्जन भर से अधिक कार्य विभाग की मेहरबानी से मिले हुए हैं. हालांकि, संवेदक द्वारा योजनाएं लटका दी जा रही हैं. यही नहीं पीएमजीएसवाई के कार्यों में एटीआर लगने के बावजूद नियमों की अनदेखी कर विभाग द्वारा संवेदक को कार्य आवंटित किये जा रहे हैं. विभाग की मेहरबानी से लातेहार जिले के मां यशोदा कंस्ट्रक्शन चंदवा को एक दर्जन से अधिक योजनाओं का काम मिला हुआ है. इसकी प्राक्कलन राशि तकरीबन 70 करोड़ रुपये है. लेकिन संवेदक द्वारा हर योजना में नाम मात्र का कार्य कर उसे अधूरा छोड़ दिया गया है.

बालूमाथ एनएच-22 से बारियातू प्रखंड के राहिया के बीच आधी-अधूरी सड़क.

बारिश में कर दिया कालीकरण

केस - 1

लगभग एक दर्जन गांव को मुख्यालय से जोड़ने वाली बालूमाथ प्रखंड के बालूमाथ एनएच-22 से बारियातू प्रखंड के राहिया तक 22.49 करोड़ की लागत से बनने वाली 10.625 किमी सड़क का कार्य संवेदक मां यशोदा कंस्ट्रक्शन द्वारा एकरारनामा करने के एक साल से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद अब तक अधूरा पड़ा हुआ है. यही नहीं ग्रामीणों के विरोध के बावजूद बारिश के दौरान सड़क के कुछ भागका संवेदक द्वारा लगभग एक महीने पहले कालीकरण किया गया. ग्रामीणों का आरोप है कि बारिश में कीचड़ पर बिना एमलसन एसएस-1 व आरएस-1 डाले सड़क की पीचिंग कर दी गई. इससे सड़क की गुणवत्ता बेहद कमजोर होने के कारण महीने दिन के अंदर ही पिच उखड़ने लगी है. गुणवत्ता के लिहाज से कालीकरण के लिए सड़क पर डाले जा रहे मेटेरियल का तापमान 150 से160 डिग्री होना चाहिए, परंतु बारिश के दौरान सड़क की पीचिंग से गुणवत्ता के लिहाज से मेटेरियल का तापमान मेंटेन नहीं होने से कमजोर सड़क बन रही है. हालांकि इस संबंध में पक्ष कथन लेने के लिए ग्रामीण कार्य विभाग के सहायक अभियंता अवधेश कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन रीसिव नहीं किया.

छह इंच की जगह दो-तीन इंच जीएसबी डाला गया

केस - 2

हेरहंज प्रखंड के ब्रहमोरिया से सेरका नदी तक पथ की विशेष मरम्मत का कार्य जिसकी लागत 3.20 करोड़ रुपये है, विभाग से मां यशोदा कंस्ट्रक्शन द्वारा एकरारनामा के बाद कार्य की शुरु कर अधूरा छोड़ दिया गया है. शिलान्यास के बाद भी कोई काम नहीं दिख रहा है. कहीं-कहीं कुछ काम किया गया है तो उसमे घोर अनियमितता बरती गई है. छह इंच की जगह दो से तीन इंच जीएसबी डाला गया है. घटिया कलवर्ट बनाया गया है.

केस - 3

चंदवा प्रखंड के बोदा के ग्रामीण मां यशोदा कंस्ट्रक्शन के कारण ख़राब सड़क का कोप झेल रहे हैं. एनएच 75 लुकुइया से बोदा तक सात करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क का काम छह माह गुजरने के बाद भी धरातल पर नहीं दिखता है.

मां यशोदा कंस्ट्रक्शन को ये काम आवंटित किये गये हैं

1. बालूमाथ एनएच 22 से बारियातू प्रखंड के राहिया तक 22.49 करोड़ की लागत से बनने वाली 10.625 किमी सड़क
2. हेरहंज प्रखंड के ब्रहमोरिया से सेरका नदी तक पथ की विशेष मरम्मती का कार्य जिसकी लागत 3.20 करोड़ रुपये है
3. चंदवा प्रखंड के रूद एनएच 75 से कुलगड़ा आरसीडी रोड भाया किताआन तक 14 किमी तक बनने वाली सड़क.
4. एनएच 75 लुकुइया से बोदा तक सात करोड़ की लागत से बननेवाली सड़क
5. जेएच -एलएटी 03 1.46 करोड़ की लागत से एनएच 22 से रोल सड़क.
6. जेएच- एलईडब्ल्यूई -एलएटी 01 5.22 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क.
7. जेएच-बीआर-एलईडब्ल्यूई-एलएटी03 2.43 करोड़ की लागत से पुलिया निर्माण.
8. ठेढइटांगर-पाईकपारा फागूटोली पथ 1.44 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क.
9. ललगाड़ी से बिचलीदाग 3.47 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क.
10. जेएच-14 एइसी-42बी 1.30 करोड़ रुपये की लागत से पुलिया निर्माण कार्य.
11. जेएच-एलडब्ल्यूई-एलएटी 03 गारू से हेसवा सड़क जिसकी लागत 7.26 करोड़ है.

अधिवक्ता हत्याकांड में मुठभेड़ के बाद सफलता

तीन अपराधी गिरफ्तार पिस्तौल व गोली बरामद

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते एसएसपी चंदन सिन्हा व सिटी एसपी.

- अनगड़ा में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई गोलीबारी
- अनगड़ा से दो और सिल्ली से एक अपराधी को दबोचा गया

संवाददाता। रांची

रांची सिविल अधिवक्ता गोपाल कृष्ण हत्याकांड में रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने मुख्य आरोपी रोशन मुंडा और संदीप कालिंदी के अलावा इन दोनों के सहयोगी संदीप मुंडा को भी गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके पास से एक पिस्तौल और दो कारतूस भी बरामद किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा और सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस बताया कि अपराधियों के अनगड़ा में छिपे होने की गुप्त सूचना मिली थी.

इस आधार पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया था. पुलिस टीम अपराधियों को पकड़ने के लिए अनगड़ा के महेशपुर स्थित बागानटोली पहुंची, तो उनलोगों ने पुलिस के उपर गोलीबारी शुरू कर दी. पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो राउंड गोली चलाई. इसके बाद रोशन मुंडा ने आत्मसमर्पण कर दिया. वहीं, उसके सहयोगी संदीप मुंडा को भी मौके से दबोचा गया. वहीं, पुलिस पर गोलीबारी करते हुए एक अपराधी संदीप कालिंदी मौके से फरार हो गया था. बाद में उसे सिल्ली से गिरफ्तार किया गया.

अधिवक्ता से पिटाई के बाद आक्रोश में था रोशन : रोशन मुंडा ने पुलिस को बताया है कि घटना के दिन अधिवक्ता गोपाल कृष्ण ने उसके साथ मारपीट की थी. अधिवक्ता पूजा करने के लिए मंदिर जा रहा था, इसी दौरान वह उससे टकरा गया और उसका पूजा का सामान गिर गया. इसके बाद अधिवक्ता ने उसे बेरहमी से पीटा. इसी गुस्से में उसने कुछ देर बाद अधिवक्ता को उसके घर के सामने ही चाकू मारकर हत्या कर दी. वहीं संदीप कालिंदी ने बताया कि अधिवक्ता द्वारा मेरा केस लड़ने के लिए ज्यादा पैसा मांगा जा रहा था. इसको लेकर विवाद भी हुआ था, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी.

डीजीपी ने परिजनों को दिया था आश्वासन

सुखदेवनगर थाना क्षेत्र मधुकम स्थित महुआ टोली में अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की शुक्रवार को चाकू गोद कर हत्या कर दी गयी थी. इस घटना के दूसरे दिन शनिवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दिवंगत अधिवक्ता के परिजनों से उनके घर पर मुलाकात की थी. डीजीपी ने मृतक की मां और पत्नी को आश्वासन दिया था कि घटना में शामिल अपराधियों को जल्द से गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

बालूमाथ हादसे में घायल कांवड़िया की रांची में इलाज के दौरान मौत

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

खास बातें

- एक अगस्त को सवारी गाड़ी पर 11 केवी तार गिर गया था
- करंट लगने से पांच कांवड़ियों की मौके पर हो गयी थी मौत

बालूमाथ थाना क्षेत्र के टमटमटोला के पास विगत एक अगस्त को हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो कांवड़ियों में से एक की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गयी. मृतक की पहचान धाधू पंचायत के भैंसादोन निवासी हनेश यादव के रूप में हुई है. उसका रांची के देवकमल अस्पताल में इलाज चल रहा था. बता दें कि एक अगस्त को तड़के करीब तीन बजे कांवरियों से भरी सवारी गाड़ी बिजली के खंभे से टकरा गयी थी.

इससे बिजली का खंभा टूट गया था और 11 केवी बिजली का तार सवारी गाड़ी पर गिरने के कारण उसमें करंट दौड़ गयी थी. इस घटना में पांच कावड़ियों की मौके पर ही मौत हो गयी थी, जबकि पांच अन्य झुलस गये थे. इनमें दो की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें रांची रेफर कर दिया था. अब एक और कांवड़िया की इलाज के दौरान मौत होने के बाद इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या छह हो गई है. मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही स्थानीय विधायक सह शिक्षा मंत्री वैद्यनाथ राम घायल हनेश का हाल जानने देवकमल अस्पताल गये थे.

अपराध नक्सलियों के बाद अब अपराधियों के निशाने पर झारखंड पुलिस के जवान व पदाधिकारी

चार साल में दो दारोगा समेत 10 पुलिसकर्मियों की हत्या

सौरभ सिंह। रांची

- चार साल में अपराधियों की गोली से चार पुलिसकर्मी हुए घायल
- किसी भी अपराधी को मारने में असफल रही है झारखंड पुलिस

नक्सलियों के बाद अब अपराधियों के भी निशाने पर झारखंड पुलिस के जवान और पदाधिकारी हैं. विगत चार साल के दौरान (अप्रैल 2020 से लेकर 2 अगस्त 2024) अपराधियों के राज्य के अलग-अलग जिले में दो दारोगा समेत 10 पुलिसकर्मियों की हत्या की है. वहीं, अपराधियों की गोली से चार पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं. हालंकि, इसकी तुलना में झारखंड पुलिस के हाथ किसी भी आपराधिक गिरोह के एक भी अपराधी को एनकाउंटर में मार गिराने में सफलता नहीं मिल पाई है. दूसरी ओर, चार साल की अवधि में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 17 जवान शहीद हुए हैं, जबकि सुरक्षा बलों ने 60 नक्सली को मार गिराया है.

जानें कब-कब अपराधियों ने की पुलिसकर्मियों की हत्या

02 अगस्त 2024 : रांची के कांके थाना क्षेत्र में बोरेया रोड में स्पेशल ब्रांच के दारोगा की गोली मार कर हत्या कर दी गयी.

29 जुलाई 2024 : गुमला के नेतरहाट घाटी में बाइक सवार पुलिस जवान की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी.

08 दिसंबर 2023 : जमशेदपुर के मानगो जवाहरनगर रोड नंबर 16 में पुलिस जवान की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी.

11 फरवरी 2023 : देवघर के नगर थाना क्षेत्र में कृष्णा टॉकिज के पीछे अपराधियों के साथ मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद हो गये थे.

20 जुलाई 2023 : पशु तस्करों ने रांची के तुपुदाना ओपी की दारोगा संध्या टोप्पो की गाड़ी से कुचल कर हत्या कर दी थी.

25 जून 2023 : रामगढ़ जिले के भुरकुंडा ओपी क्षेत्र में देर रात पुलिस जवान पंकज दास की गोली मार कर हत्या की गयी थी.

24 जून 2022 : साहिबगंज जिले में जैप 9 में पदस्थापित जवान गुड्डू ओझा की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी.

01 मई 2021 : पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के फुलपहाड़ी गांव में पुलिस जवान और एक बच्चे की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी.

16 दिसंबर 2020 : हजारीबाग में पुलिस जवान वीरेंद्र कुमार मेहता की पत्थर से कूच कर हत्या कर दी गयी थी.

कब-कब अपराधी की गोली से घायल हुए पुलिसकर्मी

18 जुलाई 2023 : रामगढ़ के पतरातू में अमन साहू के गुर्गों ने एटीएस डीएसपी और रामगढ़ के दारोगा को गोली मारी थी.

18 मार्च 2021 : रांची में स्कूटी सवार दो अपराधियों ने चुटिया थाना के दारोगा को गोली मार कर घायल कर दिया था.

30 अप्रैल 2020 : साहेबगंज कारागार में कार्यरत जेल सिपाही रजनीश कुमार चौबे को अपराधियों ने गोली मार दी थी.

अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

किरीबुरु। झारखंड पुलिस की विशेष टीम ने ओडिशा पुलिस के सहयोग से अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. लुटेरों के पास से बाइक, स्कूटी, दो मोबाइल व अन्य समान बरामद किये गये हैं. बड़ाजामदा ओपी में रविवार को प्रेस वार्ता कर किरीबुरु एसडीपीओ अजय करकेट्टा ने यह जानकारी दी. गिरफ्तार अपराधियों में औरंगाबाद (बिहार) के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के टिकारी रोड अलीनगर निवासी मो सैफुल्ला उर्फ मो सैफ, ओडिशा के सुंदरगढ़ जिला अंतर्गत कोयडा थाना क्षेत्र का रहनेवाला राजेश मिस्त्री और क्योंझर जिला के बड़बिल भुंजो कॉलोनी निवासी अभिमन्यु प्रधान शामिल है. इन लुटेरों ने जुलाई के अंतिम दिनों में तीन बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था.

ब्रीफ खबरें

भक्तों का जत्था दर्शन के लिए बाबाधाम रवाना

सतबरवा (पलामू)। लहलहे से बाबा वैद्यनाथ के दर्शन के लिए रविवार को एक जत्था रवाना हुआ. इस जत्था को इंटक के प्रदेश सचिव विवेका त्रिपाठी ने बोल बम के जयकारे के साथ रवाना किया. इस मौके पर त्रिपाठी ने कहा कि बाबा वैद्यनाथ हर व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण करती है. आप सभी की भी मनोकामना पूर्ण हो. बाबा ने लोगों के कल्याण हेतु खुद विष पी लिया था. बाबा के दर्शन मात्र से ही जीवन धन्य हो जाता है. इस जत्था में राजरुप चौधरी, मोतीलाल चौधरी,रिंकु चौधरी, ब्रजेश पाण्डे, प्रदीप तिवारी, पंचायत समिति सदस्य सुभाष तिवारी, संजय चौधरी, बब्लू तिवारी मुख्य रूप से शामिल हैं.

मोर्चा कार्यालय में विचार गोष्ठी नौ को

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को जिला कार्यालय में हुई. बैठक की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की. बैठक में चतुर्थवर्गीय पदों पर नियुक्ति के लिए हुए काउंसलिंग में सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांग को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन की समीक्षा की गई. कहा गया कि जिला प्रशासन की उदासीनता एवं मनमानी के कारण आज भी पलामू में 500 से अधिक पद रिक्त हैं. दूसरी तरफ काउंसिलिंग में सफल अभ्यर्थी को नियुक्ति से वंचित रखा गया है जिस कारण बेरोजगारों में काफी आक्रोश है.

कोयल नदी में डूबने से अधेड़ की हुई मौत

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड के सुआ कौड़िया गांव निवासी पूरन सिंह(45) की कोयल नदी में डूबने से मौत हो गई. शनिवार की शाम पूरन सिंह का शव कोयल नदी से निकाला गया. दरअसल कोयल नदी में पूरन के डूबने के बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर से काफी प्रयास किया. सदर थाना प्रभारी दल ने शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजवाया. इधर, घटना की जानकारी मिलने पर विधायक आलोक चौरसिया, जिप सदस्य अर्जुन सिंह, पंसस अजीत सिंह, मुखिया पति रविंद्र सिंह, संतोष साव ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पोस्टमार्टम करवाया.

रेलवे ट्रैक के बगल से युवक का शव बरामद

उंटारी रोड (पलामू)। उंटारी रोड रेलवे स्टेशन व सतबाहिनी रेलवे स्टेशन के बीच लहरबंजरी के नवाडीह में रेलवे ट्रैक के बगल से पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है. उंटारी रोड थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया की लहर बंजारी के कुछ ग्रामीणों ने सुबह रेलवे ट्रैक के बगल में शव को देखा. जिसके बाद सूचना मिलते ही दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु एमआरएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया गया है. उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग यह कयास लगा रहे है की किसी पैसेंजर ट्रेन से गिरने से युवक की मौत हुई है.

पलामू पतंजलि परिवार ने मनाया जड़ी-बूटी दिवस

मेदिनीनगर। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्णजी महाराज के जन्मदिन 4 अगस्त को पलामू पतंजलि परिवार ने जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया. जिला मुख्यालय नावाटोली स्थित कार्यालय पर प्रातः कालीन योग कक्षा के बाद आयोजित कार्यक्रम में जिला मुख्यालय पर लगभग 3000 औषधि ,फलदार, एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया .मौके पर जिला प्रभारी राजीव शरण, किसान प्रभारी ओंकारनाथ, मीडिया प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री जनार्दन प्रसाद, वरिष्ठ योग शिक्षक सुरेश कुमार उदयपुरी, रमाकांत प्रसाद आदि शामिल थे.

शिवाजी मैदान मे डिज्नीलैंड मेले का विधायक आलोक चौरसिया ने किया उदघाटन, कहा-

मेले से मनोरंजन के साथ रोजगार को मिलता है बढ़ावा

संवाददाता। मेदिनीनगर

स्थानीय शिवाजी मैदान में डिजनीलैंड मेला सह मॉल का उदघाटन हुआ. उदघाटन डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, प्रथम उप महापौर मंगल सिंह, दुर्गा जौहरी, रूपा सिंह, राज कुमार गुप्ता, आयोजक जितेंद्र कुमार, पवन गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया.

मौके पर विधायक श्री ,चौरसिया ने कहा कि पवित्र महीना सावन के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस

डिज्नीलैंड मेला का हुआ उदघाटन करते विधायक.

वर्ष भी पलामू में झूलन मेला सह डिजनीलैंड का आयोजन किया जाता रहा है. इस प्रकार के मेले से शहरवासी ही नहीं बल्कि पलामू जिले के अलावे दूसरे जिला से भी लोग आकर मेला एवं झूलन का आनंद सपरिवार लेते हैं. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से जहां एक ओर लोगों को मनोरंजन मिलता है वहीं दूसरी ओर रोजगार को भी बढ़ावा मिलता है.

मेला लगने से कई छोटे छोटे दुकानदार , ऑटो, रिक्शा चालक को भी रोजगार मिलता है. उन्होंने कहा कि इस मेला की स्वच्छता एवं सुरक्षा बनाये रखें. ताकि कहीं किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. मेला के संरक्षक जितेंद्र कुमार ने कहा कि पलामू में पहली बार सुनामी झूला मीटर रोलिंग, टावर, 108 व्यक्ति को बैठने वाला नाव, मौत का कुआं, बड़ा झूला टावर के अलावे बच्चों के लिए स्कार्पियो झूला , हेलीकॉप्टर झूला, जंपिंग झूला व महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र फिरोजाबाद की चुड़ी, कोलकाता का अचार, मॉल के अलावे कई मनोरंजन के साधन एवं भारत के विभिन्न राज्यों के हस्तनिर्मित सामग्री उपलब्ध है. मौके पर मीडिया प्रभारी रवि रंजन, अजय कुमार कल्लू, राजू कुमार, पुष्पा राज, तुल्लु खान समेत कई लोग शामिल थे.

दो दिन में जिस बारिश को लेकर इतना भौकाल मचा, वह नाकाफी

पलामू जिले में पांच प्रतिशत रोपनी भी नहीं हुई, खेत परती

अरुण कुमार सिंह। मेदिनीनगर

पिछले शुक्रवार और शनिवार को हुई बारिश का भौकाल पलामू में भी खूब मचा . पानी का लेयर पाताल जाने के बाद पिछले छह महीने से पानी के लिए बे-पानी हुए शहर के लोग दो दिन में ही रूक-रूककर होनेवाली बारिश से त्राहिमाम् करते हुए नजर आये . लेकिन जमीनी असलियत यही है कि इतनी बारिश से न तो जलस्तर बहुत बढ़ा है और न ही खेतों में पानी जमा हुआ है जिससे कि धनरोपनी हो सके! शनिवार की दोपहर से ही बारिश बंद हो चुका है और रविवार को तो सुबह से ही धूप खिला था .

पिछले दो दिन का बारिश धनरोपनी के लिए पर्याप्त नहीं : पलामू में 1,73,553 हेक्टेयर शुद्ध कृषि योग्य भूमि है . इनमें चालू वर्ष में 1.36 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसल यथा धान, मक्का,दलहन, तिलहन तथा मोटे अनाज लगाने का लक्ष्य निर्धारित है . इस लक्ष्य के विरूद्ध अभी तक 40% फसल भी नहीं लग पाया है . 51 हजार हेक्टेयर में धान लगाने के लक्ष्य के विरूद्ध 5% भी धनरोपनी, इस बारिश के बाद भी, शायद ही संभव हो पाए ! क्योंकि जुलाई माह में लक्ष्य के विरूद्ध मात्र 1% ही धनरोपनी का कार्य हुआ है . जुलाई माह में औसत 350 मिलीमीटर बारिश की जरूरत थी . लेकिन पलामू में लक्ष्य के विरूद्ध 89% कम बारिश हुई थी .

दूर-दूर तक परती पड़े खेत

पिछले दो साल से सुखाड़ की मार झेल रहा है पलामू

पिछले दो साल से पलामू सुखाड़ की मार झेल रहा है . 2022 और 2023 में पलामू में औसत से भी कम बारिश हुई थी . साल 2023 में पलामू के लगभग सभी प्रखंडों को सुखाड़ क्षेत्र घोषित किया गया था और सरकार ने सिंचाई के कई मास्टर्स प्लान भी बनाये थे जो जमीन पर नहीं उतर सका.

पानी या तो पाताल चला गया या बिहार

पिछले दो-तीन दिन की बारिश का हस्र यही हुआ कि वर्षा का पानी या तो पाताल चला गया या फिर पलामू की प्रमुख नदियों से बहते हुए पड़ोसी राज्य बिहार . हां, इन दो दिनों की बारिश के दौरान पलामू वासियों ने बहुत दिनों बाद नदियों को उफनते और मचलते हुए जरूर देखा . नगर पंचायत और नगर निगम क्षेत्र में विकास के ढोल का पोल भी इस बारिश ने खोल दिया . लेकिन अगर कुल मिलाकर अगले पांच दिनों में कम से कम 200 मिलीमीटर और बारिश नहीं होती है तो कम से कम, पलामू जिले के अधिकतर हिस्सों में तो धनरोपनी का कार्य संभव नहीं ही हो पाएगा .

टोरी रेलवे का अंडरब्रिज पास भी पानी में डूब गया

चंदवा (लातेहार)। टोरी रेलवे क्रॉसिंग के पूरब में रेलवे का अंडरपास पास पानी में डुब गया है. अंडरपास का कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने रविवार को निरीक्षण किया. उन्होंने एक कहा कि रेलवे क्रॉसिंग की घंटों जाम से लोगों को निजात दिलाने के लिए रेलवे के द्वारा ये अंडरपास का निर्माण कराया गया था. इसमें रेलवे ने लाखो रुपए खर्च किए लेकिन इसका फायदा आम जनता को नहीं मिल पाया. जमीन के लेबल से गहराई में बने अंडरपास में पानी का रिसाव हमेशा होता है. थोड़ी सी बारिश होने पर इसमें पानी भर जाता है. अंडरपास से पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है. जब इस अंडरपास का निर्माण करवाया जा रहा था, उस समय ग्रामीणों ने इस समस्या की ओर रेल पदाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करवाया था लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया. इस अंडरपास को बने करीब दो वर्ष होने को है लेकिन इस पर चार पहिया व दोपहिया वाहन तो छोड़ दें पैदल भी कोई नहीं चला है.

गाड़ी से घायल खैरादोहर के अविनाश राम की रिम्स में मौत

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर नगर मुख्यालय के ब्लॉक रोड में कुछ दिन पहले पिपरा थाना के बोलेरो वाहन से हुए सड़क दुर्घटना में घायल अविनाश राम ने रिम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. घर के इकलौता कमाऊ सदस्य के निधन से उसके माता पिता और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सड़क दुर्घटना के बाद अविनाश राम का पूरा शरीर पैरालाइज्ड हो गया था. तात्कालिक इलाज पल्स अस्पताल में कराया गया था . लेकिन बाद में पैसे के अभाव में उसे रिम्स में भर्ती कराया गया जहां स्पाइनल कोड के ऑपरेशन के बाद अविनाश राम ने दम तोड़ दिया. बरियातू थाना की पुलिस ने रिम्स में अविनाश राम के माता पिता से फर्द बयान लिया है, जिसमें कहा गया है कि छतरपुर में उनका बेटा सीमेंट व्यवसायी अमित जायसवाल के काम से बाइक से जा रहा था. उसी दौरान ब्लॉक रोड स्थित लखन विश्वकर्मा के गैरेज से निकलते वक्त पिपरा थाना की गाड़ी ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनके बच्चे को धक्का मार दिया जिसके बाद वह गम्भीर रूप से घायल हो गया था. पुलिस की संवेदनहीनता को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में उबाल है . पुलिस की ओर से न तो किसी तरह की आर्थिक सहायता ही उपलब्ध कराया गई और ना ही मामले की प्राथमिकी ही दर्ज की गई . परिजनों और ग्रामीणों ने दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए मुआवज़े की मांग की है. वहीं सूचना मिलने के बाद स्थानीय समाजसेवी अरविंद गुप्ता चुनमून ने खैरादोहर स्थित उनके घर मे जा कर परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया .

भारी बारिश के कारण जपला हार्वे स्कूल तालाब में तब्दील

विद्यालय परिसर में जमा पानी के बीच से जाते लोग.

- कार्यालय सहित सभी कक्षा में घुसा पानी, कई कागजात भी हुए बर्बाद

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

ब्रिटिश शासनकाल में जपला सीमेंट फैक्ट्री देवरी में स्थापित हार्वे सोनभैली उच्च विद्यालय परिसर मूसलाधार बारिश के कारण जल मग्न हो गया है. विद्यालय के ऑफिस व क्लास रूम तक पानी ही पानी हो गया. प्रधानाध्यापक डॉ सुजाऊल हक ने बताया कि ऑफिस में एक फीट तक पानी जमा है. पूरे स्कूल की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई हैं. बारिश के कारण शिक्षक व बच्चे तीन फीट तक जमा पानी में विद्यालय आना-जाना कर रहे हैं. सहायक शिक्षक संतोष कुमार ने बताया कि स्कूल की बिल्डिंग भी काफी जर्जर हैं. स्कूल में पानी घुसने से ऑफिस के जरूरी फाइल व कागजात भी नष्ट हो गए हैं. यहां पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नही है. विदित हो कि हार्वे स्कूल में पढ़े विद्यार्थी आज देश के कई हिस्सों में महत्वपूर्ण पद व स्थान पर कार्य कर रहे हैं. जब जपला सीमेंट फैक्ट्री का संचालन हो रहा था तब इस विद्यालय में भी रौनक दिखती थी लेकिन वर्तमान में स्कूल संचालित तो हो रहे हैं लेकिन उस ओर किसी राजनेता व सरकारी सिस्टम का ध्यान नहीं है.

चार दिनों से अंधेरे में है शहर का रिहायशी इलाका

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र के थाना चौक का एक रिहायशी इलाका विगत चार दिनों से अंधेरे में है. बताया जाता है कि थाना चौक में लगे ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण इस क्षेत्र में पिछले चार दिनों से अंधेरा है. बता दें कि इस इलाके में नगर पंचायत कार्यालय, चिल्ड्रेन कान्वेंट स्कूल, किड्स जी स्कूल व होटल ब्लिस के अलावा कई व्यवसायिक प्रतिष्ठान व दर्जनों आवासीय परिसर हैं. चार दिनों से बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. एक स्थानीय व्यवसायी ने बताया कि जिस ट्रांसफार्मर से इस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जाती है वह क्षमता से काफी कम है, इसलिए हर साल ट्रांसफार्मर खराब होता है. पिछले साल भी ट्रांसफार्मर खराब हो गया था और कई दिनों तक बिजली नहीं थी. लोगों ने चंदा कर ट्रांसफार्मर मंगाया था. अब फिर वैसी स्थिति फिर आ गयी है. विभागीय अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं. स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर पांच अगस्त तक बिजली सेवा बहाल नहीं हुई तो वे विभाग का घेराव करेगें.

इस संबंध में पूछे जाने पर कनीय विद्युत अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि थाना चौक में लगा एक ट्रांसफार्मर खराब हो गया है.

केंद्रीय बजट का दूरगामी परिणाम होगा : कालीचरण

पत्रकारों को संबोधित करते कालीचरण सिंह.

संवाददाता। लातेहार

सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 का जो बजट पेश किया है उसका दूरगामी परिणाम होगा. यह बजट देश के समावेशी विकास में भविष्य की दृष्टिकोण से तैयार किया गया है. यह बजट देश को विकास की राह में बहुत आगे ले जायेगा. सांसद श्री सिंह ने रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में केंद्रीय बजट को ले कर आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. मौके पर जिला अध्यक्ष पंकज सिंह व उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे समेंत कई भाजपा नेता शामिल थे. सांसद ने आगे कहा कि केंद्रीय बजट देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण बजट है. भाजपा सरकार के पिछले दस वर्षों के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था 11 वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है. आने वाले पांच वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी. स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले बजट से साढ़े 12 प्रतिशत अधिक वृद्धि की गयी है. शिक्षा में 15 प्रतिशत, कौशल विकास एवं रोजगार सृजन को लेकर 27 प्रतिशत और कृषि के क्षेत्र में 17 प्रतिशत अधिक का प्रावधान किया गया है. आगे बताया कि इस बजट में देशभर में 14 हजार किलोमीटर तीसरी लाइन बनाने का लक्ष्य रखा गया है. आधुनिकीकरण के तहत 432 बड़े स्टेशन का निर्माण किया जाएगा.

प्रतियोगिता | दो दिवसीय डीएवी संकुल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

डीएवी डालटनगंज बना ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता। लातेहार

डीएवी पब्लिक स्कूल, लातेहार के द्वारा आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स- 2024 दो दिवसीय संकुल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन रविवार को हो गया. प्रतियोगिता में ओवर ऑल चैंपियन डीएवी डालटेनगंज और रनर अप डीएवी गुमला रहा. समापन के बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जिला स्टेडियम में किया गया. कार्यक्रम में बतौर अतिथि डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड जोन-आई के सहायक क्षेत्रीय निदेशक सह एमके डीएवी पब्लिक स्कूल, डालटेनगंज के प्राचार्य डॉ जीएन

अतिथियों का स्वागत करते आयोजक.

खान, जोन-आई के डीएवी स्कूल्स लोहरदगा, सिमडेगा, गढ़वा , भवनाथपुर व गुमला के प्राचार्य के अलावा अधिवक्ता संजय कुमार, आलोक कुमार मंटू, पंकज कुमार सिंह, राकेश कुमार दुबे, आशीष नाथ

खास बातें

- प्रतियोगिता में रनर अप रही डीएवी गुमला की टीम
- पुरस्कार वितरण समारोह जिला स्टेडियम में किया गया

शाहदेव आदि मौजूद थे. विद्यालय के संगीत शिक्षक सूरज कुमार मिश्रा के निर्देशन में बच्चों के द्वारा स्वागत गान गाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया. विद्यालय के प्राचार्य घनश्याम सहाय ने आगंतुक अतिथियों का पुष्प गुच्छ, शॉल और मोमेंटो देकर स्वागत किया. सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉ खान ने कहा कि बच्चे पढ़ाई-लिखाई से अतिरिक्त समय निकालकर लगातार खेल के मैदान में विभिन्न खेलों का निरंतर अभ्यास करते हैं और इसका सुखद परिणाम भी देखने को मिलता है. डीएवी लातेहार के प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय ने कहा कि सात जिले से आए विभिन्न डीएवी स्कूल्स के अंडर 19,अंडर 17 ,अंडर 14 आयु वर्ग के लगभग 200 बच्चों ने इसमें भाग लिया. उन्होने प्रतिभागियों के अलावा एस्कोर्ट टीम, खेल प्रशिक्षक सभी ऑफिशल्स को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया. खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन कई स्पर्धायें आयोजित की गयी.

सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण पर फैसला गैरसंवैधानिक

पांकी (पलामू)। भीम आर्मी - आजाद समाज पार्टी नेता नागमणि

रजक ने सुप्रीम कोर्ट के द्वारा दी गई अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण पर ब्यान पर विरोध जताते हुए कहा है कि अनुसूचित जाति/जनजाति को संविधान में आरक्षण उनके पिछड़ेपन और जाति की वजह से दी गई है, इसे आर्थिक रूप से प्रसार करना भारतीय संविधान के खिलाफ फैसला है। कोई भी कानून बनाना वो विधायिका का कार्य है, सुप्रीम कोर्ट के पास कानून बनाने का अधिकार नहीं है परंतु सुप्रीम कोर्ट ने जब भी फैसला बाहर प्रकाशित होती है वो सिर्फ अनुसूचित जाति/जनजाति के खिलाफ ही होती है.

न्यूज अपडेट

विधायक ने कांवरियों को देवघर के लिए किया रवाना

मेदिनीनगर। पवित्र श्रावण मास के मौके पर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए नीलांबर पितांबरपुर प्रखंड क्षेत्र के कुंदरी से कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना हुआ. कांवरिया जाते को पाखी विधायक डॉक्टर कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. बोल बम कांवरिया संघ के बैनर तले दर्जनों कांवरिया का जत्था देवघर, अयोध्या, बोधगया, सुल्तानगंज, तपोवन, राजगीर, विंध्याचल, बनारस, सासाराम, ताराचंडी, चेगनवा के लिए रवाना हुआ. बाजे गाजे के साथ निकले कांवरिया के जत्थे का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया. इस दौरान पूरा माहौल भक्तिमर बना हुआ था. कांवरिया संघ के सदस्य ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरियों का जत्था देवघर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया .

रुद्र शुक्ला के घर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर

पांकी (पलामू)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर इन दिनों पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने को लेकर पलामू के दौरे पर हैं. पांकी विस क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सह युवा कांग्रेस नेता रुद्र शुक्ला की दादी सूर्यमुखी देवी के निधन की सूचना के बाद दूसरे दिन उनके पैतृक आवास लेस्लीगंज प्रखंड क्षेत्र के कमलकेड़िया गांव पहुं. मौके पर श्री ठाकुर ने शोक-संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए सूर्यमुखी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय पासवान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मानस सिन्हा, पलामू जिलाध्यक्ष जेयश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक आदि उपस्थित थे.

आदिवासी दिवस मनाने को लेकर समन्वय समिति की बैठक

लातेहार। आगामी नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने को ले कर आदिवासी समन्वय समिति की एक बैठक स्थानीय आदिवासी वासाओड़ा में रविवार को संयोजक सेलेस्टीन कुजूर की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में आदिवासी दिवस के कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं अन्य तैयारियों की समीक्षा की गयी. . आदिवासी आज भी गुलामी की जंजीरों में जकड़े हैं. सुदूरवर्ती आदिवासी बहुल इलाकों में आज भी विकास की किरणें नहीं पहुंची है. इन सभी सवालों को आदिवासी दिवस पर उठाने का निर्णय लिया गया. नौ अगस्त को पूर्वाह्न साढ़े दस बजे से पूजा अर्चना की जायेगी. 11बजे सांस्कृतिक रैली निकाली जायेगी .

बैद्यनाथ राम ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का स्वागत किया

लातेहार। स्थानीय विधायक सह राज्य के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने अपने लातेहार स्थित आवासीय परिसर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान एवं पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मानस सिन्हा का स्वागत किया. मौके पर श्री राम ने शॉल भेंट किया. बता दें कि राजेश ठाकुर व अन्य पलामू में एक कार्यक्रम में भाग लेकर रांची लौट रहे थे. इस दौरान उन्होंने स्थानीय विधायक सह शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से मुलाकात की. मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि पंकज तिवारी, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम, अंकित पांडेय, विशाल कुमार, नसीम अंसारी, चंदन कुमार, विवेक गुप्ता, मो रिजवान आदि शामिल थे.

रूचिर डालटनगंज विस क्षेत्र से होंगे सीपीआई उम्मीदवार : जितेंद्र

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार होंगे. राज्य कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह ने कहा कि रांची में आयोजित राज्य परिषद की दो दिवसीय बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक की अध्यक्षता पशुपति कोल ने की. वहीं, बैठक में झारखंड राज्य के नवनियुक्त प्रभारी राम कृष्ण पांडा, एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेंद्र कुमार, पूर्व सांसद सह किसान सभा के राज्य अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, राज्य सचिव महेंद्र पाठक, आंफिस सेकेट्री अजय सिंह आदि उपस्थित थे. जितेंद्र सिंह ने कहा कि डाल्टनगंज विस क्षेत्र में इस बार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी .

स्कूली बच्चों के लिए कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बरवाडीह (लातेहार)। सोतोकान कराटे स्टाईल ऑफ क्लासिकल मार्शल आर्ट फेडरेशन इंड़िया के द्वारा प्रखंड मुख्यालय के रेलवे क्लब में स्कूली बच्चों के लिए कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रशिक्षण में एसकेसीएमएफआई स्टेट मुख्य प्रशिक्षक सेंसई मदन लाल के द्वारा प्रखंड में संचालित संत क्लारेट स्कूल, ग्रीनलेंड पब्लिक स्कूल, आरडी पब्लिक स्कूल समेत अन्य स्कूल से 20 छात्र छात्राओं को चयनित किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर मदनलाल ने बताया कि कराटे के लिए चुने सभी छात्र-छात्राओं को बेल्ट ग्रेडिंग कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा. यह पूरे एक माह तक चलेगा. चयनित सभी छात्र-छात्राओं में से बेहतर प्रदर्शन करने वाले का चयन राज्य स्तर के प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा.

मंत्री बैद्यनाथ ने सामुदायिक सत्संग केंद्र का किया शिलान्यास

लातेहार। स्थानीय विधायक सह सूबे के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने विधायक कोटे की राशि से शहर के धर्मपुर में सामुदायिक सत्संग केंद्र का शिलान्यास किया. उन्होंने नारियल फोड़कर शिलापट्ट का अनावरण किया. बैद्यनाथ राम ने काली मंदिर के पास सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार की भी आधारशिला रखी. वैदिक मंत्रोच्चारण संतोष कुमार मिश्रा ने किया. मौके पर मंत्री राम ने कहा कि सत्संग से तन व मन दोनों स्वस्थ्य रहता है. मंत्री ने भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं करने की बात कही. मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, डा सुरेंद्र सिंह, गोपाल चौरसिया, जय सिंह, योगेंद्र प्रसाद आदि शामिल थे.

रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है : रमेश

लातेहार। अभाविप के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रमेश उरांव ने रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान किया. रक्तदान के बाद रमेश उरांव ने बताया कि वे हर तीन महीने में रक्तदान करते हैं. रक्तदान करने से उन्हें संतोष मिलता है. उन्होंने अन्य युवाओं से भी रक्तदान करने की अपील की. कहा कि आपके द्वारा किये गये रक्तदान से किसी की जान बचायी जा सकती है. रक्तदान करने से शरीर मे एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर होती है. उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने की अपील की. कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशा का शिकार होकर अपने उद्देश्यों से भटक रही है.

ब्रीफ खबरें

आजसू के जिला उपाध्यक्ष व विपिन सिंह ने दिया इस्तीफा

लोहरदगा। आजसू पार्टी लोहरदगा जिला के वरीय उपाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर एवं विपिन सिंह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपनी इस्तीफा केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को प्रेषित कर इसकी प्रतिलिपि जिला अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी को भी भेजा है. इस्तीफा का कारण दोनों ने व्यक्तिगत व्यस्तता एवं समय का अभाव बताया है, किंतु सूत्र बताते हैं कि इन दिनों आजसू पार्टी लोहरदगा जिला के अंदरखाने में कुछ अच्छा नहीं चल रहा है. यहां के कुछ कार्यकर्ताओं का मानना है कि अब लोहरदगा जिला की आजसू पार्टी कमल किशोर भगत के समय की पार्टी नहीं रह गई है.

पीएम आवास की एक भी किश्त नहीं मिली

गुमला। पीएम आवास का भुगतान नहीं होने से लोगों को अधूरे घर में रहने में परेशानी हो रही है. ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है. शहर के सरनाटोली निवासी संगीता देवी का पीएम आवास तीन वर्ष से अधूरा है. नगर परिषद द्वारा वर्ष 2020-21 में पीएम आवास योजना की स्वीकृति मिली थी. जिसके बाद नगर परिषद द्वारा मिले आदेश के बाद घर को तोड़ दिया. नगर परिषद के कर्मियों द्वारा घर आकर फोटो खींच कर ले जाया गया. वहीं बोला गया कि शीघ्र ही पैसे का भुगतान होगा.

मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आठ अगस्त से

सिमडेगा। देव शांति नेत्रालय बीरु मेंआठ अगस्त से दो दिनी मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया है. जिसमें मरीजों को बीपी, शुगर जांच के साथ साथ कोरोना टीका का प्रमाण पत्र भी साथ लाना अनिवार्य करार दिया गया है. कहा गया कि ऑपरेशन के बाद मरीजों को दवा और काला चश्मा मुफ्त दिया जाएगा.

कांवड़ियों की सेवा में लगा है बजरंग दल

सिमडेगा। वेदव्यास से सरना मंदिर तक कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों की सेवा के लिए बजरंग दल की टीम भी लगी हुई है. विहिप जिलाध्यक्ष कौशल राज सिंह देव ने बजरंग दल की टीम को सेवा के लिए रवाना किया. उन्होंने ने बताया कि टीम के द्वारा कांवड़ियों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध करायी जाएगी. मौके पर नारायण दास, लहरु सिंह, आनंद जयसवाल, मानस प्रसाद, सुमित गुप्ता, बलराम, बी साहू आदि उपस्थित थे.

सिमडेगा में शांति समिति की बैठक आज

सिमडेगा। स्वतंत्रता दिवस को लेकर शांति समिति की बैठक पांच अगस्त को दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है. समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित होने वाली बैठक में समिति के सभी सदस्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है.

जेएमएमएसवाई महिलाओं के बीच हुआ लोकप्रिय : मनोज

गढ़वा। झामुमो के जिला सचिव मनोज ठाकुर ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ है. भारी बारिश होने के बावजूद जिस तरह से गढ़वा जिला के 189 पंचायतों व सभी शहरी निकायों में योजना का लाभ लेने के लिए बहन बेटियों की भीड़ उमड़ रही है. सभी बहन बेटी इस योजना के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दे रही हैं. महिलाओं ने कहा कि महिला उत्थान के लिए मुख्यमंत्री का यह सराहनीय प्रयास है.

ग्रामीणों ने धनरोपनी कर सरकार और प्रशासन को दी चेतावनी

चुनावी मुद्दा बनकर रह गई हेसल से कुज्जी को जोड़ने वाली सड़क

संवाददाता। लोहरदगा

चेतावनी : सड़क नहीं तो विस चुनाव में वोट नहीं

धनरोपनी कर सिस्टम के खिलाफ आवाज बुलंद करते ग्रामीण.

सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हेसल नवा टोली से कुज्जी होते हुए कुड़ू, चंदवा और किस्को प्रखंड को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क वर्षों से जर्जरावस्था है, जिसे बनवाने में किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है. ग्रामीणों ने सरकारी सिस्टम को लेकर काफी नाराज़ हैं. गांव वालों का कहना है कि कितने विधानसभा और लोकसभा चुनाव संपन्न हो गया लेकिन हेसल नवा टोली से कुज्जी सड़क की स्थिति जस का तस बना हुआ है. कितने बार इस सड़क का निर्माण कार्य कराए जाने हेतु लिखित आवेदन देकर गुहार भी लगाया जा चुका है फिर भी किसी की नजरें इस ओर नहीं पड़ रहा है जिससे दिन-ब-दिन क्षेत्र के लोगों का जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अमला के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है.

गांव वालों ने यह भी कहा कि यदि विधानसभा चुनाव से पहले 2.5 किलोमीटर हेसल नवा टोली से कुज्जी सड़क का निर्माण कार्य नहीं हुई तो बाध्य होकर विधानसभा चुनाव में हम-लोग वोट बहिष्कार करने को मजबूर हो जाएंगे. ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण कार्य नहीं होने से आए दिन इस क्षेत्र के मरीजों को अस्पताल ले जाते समय कितने लोग दुर्घटना के शिकार भी हुए हैं. साथ ही कई मरीज तो अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिए हैं. बहरहाल लोहरदगा जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत हेसल नवा टोली से कुज्जी सड़क जो कुड़ू चंदवा और किस्को प्रखंड को जोड़ने वाली सड़क है. इसका निर्माण कार्य नहीं होने से लोगों में सिस्टम के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है.

लाभुक दिनभर करते रहे सीएसपी में ऑनलाइन आवेदन कराने का इंतजार

दूसरे दिन भी मंईयां निधि योजना का ऑनलाइन आवेदन नहीं हुआ

संवाददाता। मझिआंव

इंतजार में बैठी लाभुक.

महिलाओं को सशक्तिकरण एवं सम्मान को लेकर झारखंड सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान निधि योजना का फॉर्म दो दिनों से ऑनलाइन नहीं हो रहा है. जिस कारण लाभुकों में निराशा है. विदित हो कि 21 वर्ष से 49 वर्ष की महिला एवं युवतियों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान निधि योजना के तहत प्रत्येक माह 1000 रूपए योग्य लाभुको के खाते में देने की बात कही गई है. जिसके लिए 3 से 10 अगस्त तक योग्य लाभुकों को संबंधित मतदान केंद्रों पर सीएसपी संचालकों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन अप्लाई किया जाना था. लेकिन अभी तक लाभुकों का एक भी आवेदन ऑनलाइन नहीं हो पाया है. ऑनलाइन आवेदन के लिए महिला लाभुक सुबह 10 बजे से शाम 4:00 बजे तक अपने अपने संबंधित मतदान केंद्रों पर इंतजार करते देखे गए.

नगर पंचायत कार्यालय में स्थित मतदान केंद्र पर तैनात सीएसपी संचालक विकास कुमार एवं मनीष कुमार ने बताया कि मंईयां सम्मान निधि योजना का पोर्टल खुला हुआ है, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण लाभुको का आवेदन अपलोड नहीं हो पा रहा है. मंईयां सम्मान निधि योजना के नोडल पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी शंभू राम ने बताया कि पूरे झारखंड में लाभुकों के आवेदन ऑनलाइन किए जा रहे हैं, जिसके कारण संभवतः सरवर लोड नहीं ले पा रहा है. पूरे झारखंड में इस तरह की टेक्निकल इशू कि समस्या है. समस्या का समाधान में लगे हैं. इसकी वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है.

भंडरा में दूसरे दिन भी सर्वर रहा डाउन

भंडरा(लोहरदगा)। जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म भरने को लेकर दूसरे दिन भी भंडरा प्रखण्ड के सभी पंचायत भवन में महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ उमड़ पड़ी. यहां पर क्षेत्र में सुबह 10 बजे से महिलाएं कतारबद्ध होकर फॉर्म भरने को खड़ा है लेकिन सुबह 10 बजे से ही सर्वर डाउन होने के कारण एक भी लोगों का फॉर्म आनलाइन नहीं हुआ है वहीं ऑनलाइन कर्ता मुन्ना ठाकुर ने बताया भंडरा पंचायत में पहला दिन एक फॉर्म ऑनलाइन किया गया था जिसके बाद दिनोभर सरवर डाउन था वहीं दूसरा दिन भी सरवर प्रॉब्लम बताया जा रहा है, उदरंगी पंचायत मुखिया ने बताया पहला दिन छः फॉर्म ऑनलाइन हुवा था वहीं दूसरे दिन ऑनलाइन कर्ता मखदूम अंसारी ने बताया सरवर पूरा डाउन ही चल रहा है जिसके चलते एक भी फॉर्म ऑनलाइन नही किया जा सका है , वहीं अकाशी पंचायत ऑनलाइन कर्ता इम्तियाज अंसारी ने बताया पहला दिन एक फॉर्म ऑनलाइन किया गया दूसरा दिन एक भी नहीं हो पाया है वही हाल भौरो, मसमानो ,भीठा, गडरपो, बड़ागाइ, जमगाई सभी पंचायत का सरवर डाउन रहा जिसके कारण महिलाएं की लंबी कतार लगी रही .

योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं जुटी

नाबालिग के अपहरण के मामले में युवक गिरफ्तार

कांडी। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में जयनगरा गांव निवासी एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस मामले में थाना क्षेत्र निवासी लड़की के पिता ने अपनी पुत्री का अपहरण करने व प्यार के जाल में फंसाने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया था. दिये आवेदन में कहा गया था कि वह मंगलवार को स्कूल ड्रेस में घर से स्कूल आने के लिए निकली थी. उसके हाथ में एक दो किताब कॉपी भी था. लड़की के पिता ने थाना में आवेदन देकर जयनगरा गांव निवासी सुभाष पासवान के पुत्र धीरज कुमार पासवान 19 वर्ष के खिलाफ अपनी पुत्री का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उक्त युवक को गिरफ्तार कर थाना ले गयी. पूछताछ करने व मोबाईल के जांच करने पर लड़की के साथ उसका जान पहचान व प्रेम संबंध होने का साक्ष्य मिला.

आदिवासी दिवस भव्य तरीके से मनाया जाएगा : संगठन

लोहरदगा। जिला के विभिन्न आदिवासी संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आगामी नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने को लेकर अहम बैठक किया गया. बैठक का सभापति पारंपरिक पड़हा समिति लोहरदगा एवं राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा लोहरदगा की पहल से इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस भव्य रूप से मनाए जाने पर विस्तृत रूप से चर्चा किया गया. बैठक में राजी पड़हा समिति लोहरदगा संजू भगत देवान और मंच संचालन राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के जिलाध्यक्ष सोमदेव उरांव की अध्यक्षता में की गयी. शहरी क्षेत्र के एमजी रोड स्थित झखरा कुम्बा में आयोजित बैठक में विचार-विमर्श के बाद सभी ने सहमति दिया .

राहुल गांधी के डिक्शनरी में डर शब्द है ही नहीं: सुखदेव

संवाददाता। लोहरदगा

सांसद सुखदेव भगत.

लोकसभा प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किए थे कि वह ईडी का स्वागत चाय बिस्कुट से करेंगे. इसी ट्वीट पर भाजपा के अनेक नेताओं ने बयान दिया कि राहुल गांधी डरे हुए हैं और वह खौफ में है. भाजपा नेताओं के द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि राहुल गांधी के डिक्शनरी में डर नाम की शब्द ही नहीं है. उन्होंने कहा कि जहां तक ईडी को चाय बिस्कुट से स्वागत करने की बात है तो यह राहुल गांधी और कांग्रेस का संस्कार है. राहुल गांधी ने इसलिए आशंका जाहिर किया है कि संसद में उन्होंने जिस बातों को रखे हैं और उनकी बातों को जिस प्रकार भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने संसदीय परंपराओं के विपरीत जाकर बहुत ही निम्नस्तरीय बात किए हैं और उससे ज्यादा दुःख इस बात की है कि प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर अनुराग ठाकुर के बयान का समर्थन किया है. उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के द्वारा संसदीय परंपरा के खिलाफ जाकर बयान देना और भाजपा का उसका समर्थन करना यह भाजपा का राजनीतिक संस्कार हो सकता है. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि राहुल गांधी ने इसलिए इस बात की आशंका जाहिर की है कि भाजपा जिस प्रकार संवैधानिक संस्थाओं का लगातार दुरुपयोग कर रही है.

महिलाओं के बैंक खाते में सरकार देगी 12 हजार खटाखट: मोजम्मिल

संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड सरकार राज्य के महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु सालाना 12 हजार रूपये आर्थिक सहायता देगी. यह पैसा मंईयां सम्मान योजना के तहत दिया जाएगा. उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने प्रेस बयान जारी करते हुए कही. उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभ पाने के लिए 21 से 50 साल तक की उम्र की सभी महिलाएं इसके लिए पात्र होंगी. योजना का लाभ लेने के लिए आपको आवेदन करना होगा. आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है. उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाले 12 हजार रुपये सीधे महिलाओं के बैंक खाते में जाएंगे. आवेदन पत्र आपको नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र से मुफ्त में मिल जाएगा. इसके लिए आपको

झामुमो जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद.

कोई पैसा नहीं देना होगा. आप चाहें तो आवेदन पत्र ऑनलाइन भी डाउनलोड कर सकते हैं. इस योजना का लाभ लेने के लिए सरकार विशेष कैंप भी आयोजित किया है. 10 अगस्त के बाद भी कभी भी नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर आवेदन कर सकते हैं. प्रज्ञा केंद्र में आवेदन करने के लिए भी आपको कोई पैसा नहीं

खास बातें

- झारखंड सरकार ने शुरू किया मंईयां सम्मान योजना
- तीन से 10 अगस्त तक विशेष शिविर में कर सकते हैं आवेदन

देना होगा. जिलाध्यक्ष श्री अहमद ने कहा कि अगर आप गाँव में रहते हैं तो पंचायत सचिवालय में जाकर आवेदन कर सकते हैं. वहीं अगर आप शहर में रहते हैं तो नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. आवेदन के लिए आपको कुछ जरूरी दस्तावेज देने होंगे. इन दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर कार्ड और बैंक खाता विवरण शामिल हैं. अगर आपके पास बैंक खाता नहीं है तो आप विशेष कैंप में ही जन धन खाता खुलवा सकते हैं.

न्यूज अपडेट

गुफा मंदिर की बैठक में कावड़ यात्रा निकालने का निर्णय

भवनाथपुर। पंडरिया पंचायत स्थित शिव पहाड़ी गुफा मन्दिर के प्रांगण में रविवार को शिव पहाड़ी गुफा मंदिर के संरक्षक बबन साह की अध्यक्षता में बैठक की गई. बैठक में सर्वसहमति से 12 अगस्त को कावड़ यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया. जानकारी देते हुए संरक्षक ने बताया कि 12 अगस्त को शिव पहाड़ी गुफा मंदिर के तत्वावधान में चौथे सोमवारी को भव्य कावड़ यात्रा निकाला जायेगा. जो केतार प्रखंड के ढाढरा पांडा नदी से प्रातः 7 बजे सभी कावरियो को जल संकल्प कराते हुए पग यात्रा करते हुए भगवान घाटी मार्ग, कर्पूरी चौक भवनाथपुर होते दुल्हन के रास्ते शिव पहाड़ी गुफा मंदिर में जलाभिषेक कराया जाएगा.

बैठक करते लोग.

उग्रवादियों की धमकी के बाद थाना पहुंचे मजदूर

घाघरा(गुमला)। झारखंड जेनरल कामगार यूनियन के जिलाध्यक्ष सनिया उरांव को जान से मारने की धमकी देने व मजदूरों को भयभीत करने को लेकर सानिया उरांव सहित कई मजदूर घाघरा थाना पहुंचे. जहां लिखित आवेदन पुलिस को सौंपा. आवेदन में कहा है कि हम सभी मजदूर अपने हितों को लेकर हिंडाल्को माइंस प्रबंधन व मजदूरों के बीच आपसी खींचतान चलते रहती है. मजदूर जब अपने हितों व विधि सम्मत अधिकारों को लेकर माइंस प्रबंधन से अपनी बात रखते हैं. तो प्रबंधन मजदूरों की आवाज को दबाने के लिए जेजेएमपी उग्रवादियों का सहारा लेने लगती है. फिलहाल जेजेएमपी के उग्रवादी बिशुनपुर थाना क्षेत्र के लखवा, डिहारी, मंजीरा व घाघरा थाना क्षेत्र के पोड़ी जंगली इलाकों में कैंप कर यूनियन के जिलाध्यक्ष सानिया उरांव को खोज रहे थे.

सैकड़ों कांवरियों ने उठाया जल, आज करेंगे जलाभिषेक

सिमडेगा। सावन की तीसरी सोमवारी पर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कांवरियों का जत्था ओडिसा के वेदव्यास के लिए रवाना हुआ. कांवरिया सेवा संघ द्वारा उपलब्ध ट्रकों में एवं बस से सैकड़ों की संख्या में कांवरियों का जत्था ओड़ीसा के वेदव्यास पहुंचे. वहां से कांवरिये लगभग चार बजे वेदव्यास के त्रिवेणी संगम से जल उठा कर 80 किलोमीटर का पैदल सफर तय करते हुए सोमवार को सिमडेगा के सरना मंदिर में पहुंचेंगे और यहां सरना मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे. जल उठा कर कांवरियों का जत्था शनिवार की रात बिरमित्रापुर पहुचे. उसके बाद रविवार की सुबह सिमडेगा के लिए प्रस्थान करेंगे. रविवार को कांवरियों का जत्था रात्रि में टुकुपानी पहुंचेंगा.

कांग्रेस का विस स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित

विश्रामपुर (पलामू) । कांग्रेस द्वारा बी मोड़ पर रविवार को पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता संवाद आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के विश्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला गुड्डू और संचालन वरीय जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे ने किया.बैठक में नए - पुराने,अनुभवी व युवा कार्यकर्ताओं में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने का निर्णय लिया गया.बैठक में आगामी विस चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई.नेताओं कार्यकर्ताओं ने विश्रामपुर विस क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी को जिताने का संकल्प भी लिया.कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक,प्रादेशिक नेता विजय चौबे,अमृत शुक्ला,सुधीर चंद्रवंशी,पूर्णिमा पांडेय, अधिवक्ता सुधीर चौबे, सत्यनारायण सिंह आदि शामिल थे.

कार्यक्रम में शामिल कांग्रेसी नेता.

ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा पहुंचा कांडी

गढ़वा। झारखंड प्रदेश ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद के नेतृत्व में ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा झारखंड राज्य के राजधानी रांची से चलकर गढ़वा जिला के कांडी प्रखंड के सड़की गांव में पहुंचा. मौके पर आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद यहां पिछड़ा एवं ओबीसी की आबादी 60 प्रतिशत से अधिक है. फिर भी सामाजिक, आर्थिक आधार पर ओबीसी को एकमात्र 14 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है. जो उचित नहीं है. झारखंड में रहने वाले पिछड़े एवं अति पिछड़े वर्ग के द्वारा जातीय जनगणना के आधार पर 52 प्रतिशत आरक्षण की मांग के समर्थन की आवाज उठानी जरूरी है .

न्याय रथ का स्वागत करते लोग.

तीर्थ दर्शन के लिए10 लोगों को प्रशासन ने किया रवाना

लोहरदगा। राज्य सरकार द्वारा सभी धर्मावलंबियों को बारी-बारी से देश के विभिन्न हिस्सों में अवस्थित तीर्थ दर्शन कराए जाने हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत बीपीएल श्रेणी के लोगों को निःशुल्क यात्रा में भेजा जा रहा है. इसी क्रम में रविवार को लोहरदगा जिला से मुस्लिम धर्मावलंबी बीपीएल कार्ड धारकों के कुल 10 एवं 01 नोडल पदाधिकारी के रूप में कुल 11 मुस्लिम धर्मावलंबियों को अजमेर शरीफ,फतेहपुर सीकरी व आगरा के लिए समाहरणालय परिसर से हटिया स्टेशन के लिए रवाना किया गया. यहां पर यात्रियों से भरी बस को डीपीआरओ शिवनंदन बड़ाईक और नजारत उप समाहर्ता अभिनीत सूरज द्वारा हरी झंडी दिखाकर कर रवाना किया गया. बता दें कि लोहरदगा जिला से अजमेर शरीफ फतेहपुर सीकरी और आगरा से सभी यात्री 10 अगस्त को तीर्थ यात्रा कर लोहरदगा वापस लौटेंगे.

दिशोम गुरु ने दिया रंका अनुमंडल व डंडा प्रखंड : झामुमो

गढ़वा। झामुमो के जिला प्रवक्ता कार्तिक पाण्डेय व रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा है कि रंका को अनुमंडल बनाने का श्रेय सिर्फ और सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा को जाता है. तात्कालीन मधु कोड़ा सरकार में उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री रहे झामुमो विधायक दल के नेता स्व. सुधीर महतो की अनुशंसा पर मधु कोडा कैबिनेट की अंतिम बैठक में रंका और जगन्नाथपुर को अनुमंडल बनाने पर मुहर लगी थी और चार अक्टूबर 2008 को तब के मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरू शिबू सोरेन ने रंका अनुमंडल और डंडा का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया गया है. उस समय सरकार के सहयोगी दल रहे राजद विधायक के तौर पर समारोह में उपस्थित रहने से कोई अनुमंडल और प्रखंड बनाने का श्रेय लेना चाहे तो यह काफी हास्यास्पद है.

जानकारी देते कार्तिक पांडेय व अन्य.

समस्या

तीन दिनों से जारी बारिश का सिलसिला रविवार तक भी नहीं थमा

हाथी के बाद भंडरा में बारिश का कहर ,लोग परेशान

संवाददाता। भंडरा (लोहरदगा)

भंडरा क्षेत्र में बारिश से नदियां उफान में.

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड के कहर का जख्म अभी भरा भी नहीं है कि बीते तीन दिनों से हुई बारिश का सिलसिला रविवार तक भी नहीं थम सका. कहीं कम तो कहीं ज्यादा हवा के साथ तेज बारिश होती रही. जिसके कारण सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया. वहीं कई विद्युत पोल भी धराशायी हो गया. साथ ही कहीं बड़े बड़े पेड़ भी गिर गये. विद्युत व्यवस्था शुक्रवार को भी कई ग्रामों में बाधित रही. प्रखंड क्षेत्र में भी दिन में कई बार लाईट आती जाती रही. लगातार बारिश से प्रखंड क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर थे. कई गांव में छोटे छोटे रपटो पर उपर से पानी बह रहा था वहीं नगर में नदी नालो की गंदगी से मोहरें बंद हो गये ओर पानी का बहाव उपर से बहने लगा. वहीं जिन बस्तियो में पानी भरा गया वहां उन्हें आज भी परेशानी उठानी पड़ रही है. बिजली की गरज चमक के साथ रविवार की रात भर बरसात होती रही. इस दौरान कई क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था भी बाधित रही तो वहीं नगर के मु य मार्ग की सड़कें जल मग्न हो गई, और कई दुकानों में बरसात का पानी भर गया.

30 घंटे की बारिश से क्षेत्र तर-ब-तर : भंडरा प्रखंड क्षेत्र में रूक-रूककर बारिश के बाद अचानक हुई जोरदार बारिश ने तबाही मचा दी है. यहां पर बृहस्पतिवार शाम से हुई लगातार 30 घंटे की बारिश से पूरा क्षेत्र तरबतर हो गया. साथ ही शुक्रवार और शनिवार रात में गरज चमक के साथ जोरदार बारिश हुई. जिससे खेतों में पानी भर गया. अत्यधिक बारिश से क्षेत्र की नदी नाले भी जवाब दे डाला. साथ ही रविवार तक झमाझम बारिश होती रही, बारिश से चारों ओर पानी-पानी दिखाई दे रहा है. निचले इलाकों में पानी भर जाने से नागरिकों को काफी परेशानी उठाना पड़ा. बता दें कि बृहस्पतिवार को रात्रि 11 बजे से झमाझम बारिश शुरू हुई थी जो रातभर होती रही और शुक्रवार दिनभर और रातभर फिर शनिवार एवं रविवार 3 बजे तक भी बारिश का दौर चलता रहा. यहां पर कुल 30 घंटे क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई है.

भैसमुंदो स्थित पाडें बांध भी टूटा : तीन दिन की लगातार बारिश से भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भैंसमुंदो में स्थित पाड़ें बांध भी अपनी आपा खो बैठा और नया खुदाई के बाद बांधे गए पिंड बह गया जिसके कारण नीचे सोलिंग किया हुआ पत्थर भी उथल पुथल हो गया.

उमरा में सभी अरकानों को पूरा करते हुए इबादत पर देंगे ध्यान : हाफिज

लोहरदगा, गुमला, रांची और हजारीबाग से हज जायरीन 13 को करेंगे प्रस्थान

संवाददाता। लोहरदगा

हज ए उमरा पर जाने वाले जायरीनों को प्रशिक्षण देते उल्लेमा.

हज ए उमरा के पवित्र यात्रा पर जाने वाले हजयात्रियों के लिए रविवार को होटल रॉयल ग्लैक्सी न्यू रोड लोहरदगा में प्रशिक्षण तरबियती कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत हाफिज मोहम्मद इमरान ने कुरआन पाक की तिलावत से की . प्रशिक्षकों ने आगामी 13 अगस्त को हज उमराह पर जाने वाले जायारीनों को उमराह से संबंधित प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक जनाब अल्हाज हाफिज मुहम्मद इमरान हज एवं उमरा सर्विस लोहरदगा ने बताया कि जायरीन को हज के दौरान अरकानों को पूरा करते समय कुछ जरूरी चीज़ों का खास ख्याल रखना चाहिए. जायरीन अपने साथ जरूरत का ही सामान लेकर जाएं, सामानों की पैकिंग सही तरीके से करें, जो व्यक्ति कोई विशेष बीमारी की दवा खाता है, तो अपनी दवा साथ ले जाएं. अपने साथियों के साथ ही कैंप में रहें, कोई दिक्कत हो तो घबराएं नहीं बल्कि पूछताछ केंद्र से संपर्क करें.

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का हुआ मिलन समारोह

संवाददाता। रामगढ़

गोला के सुवर्ण वणिक धर्मशाला में रविवार को झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के बैनर तले कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता गोला प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार चक्रपाणि व संचालन सुजित कुमार महतो ने किया. समारोह में गोला के विभिन्न दलों के दर्जनों लोग जेबीकेएसएस में शामिल हुए, जिनका स्वागत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जेबीकेएसएस के पंकज महतो व केंद्रीय महामंत्री संतोष चौधरी के द्वारा माला पहनाकर किया गया. स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि सभी का जेबीकेएसएस में स्वागत है. समिति 24 घंटा आप लोगों के हर सुख-दुख में खड़ा है. बताया गया कि पंचायत के कुमुद बर्मन, राजकुमार प्रसाद, मधु नायक, रितेश कुमार पोद्दार, विनोद कुमार पोद्दार, सुचित कुमार, प्रमोद सोनी, दिलीप कुमार स्वर्णकार, सविता देवी, चीतू चक्रवर्ती, रितु देवी, आशा देवी सुमन पोद्दार, सुब्रतो देवी सहित दर्जनों महिला पुरुष जेबी केएसएस में शामिल हुए. मौके पर भागीरथ प्रजापति, नरेंद्र महतो, मुख्तार अंसारी डब्लू महतो, पंकज कुमार महतो, रमेश महतो, धीरेन महतो, निरंजन महतो, होरेन महतो मौजूद थे.

बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने किक मारकर किया उद्घाटन, भाजपा नेत्री शेफाली भी रहीं मौजूद

'खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

संवाददाता। हजारीबाग

फुटबॉल टूर्नामेंट के शुभारंभ के दौरान सांसद मनीष जायसवाल व अन्य.

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के सौजन्य से कर्जन ग्राउंड हजारीबाग स्टेडियम में दिन रविवार को 'खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टूर्नामेंट - 2024 का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने फुटबॉल पर किक मारकर किया. इससे पूर्व सभी टीमों को अभ्यास के लिए फुटबॉल भेंट किया गया. साथ ही सभी टीमों के खिलाडियों को जर्सी भी प्रदान की गई. उद्घाटन मैच हजारीबाग सेंटर एवं ग्रामीण एलेवन के बीच खेला गया. इसमें हजारीबाग सेंटर टीम ने 2-1 से जात दर्ज की. मैच में रेफरी शशि कुमार दास, गौरव कुमार एवं बबलू कुमार रहे. ज्ञात हो कि यह टूर्नामेंट सदर विधानसभा क्षेत्र के हर प्रखंड में आयोजन किया जायेगा, जिसमें सभी पंचायतों की टीमें हिस्सा लेंगी. कुल मिलाकर लगभग 75 पंचायतों की टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी. कर्जन ग्राउंड में सदर प्रखंड के सभी मैच खेले जाएंगे. कटकमसांडी, कटकमदाग तथा दारू में भी टूर्नामेंट का आगाज होगा.

इस मौके पर जायसवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलो विधानसभा हजारीबाग फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से कई खिलाडियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. इस टूर्नामेंट का जिस सोच के साथ आयोजन किया जा रहा है उसको मेरा सलाम. कहा कि फुटबॉल एक ऐसा खेल है जिससे मन एवं शरीर दोनों स्वस्थ रहता है. फुटबॉल के प्रति खासकर सदर विधानसभा क्षेत्र में काफी रुझान है. शेफाली गुप्ता ने कहा कि युवाओं की मांग पर हमने इस टूर्नामेंट का आयोजन किया है. सदर विधानसभा क्षेत्र के चार प्रखंड सदर, कटकमदाग, कटकमसांडी एवं दारू में इसका आयोजन का किया जाएगा, जिसकी शुरुआत आज कर्जन ग्राउंड से हुई है. उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ- साथ खेलकूद भी बहुत जरूरी है. मेरी कोशिश है कि ग्रामीण प्रतिभा को उजागर कर प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाएं.

मौके पर विशेष रूप से पूर्व विधायक प्रतिनिधि अजय साव, विजय कुमार, किशोरी राणा, शिवपाल यादव, कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता, कटकमसांडी पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रीतलाल यादव, सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रंधीर पाण्डेय, कुंवर मनोज सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेणुका साव, संघ के गंगाधर दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश कुमार, मनीष कुमार, सत्यभामा, रानी शुक्ला, रेफरी मंसूर आलम, प्रकाश गुप्ता, सुरेन्द्र राम, शशिकांत शर्मा, विकाश कुमार, शशि कुमार, बबलू राम, अशोक कुमार, ललित उराव एवं कार्तिक राम सहित कई गणमान्य लोग शामिल उपस्थित रहे.

ब्रीफ खबरें

जलजमाव की समस्या से नगरवासी परेशान

हजारीबाग। पिछले कई वर्षों से जल जमाव से नगरवासी परेशान हैं. इसको लेकर शांति समिति की बैठक नगर भवन में हुई थी. जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों की मौजूदगी में समाज सेवी सह राजद प्रदेश कार्य समिति झारखंड आंदोलन कारी सदस्य फहीम उद्दिन अहमद उर्फ संजर मलिक ने कमिटी द्वारा लिखित आवेदन के साथ मौखिक भी विभाग इसकी जानकारी दी. इसके कई वर्षों के बाद जनवरी में टेंडर हुआ लेकिन कार्य चालू नहीं किया गया. इसकी जानकारी नगर आयुक्त कार्यपालक अभियंता सिटी मैनेजर तथा अन्य विभाग के लोगों को दिए जाने पर ठेकेदार को फटकार लगी तो आनन फानन में कार्य शुरू कराया. एक माह से हो रहे इस कार्य में अभी सिर्फ कुछ दूर तक नाली बनी है. एक दिन कुछ लेबर आते हैं फिर कई दिन गायब हो जाते हैं.

आजसू नेता की पहल से आवागमन शुरू

केरेडारी। प्रखंड के बुंडू पंचायत स्थित सुदूरवर्ती गांव बटुका में पिछले दिनों मूसलाधार बारिश से सड़क बह गई थी, जिसके कारण खपिया, बटुका, बुंडू का संपर्क टूट गया था. लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही थी. बटुका के लोगों ने अपनी परेशानी आजसू पार्टी के बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी को बताया. तत्पश्चात उन्होंने संज्ञान में लेते हुए आजसू पार्टी के केरेडारी प्रखंड सचिव मोहन कुमार से कहा कि तत्काल सड़क पर मिट्टी मोरम भर कर आवागमन शुरू किया जाए, जिससे वहां के लोगों को परेशानी झेलना ना पड़े. रोशन लाल चौधरी के कहेनुसार बटुका के कार्यकर्ताओं ने जेसीबी और ट्रैक्टर की व्यवस्था कर सड़क पर मिट्टी भर कर आवागमन शुरू करवाया.

915 आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री

हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों/माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के उद्देश्य से प्रति माह 1000 रुपये सम्मान राशि दी जानी है. उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिला अंतर्गत 230 पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र के वार्डों के विभिन्न स्थानों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है. उक्त सभी स्थानों में विशेष कैम्प 10 अगस्त तक प्रतिदिन लगाये जाएंगे. शाम 6 बजे तक आयोजित विशेष शिविर के माध्यम से पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र से अबतक कुल 915 आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री की गई है.

मनीष जायसवाल ने रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ की बजट पर चर्चा

बजट में सभी वर्गों व क्षेत्रों के विकास पर फोकस : सांसद

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ पहुंचे क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल का स्वागत करते चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी व सदस्य.

लोकसभा के बजट सत्र में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता की आवाज को मुखरता से बुलंद करने के साथ रविवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल रामगढ़ पहुंचे. रविवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने रामगढ़ चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज सभागार में भाजपा द्वारा आयोजित प्रेस- वार्ता को संबोधित करते हुए लोकसभा के बजट सत्र के दौरान रामगढ़ में आईएसएम की स्थापना के मांग, रामगढ़ के रेलवे स्टेशन से महानगरों के लिए लंबी दूरी की रेल की मांग, रामगढ़ कैंट की जमीन को कैंट बोर्ड से अविलंब मुक्त करने सहित क्षेत्र के किसानों के लिए उठाए गए मांगों पर विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी. साथ ही केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट अमृत कल का बजट है और इसमें सभी वर्ग, समुदाय के साथ देश एवं झारखंड के विकास को गति प्रदान करने पर बल प्रदान किया गया है.

इसके बाद रामगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से जुड़े प्रबुद्ध जनों के साथ केंद्रीय बजट पर विशेष चर्चा पर चर्चा की. इससे पहले रामगढ़ पहुंचने पर सांसद मनीष जायसवाल ने ऐतिहासिक सुभाष चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. यहां सैकड़ों की संख्या में मौजूद किसानों ने रामगढ़ किसान मजदूर फाउंडेशन के बैनर तले किसानों की आवाज को लोकसभा में पुरजोर तरीके से उठने के लिए सांसद मनीष जायसवाल का पुरजोर स्वागत और सम्मान किया. मौके पर रामगढ़ क्षेत्र के भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और सांसद मनीष जायसवाल का फूल माला पहनकर रामगढ़ की धरती पर स्वागत किया.

खास बातें

- रामगढ़ पहुंचने पर सांसद का किया गया जोरदार स्वागत
- किसानों ने भी लोस में आवाज उठाने के लिए किया सम्मान

रामगढ़ मेन रोड के झंडा चौक पर एनडीए गठबंधन में शामिल दल आजसू के रामगढ़ जिला कार्यालय में आजसू के प्रदेश महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा के प्रभारी रोशन लाल चौधरी और रामगढ़ जिले के आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी के नेतृत्व स्थानीय आजसू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद मनीष जायसवाल को पुष्पगुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया. यहां उन्होंने आजसू के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मौजूदा राजनीतिक हालात पर विशेष चर्चा की. तत्पश्चात सांसद मनीष जायसवाल रामगढ़ शहर के पतरातु बस्ती निवासी सामाजिक कार्यकर्ता आज़ाद सिंह के एकलौते सुपुत्र के आकस्मिक निधन की सूचना पर उनके शोकाकुल परिवार से इस दुःख की घड़ी में मिलने उनके घर पहुंचे और उनके परिवार के इस बेहद विकट समय में उनसे मिलकर ढांढस बंधाया.

दनुवा घाटी में एंबुलेंस में बैठे एक यात्री की मौत

चौपारण। दनुवा घाटी का दूसरा नाम यमराज या घाटी में घूम रहे यमराज कहा जाए तो यह गलत नहीं होगा. रविवार को एक एम्बुलेंस में बाएं बैठे एक व्यक्ति देखते ही देखते मौत के मुंह में चला गया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि मुंबई से एक एम्बुलेंस पेशेंट को लेकर कोलकाता जा रही थी. इसी बीच रविवार शाम में उक्त एम्बुलेंस का दनुवा घाटी के आगे सियरकोनी में बड़ा हादसा हुआ. एम्बुलेंस के ड्राइवर सीट के बाएं बैठे एक व्यक्ति अपने सिर को एम्बुलेंस की खिड़की पर रखकर गहरी नींद में सो रहा था. इसी बीच एम्बुलेंस के एक ट्रेलर के ओवरटेक के दौरान उसका सिर ट्रेलर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी गर्दन के ऊपर का पूरा हिस्सा पूरी तरह से पिसा गया. एम्बुलेंस चालक शक्ति चंद्रवंशी ने घायल को अस्पताल लाया, जहां चिकित्सकों ने घायल को मृत घोषित कर दिया.

सऊदी अरब में फंसे मजदूर ने वतन वापसी की लगाई गुहार

- दलाल के जरिए सऊदी अरब पहुंचे भीम को नौ महीने से बंधक बनाकर रखा है मालिक

संवाददाता। विष्णुगढ़

प्रखंड स्थित सिरैय के प्रवासी मजदूर भीम ठाकुर (35) को सऊदी अरब में बंधक बनाए जाने की खबर आई है. अपने परिवार की खुशहाली का सपना संजोए भीम दलाल के जरिये सऊदी अरब पहुंच गया, जहां उसे उसके मालिक नौ महीने से बंधक बनाया हुआ है. उसे न तो पगार मिल रहा है और न ही ठीक ढंग से खाना. ऊपर से उसके मालिक ने उस पर फर्जी मुकदमा कर दिया है.

मोबाइल फोन पर अपनी बदहाली का रोना रोते हुए उसने अपने परिवार जनों से वतन वापसी कराने की फरियाद की है. उसका हाल जानकर उसकी पत्नी, बेटे व बूढ़ी विधवा मां बेहाल हैं. युवक के परिजन और शुभ चिंतकों ने झारखंड राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष की समन्वयक शिखा लकड़ा रोशनी से मिलकर उसकी सकुशल घर वापसी के लिए सरकार से विनती की है. पत्नी, बेटा प्रिंस कुमार (9) व प्रतीक कुमार (6) तथा उसकी विधवा मां पूरी तरह उसपर आश्रित हैं. पूरे परिवार का वह अकेला पालनहार है. इस तरह की यह पहली घटना नहीं है. दलाल अच्छी कमाई का सब्जबाग दिखाकर मजदूरों को विदेश भेज देते हैं, जहां अक्सर ऐसी घटनाएं घटित होती रहती हैं. वर्तमान में झारखंड के 43 मजदूर सऊदी अरब में फंसे हुए हैं. प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सिकंदर अली ने भी भीम की घर वापसी की सरकार से अपील की है.

मंईयां सम्मान योजना पंजीकरण सेंटर का दौरा

संवाददाता। हजारीबाग

मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना पंजीकरण सेंटर के दौरे के दौरान मुन्ना सिंह.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने रविवार को नगर निगम क्षेत्र में मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के तहत पंजीकरण सेंटर का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने वार्ड 3, 4, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32 और 33 में आयोजित पंजीकरण अभियान का जायज़ा लिया. इस अभियान के तहत महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज नाराययन भगत ने भी इन कार्यक्रमों में वार्ड और बूथ कमेटी के सदस्यों के साथ पंजीकरण सेंटर का जायज़ा लिया. मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के माध्यम से राज्य की गरीब और मध्यम वर्गीय महिलाओं को हर महीने 1000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने कहा, "झारखंड सरकार खुशियों की बौछार लेकर आई है, और हर जरूरतमंद महिला को प्रतिवर्ष बारह हजार रुपये मिलेगा." उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की इस योजना से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा. मनोज नारायण भगत ने बताया कि मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना का लाभ 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को मिलेगा, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी.

मनीष जायसवाल ने सिंचाई मंत्री को लिखा पत्र

मानगढ़ में लिफ्ट इरिगेशन से होगी सिंचाई की सुविधा: एमपी

ग्रामीणों के साथ क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने स्थल का दौरा किया.

संवाददाता। चौपारण

मानगढ़ के सैकड़ों ग्रामीणों की सिंचाई सुविधा के लिए बराकर नदी से लिफ्ट एरिगेशन की मांग पर सांसद मनीष जायसवाल ने लघु सिंचाई मंत्री, झारखंड को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने कहा कि ग्राम मानगढ़ से ग्रामीणों का आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें इन्होंने लेढ़िया नदी से ग्राम ठुठी एवं मानगढ़ के किसानों के कृषि कार्य हेतु लिफ्ट इरीगेशन के माध्यम से सिंचाई कि सुविधा उपलब्ध कराने का जिक्र किया है. योजना किसानों के हित में महत्वाकांक्षी एवं लाभकारी साबित होगी. सांसद ने कहा कि जल्द ही कार्य योजना की प्रशासनिक स्वीकृति मिल जाएगी. मैंने सचिव से भी भेंट कर योजना की स्वीकृति की मांग की है. योजना से ठूठी, मानगढ़, लोहड़ी, नगवां, बहेरा, पुरनाडीह, कोयली आदि गांवों को लाभ मिलेगा. शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल व पूर्व विधायक मनोज यादव ने गांव के दर्जनों व्यक्ति के साथ स्थल निरीक्षण किया. मौके पर मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, रंजीत सिंह, समिति सदस्य जनार्धन सिंह आदि मौजूद थे.

विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों ने पहले गोली मारी, फिर रेता गला

संवाददाता। हजारीबाग

घटनास्थल पर पड़ा शव और मौजूद भीड़.

विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के गाल्होबार में शनिवार की शाम अज्ञात अपराधियों ने एक व्यक्ति की नृशंस हत्या कर दी. मृतक की पहचान गाल्होबार निवासी सरफुद्दीन अंसारी उर्फ गुड्डन मियां (45) के रूप में हुई है. अपराधियों ने पहले उसे गोली मारी, फिर गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया. वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये.

घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे. सूचना पाकर विष्णुगढ़ पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने घटनास्थल से एक कट्टा और चाकू बरामद किया है. आशंका जतायी जा रही कि अपराधियों का हथियार गिर गया होगा और अंधेरे की वजह से नहीं मिला होगा. इस संबंध में थाना प्रभारी रामनारायण सिंह ने बताया कि हत्या की वजह आपसी रंजिश भी हो सकती है. फिलहाल, पुलिस जांच कर रही है.

खास बातें

- पुलिस ने घटनास्थल से कट्टा व चाकू बरामद किया
- अपराधियों का कोई सुराग नहीं, जांच में जुटी पुलिस

दो बाइक पर सवार होकर आये थे अपराधी : घटना के संबंध में बताया जाता है कि सरफुद्दीन बाइक से अपने घर लौट रहा था. इसी दौरान दो बाइक पर सवार अपराधी वहां पहुंचे और चलती बाइक में ही पीछे से सरफुद्दीन की पीठ में गोली मार दी. गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा. इसके बाद अपराधियों ने चाकू से उसका गला रेत दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. अब पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे का कारण स्पष्ट हो पायेगा. इधर, पुलिस ने अपराधियों का सुराग लगाने के लिए कई लोगों से पूछताछ की है. सर्च अभियान भी चलाया गया है.

खतियानी परिवार की बैठक में की गई घोषणा

अशोक राम बने जिला अध्यक्ष अनवर व नसीरुद्दीन उपाध्यक्ष

संवाददाता। हजारीबाग

खतियानी परिवार की बैठक रविवार को मंजूर भवन में हुई, जिसकी अध्यक्षता खतियानी परिवार के संरक्षक डॉक्टर सीपी डांगी ने की. इसमें मोहम्मद हकीम ने नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों की घोषणा की. अशोक राम को जिला अध्यक्ष एवं अनवर हुसैन और मोहम्मद नसीरुद्दीन को जिला उपाध्यक्ष चुना गया. जिला सचिव महेश विश्वकर्मा, जिला सहसचिव प्रदीप कुमार मेहता को, जिला नगर अध्यक्ष शंभू शंभू ठाकुर को चुना गया. बैठक में बाबू भाई विद्रोही, बड़कागांव से आए हुए लखेंद्र ठाकुर, अधिवक्ता शंभू कुमार, डॉ तनवीर अहमद, महेंद्र प्रजापति, निजाम अंसारी, रीता देवी, तनुजा खातून, रेहाना खातून, सीता देवी, सुनीता कक्षा, बिंदु देवी, राधा देवी, पार्वती, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद आसिम, मोहम्मद इसराइल, अंजना हाशमी, मरियम खातून, तनुजा खातून, राजेश यादव, मोहम्मद कलीम, महमूद आलम, प्रदीप मेहता, अवध कुमार, जगदीश पुरी, आशा देवी, सागर अली, युसूफ मियां, अमर कुमार, खुर्शीद आलम, मोहम्मद सलीम आदि मौजूद थे.

खतियानी परिवार की बैठक के दौरान संगठन के पदाधिकारी.

अच्छी पहल — खंडेलवाल महिला संघ ने किया भव्य आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए

सावन मिलन समारोह में हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

संवाददाता। हजारीबाग

सावन मिलन समारोह के दौरान महिलाएं और बच्चे.

सावन का महीना आते ही क्या खास और क्या अलग सभी अपने अंदाज में सावन का जश्न मनाने को आतुर नजर आते हैं. खंडेलवाल महिला संघ ने रविवार को मुनका बगीचा के सभागार में सावन मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया. इसकी अध्यक्षता संघ की अध्यक्ष रुना खंडेलवाल ने की.

समारोह के दौरान बच्चों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. इस बीच विभिन्न प्रकार के खेल आयोजित किए गए. वहीं कार्यक्रम में झूला लगाया गया था जो सभी को अपनी और आकर्षित कर रहा था. महिलाओं के लिए एक विशेष सेल्फी प्वाइंट कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहा. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं. महिलाओं को उपहार भेंट किया गया. मंच का संचालन राखी खंडेलवाल ने किया. वहीं स्वादिष्ट व्यंजन लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी. समारोह के दौरान बेहतर ड्रेस कोड, जैसे अनेकों माध्यमों से लोगों को पुरस्कृत किया गया.

खंडेलवाल महिला संघ द्वारा पहली बार यह आयोजन किया गया था. समाज की महिलाओं ने भी राजस्थानी गीत पर नृत्य किया.

खास बातें

- बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी लोगों का मोह लिया मन
- समाज की महिलाओं ने भी राजस्थानी नृत्य किया

कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका सरिता खंडेलवाल, संघ की संरक्षक उषा कूलवाल, सह संरक्षक इंदु दुसाध, अध्यक्ष रुना खंडेलवाल, उपाध्यक्ष चंद्रकला ढोकरिया, सचिव रूपा वैध, सह सचिव विनीता पवन रावत, रचना दुसाध, कोषाध्यक्ष नितिका दुसाध, सह कोषाध्यक्ष राखी दुसाध एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज की समस्त महिला सदस्यों का योगदान रहा. मौके पर रुना खंडेलवाल ने कहा कि सावन मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया.

सावन का महीना विशेषकर महिलाओं के लिए उत्सव का समय होता है और ऐसे कार्यक्रम उनके जीवन में खुशियों का संचार करते हैं. इस प्रकार के मिलन समारोह से लोगों को एक-दूसरे से मिलने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिलता है. उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आशा व्यक्त की.

सुदूरवर्ती गांव लोहरा में फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

विधानसभा क्षेत्र के हर हिस्से में विधायक अंबा प्रसाद करा रहीं टूर्नामेंट : अंकित राज

संवाददाता। केरेडारी

फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ करते विधायक के भाई अंकित राज.

प्रखंड क्षेत्र के मनातू पंचायत अंतर्गत सुदूरवर्ती ग्राम लोहरा में युवा आजाद क्लब के बैनर तले फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन इंटक प्रदेश सचिव सह विधायक अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज ने फीता काटकर किया. इस दौरान उन्होंने बताया कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में विधायक अंबा प्रसाद के सौजन्य से लगातार टूर्नामेंट कराए जाते रहे हैं. अभी भी पूरे क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन कराया जा रहा है.

खेलकूद के क्षेत्र में हमारा क्षेत्र अग्रणी बने उसके लिए खिलाड़ियों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी. युवा आजाद क्लब लोहरा के अध्यक्ष सुरेंद्र गंझू व दिवाकर गंझू ने बताया कि टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग ले सकती हैं. पुरस्कार के तौर पर बुलेट खस्सी, बंपर खस्सी, सुपर खस्सी, छोटा खस्सी दिया जाएगा.

मौके पर मुख्य रूप से पूर्व मुखिया द्वारका गंझू, वार्ड सदस्य प्रभु गंझू, पंचायत अध्यक्ष संतोष शर्मा, मुकेश कुमार वर्मा, ओमप्रकाश गंझू, तेज गंझू, भीम गंझू, राजेंद्र गंझू, मोहन गंझू, दिनेश गंझू, जागेश्वर साव, मुकेश कुमार वर्मा सहित कई लोग मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम का समय कुछ चिड़चिड़ापन वाला होगा. कार्य में गति मिलेगी, जिससे कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. कार्य पूर्ण करने के लिए किसी की मदद लेनी होगी. माता का आशीर्वाद ले.

वृषभ धन के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. भाई के सहयोग से लाभ में बृद्धि होगी. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. मौज मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे. भाई के सुख में वृद्धि होगी.

मिथुन विदेश में बसे लोगों को लाभ का मौका मिलेगा. खर्च अधिक होगा. साथ ही धन का आगमन होगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. जुबान पर नियंत्रण अति आवश्यक है.

कर्क सुख में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य करने के लिए समय अनुकूल है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह दिन की शुरुआत खर्च के साथ होगी. खर्च संभाल कर करना चाहिए. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधीनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विदेशी मेहमान से लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. घर में सजावट हो सकती है. कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुडी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. गणेश जी पर दूब और हल्दी अर्पण करें.

तुला किसी बड़े कार्य होने से मन खुश रहेगा. साथ ही प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे. देवी मंन्दिर में इत्र दान करें.

वृश्चिक समय बहुत अनुकूल होगा. भाग्य साथ है. पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु किसी से बेकार की बहस हो सकती है, जिससे मन खिन्न होगा. समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है. गुरु मंत्र का जाप करें और केला का दान करें.

मकर जीवनसाथी के किसी बात हो को लेकर बहस हो सकती है. मांगलिक कार्यक्रमों की रूप रेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. पैसों का लेन देन संभव. खान पान पर ध्यान दें. काली वस्तु का दान करें.

कुंभ विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. आलस का त्याग करना चाहिए. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मीन समय शुभ है. संतान से कार्य का लाभ होगा. किसी मित्र या परिवार के लोगों से मुलाकात होगी, जिससे मन खुश होगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. गलत दोस्तों से दूरी बना कर रहें.

लातेहार जिले के सरनाधाम बारेसांढ़ से सावन अमावस्या पर निकाली गयी विशेष कांवर यात्रा ,उमड़ी आस्थावानों की भीड़

कांवर यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, 51 किलोमीटर पैदल चले

संवाददाता। लातेहार

पवित्र श्रावण माह की अमवस्या तिथि को गारू प्रखंड के मानस मणि दीप सेवा संस्थान सरना धाम बारेसाढ़ के तत्वावधान में रविवार को विशेष कांवर जल यात्रा निकाली गयी. कांवर जल यात्रा का शुभारंभ महुआडांड़ के बूढ़ा घाघ नदी से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया. यहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कलशों में पवित्र जल भरा और 51 किमी की पैदल यात्रा कर नर्मदेश्वर शिव मंदिर पहुंचे. यहां श्रद्धालुओं ने पूरे मनायोग से भगवान शिव का जलाभिषेक किया. त्रा के दौरान पूरा क्षेत्र में हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गुंजायमान हो गया. कांवरियों की सुविधा के लिए हामी, चटकपुर, गोठगांव, महुआड़ाड़ और बांसकरचा समेत कई स्थानों पर जलपान व पेयजल की व्यवस्था की गई थी. जलाभिषेक के बाद सरनाधाम में भंडारे का आयोजन किया गया.

पर्यावरण संतुलन के लिए सरना धाम आश्रम परिसर में फलाधार पौधरोपण किया गया. मौके पर स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ने भी भाग लिया. मानस मणि दीप सेवा संस्थान व जिला मुखिया समाज के अध्यक्ष सुभाष सिंह ने विधायक श्री राम का स्वागत किया. मौके पर निवर्तमान लातेहार नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामणि तिर्की, अवधेश चेरों, जिप सदस्य बलवंत सिंह, आरएसएस के अंचल, विकास भारती के धनंजय कश्यप व आलोक व रंजीत कुमार आदि को अंग वस्त्र देकर संस्थान के द्वारा सम्मानित किया गया. मौके पर सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश कुमार, राहुल कुमार, राजा कमला पूरी, राजू यादव, सूचित प्रसाद, चन्दन प्रसाद समेत कई लोग मौजूद थे.

खास बातें

- जल यात्रा का शुभारंभ महुआडांड़ के बूढ़ाघाघ नदी से किया गया
- कावंरियों के लिए कई स्थानों पर की गयी थी जलपान की व्यवस्था

पुल मझिआंव को पलामू के ऊंटारी रोड को जोड़ता है

कोयल नदी पर बने पुल पर कंपन, आवाजाही पर लगी रोक

संवाददाता। मझिआंव

ऊपरी इलाकों में दो दिनों सेहो रही लगातार बारिश के कारण कोयल नदी उफान पर है. मझिआंव नगर पंचायत के नदी तटीय क्षेत्रों में पानी भर गया है. पानी का बहाव तेज होने और मझिआंव को पलामू के ऊंटारी रोड को जोड़ने के लिए नदी पर बने पुल में कंपन्न के कारण एहतियातन वाहनों की आवाजाही तत्काल रोक दी गई है. थाना प्रभारी ने बताया सीओशंभूराम और बीडीओ सतीश भगत के निर्देश पर एहतियातन पुल पर बैरिकेडिंग कर दी गई है ताकि वाहनों का आवागमन को रोका जा सके.उक्त पुल से होकर लोगों को पैदल जाने पर भी रोक लगा दी गई है. थानांतर्गत गहीड़ी के समीप बैरिकेडिंग किया गया है. मामले में

अंचल पदाधिकारी शंभूराम ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुल से होकर आवागमन रोक दिया गया है. पानी कम होने पर पुल से होकर आवागमन बहाल कर दिया जाएगा. उधर बारिश के कारण नगर पंचायत के कई क्षेत्रों में नदी का पानी आ गया है. कोयल नदी का पानी नगर पंचायत क्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर के समीप तक आ गया है. वहीं देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान बनाया गया यज्ञ मंडप में चार फीट पानी भर गया है. राधाकृष्ण मंदिर परिसर के आसपास भी कोयल नदी का पानी भरा हुआ है. उसक अलावा नदी तट पर बनाया गया पानी टंकी क्षेत्र में भी पानी भरा हुआ है. 19 लाख की लागत से बच्चों के लिए बनाया गया पार्क पर भी कोयल नदी में आए उफान के कारण संकट मंडरा रहा है. पार्क में फिलहाल करीब तीन फीट पानी है.

एनएच 343 पर गड्ढों की भरमार, आवागमन में परेशानी

भंडरिया जा रहे एसपी का स्कॉर्पियो भी फंसा

रंका। गढ़वा-अंबिकापुर एनएच 343 पर गड्ढों की भरमार है. बारिश के दिनों में उक्त गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन में अधिक परेशानी होती है. पानी भरे रहने के कारण गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लगता. उससे कई मर्तबा लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं. कई बार तो गाड़ियां भी फंस जाती हैं. रविवार को भंडरिया जा रहे एसपी दीपक कुमार पांडेय का स्कॉर्पियो भी फंस गया. काफी प्रयास के बाद जवानों ने वाहन को गड्ढे से बाहर निकाला. मालूम हो कि सड़क पर गड्ढे होने से यह जानलेवा साबित हो रहा है. सड़क पर बने गड्ढों के कारण अक्सर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं. पिछले पांच जुलाई को भी सड़क पर बने गड्ढे के कारण असंतुलित होकर छात्र-छात्राओं को लेकर स्कूल से आ रहा टेंपो पलट गया. घटना में टेंपो पर सवार 15 विद्यार्थियों में 13 घायल हो गए थे. बाकी दो छात्र बाल-बाल बच गए थे. गढ़वा-अंबिकापुर एनएच 343 जर्जर हो चुकी है. जिला मुख्यालय के पुरनचंद चौक से लेकर गोदरमाना तक सड़क पर असंख्य गड्ढे बने हैं. कई जगहों पर तो जानलेवा गड्ढे बन गए हैं. उससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है. उक्त सड़क पर हर दिन अंतरराज्यीय बड़े वाहनों की आवाजाही बड़ी संख्या में होती है. उसके अलावा छत्तीसगढ़ से हर दिन 70 से अधिक यात्री बस भी चलती हैं. छोटे यात्री वाहनों का संचालन भी हर दिन काफी संख्या में होता है. यह सड़क से ही लोग रायपुर, बिलासपुर, दिल्ली, कोलकाता सहित अन्य शहरों को जोड़ती है. झारखंड राज्य में प्रवेश करते ही सीमा पर अवस्थित गोदरमाना से ही सड़क की स्थिति बदतर हो गई है. सड़क पर कई बड़े बड़े गड्ढे उभर आए हैं. सड़क का किनारा दिन-प्रतिदिन टूटता जा रहा है. गोदरमाना से 5 किलोमीटर दूर भौंरी भौं, 7 किलोमीटर दूर बुढ़ापारस के पासखरसोईया नाला पर बने पुल की स्थिति ऐसी है कि चालक जान हथेली पर रखकर कर पार करते हैं. उसके अलावा भदुवाघाटी, सरका नाला, नवाडीह पुल के पास, खरडीहा पुल के पास, दौनादाग गांव के पास के अलावा अलावा कई अन्य जगहों पर भी जानलेवा गड्ढा बन गया है. उक्त सभी जगहों पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता है. उससे दुर्घटनाएं हो रही हैं.

6 से 14 तक सुरक्षा अधिकारी कैडर के पदों पर आवेदन आमंत्रित

संवाददाता। गढ़वा

एशिया महाद्वीप की विश्व स्तरीय एसआईएस ग्रुप द्वारा 6 अगस्त से 14 अगस्त तक झारखंड के सभी जिलों के स्नातक युवाओं के लिए लिखित परीक्षा के लिए सुरक्षा अधिकारी कैडर के पदों पर आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं. इसकी जानकारी ग्रुप कमांडेंट रमेश कुमार जायसवाल ने दी है. उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य के ग्रामीण और शहरी युवाओं के लिए यह सुनहरा मौका है. ये परीक्षा इस वर्ष की आखिरी परीक्षा है. परीक्षा झारखंड के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में ली जाएगी, जिसमें 1250 युवाओं को चयन कर स्थाई अधिकारी सेवा की नियुक्ति प्रदान की जायेगी. ग्रुप कमांडेंट ने बताया कि युवाओं को शुरुआत में सालाना तीन लाख 50 हजार का पैकेज दिया जाएगा, जो प्रशिक्षण के दौरान ही प्रारंभिक दिन से मिलना शुरू हो जाएगा. इनकी तैनाती जहां पर होगी राज्य सरकार के न्यूनतम वेतन अधिनियम एक्ट 1984 के अंतर्गत अन्य भत्ता, सरकारी पेंशन, विधवा पेंशन पीएफ, ग्रेच्युटी ईएसआई ग्रुप इंश्योरेंस, बोनस, मेडिक्लेम, दो बच्चों को आईपीएस देहरादून में पढ़ाने की व्यवस्था आदि दी जाएगी.

पेज एक का शेष

सरयू राय जदयू में शामिल...

साथ में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमति बनी. शेष चुनावी औपचारिकताओं पर जदयू नेतृत्व शीघ्र निर्णय लेगा. जिसके बाद रविवार को सरयू राय जदयू में शामिल हो गए हैं. सरयू राय पूर्व में झारखंड सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. वह जमशेदपुर-पूर्वी सीट से अभी निर्दलीय विधायक हैं. उन्होंने 2005 में पहली बार जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव जीता था.

कागज की जगह स्क्रीन ने ली...

बच्चों का ध्यान भटकाते हैं मोबाइल पर आने वाले नोटिफकेशन : मोबाइल फोन पर आने वाले नोटिफिकेशन पढ़ते, सीखते या ध्यान लगाते वक्त आपका ध्यान भटकाते हैं. रिपोर्ट के अनुसार 14 देशों में प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक के छात्रों के मोबाइल फोन के उपयोग और शैक्षिक परिणामों के बीच संबंधों पर शोध के मेटा-विश्लेषण में एक छोटा नकारात्मक प्रभाव दिखा, जो विश्वविद्यालय स्तर पर काफी बड़े स्तर पर पहुंच जाता है. मोबाइल पर आने वाली सूचनाएं या मोबाइल डिवाइस की मात्र निकटता एक ध्यान भटकाने वाली चीज हो सकती है, जिससे छात्र अपने काम से अपना ध्यान हटा लेते हैं. कक्षाओं में स्मार्टफोन के उपयोग से छात्र गैर-विद्यालय से संबंधित गतिविधियों में संलग्न हो जाते हैं. इससे याद करने और समझने पर प्रभाव पड़ता है. रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि एक अध्ययन में पाया गया है कि गैर-शैक्षणिक गतिविधि में संलग्न होने के बाद छात्रों को जो कुछ भी सीख रहे थे, उस पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में 20 मिनट तक का समय लग सकता है. घर और स्कूल में प्रौद्योगिकी के उपयोग को निम्न, मध्यम या उच्च के रूप में वर्गीकृत करके, एक सीमा से अधिक गहन उपयोग को अक्सर घटते हुए शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ सहसंबद्ध पाया गया, जबकि मध्यम उपयोग को अक्सर सकारात्मक शैक्षणिक परिणामों के साथ जोड़ा गया. वहीं टैबलेट और फोन के उपयोग के बारे में शिक्षकों की धारणाओं पर अध्ययन कक्षा प्रबंधन में परेशानी होती है. अक्सर छात्र शिक्षकों द्वारा बताई गई वेबसाइटों के अलावा अन्य वेबसाइटों पर जाते हैं. कक्षा में सोशल मीडिया का उपयोग भी विघटनकारी है, जो सीखने के परिणामों पर नकारात्मक प्रभाव डालते हुए शैक्षणिक विकर्षण को बढ़ाता है. डेटा विश्लेषण ने स्कूल में सोशल मीडिया के उपयोग से डिजिटल रीडिंग प्रदर्शन को नकरात्मक बताया है.

ममता ने की हेमंत से बात...

हिमंता भी कूदे बीच में, कहा-मैं दीदी सहमत नहीं : ममता बनर्जी और हेमंत सोरेन के बातचीत और आग्रह पर भाजपा सह प्रभारी सह असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा भी कूद गए हैं. उन्होंने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि में दीदी का सम्मान करता हूं, लेकिन में उनकी इस धारणा को स्वीकार नहीं कर सकता कि झारखंड सरकार पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ के लिए जिम्मेदार है. दोनों सरकारों को लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए मिल कर काम करना चाहिए, हर साल, अरुणाचल और भूटान की पहाड़ियों से आने वाला पानी असम में बाढ़ का कारण बनता है. हालांकि, हम अरुणाचल सरकार या रॉयल भूटान सरकार को दोष नहीं देते क्योंकि हम समझते हैं कि पानी की कोई सीमा नहीं होती और यह स्वाभाविक रूप से नीचे की ओर बहता है.

बांग्लादेशः भड़की हिंसा

भारतीयों को अलर्ट पर रहने की सलाह : बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से चल रही हिंसा में कम से कम 200 लोग मारे जा चुके हैं. ताजा झड़प में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हैं. भारत ने बांग्लादेश में रह रहे भारतीयों को अलर्ट पर रहने की सलाह दी है. भारत ने एक्स पर संदेश में कहा, हम सिलहट में रहने वाले छात्रों सहित सभी भारतीय नागरिकों से भारतीय उच्चायोग कार्यालय के संपर्क में रहने का अनुरोध करते हैं. साथ ही उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी जाती है. आपात स्थिति में, कृपया 88-01313076402 पर संपर्क करें.

हसीना समर्थकों की प्रदर्शनकारियों से खूनी झड़प : समाचार पोर्टल बीडी न्यूज24 की एक खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की और आरक्षण में सुधार को लेकर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए. प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन के पहले दिन राजधानी के साइंस लैब चौराहे पर भी एकत्र हुए और उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए. इस बीच सत्ताधारी पार्टी अवामी पार्टी के समर्थकों और पुलिस से प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई.

सडक पर उपद्रव, कई वाहन फूंके : विरोध प्रदर्शन के संयोजकों ने बताया कि ढाका के साइंस लैब, धानमंडी, मोहम्मदपुर, टेक्निकल, मीरपुर-10, रामपुरा, तेजगांव, फार्मगेट, पंथपथ, जतराबाड़ी और उत्तरा में भी प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं. समाचारपत्र डेली स्टार के अनुसार, रविवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में अज्ञात लोगों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया. खबर के अनुसार, लाठी-डंडे लिए लोगों को अस्पताल परिसर में निजी कार, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों और बसों में तोड़फोड़ करते देखा गया, जिससे मरीजों, तीमारदारों, चिकित्सकों और अन्य कर्मियों में भय पैदा हो गया.

ये छात्र नहीं आतंकी हैं: हसीना : इस बीच, प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि मैं देशवासियों से इन आतंकवादियों का सख्ती से दमन करने की अपील करती हूं. ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, शेख हसीना ने गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाई, जिसमें उन्होंने ये बातें कही है. बैठक में सेना, नौसेना, वायु सेना, पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के प्रमुख और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी थे. प्रधानमंत्री के सुरक्षा सलाहकार और गृह मंत्री भी मीटिंग में मौजूद थे. हसीना ने इन आंदोलनकारियों से कड़ाई से निपटने का आदेश दिया है.

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास रांची पहुंचे, फिर जमशेदपुर गये

रांची। ओडिशा के राज्यपाल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास राष्ट्रपति भवन में आयोजित राज्यपाल सम्मेलन में शामिल होने के बाद दिल्ली से रांची पहुंचे. रांची आगमन पर बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संजय कुमार जायसवाल, संकेत तिवारी, शुभम कुमार जायसवाल, जॉनी वाकर खान, उमेश यादव, राहुल कुमार, सुजीत कुमार, तरुण कुमार जायसवाल, अंकित कुमार आदि ने उनका स्वागत किया. दास हवाई अड्डे से एचईसी आवासीय परिसर स्थित आवास पहुंचे. यहां कुछ देर रुकने के बाद सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हुए.

मंत्री व सांसद मृत कांवरियों के परिजनों से मिले

बालूमाथ (लातेहार)। क्षेत्रीय विधायक सह झारखण्ड सरकार के मंत्री बैद्यनाथ राम एवं चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने दिवगंत कावंरियों के परिजनों से अलग अलग मुलाकात की. उन्होने इस मौके पर अपनी संवेदनायें प्रकट की. चतरा सांसद कालीचरण सिंह व मंत्री बारी बारी से धाधु पंचायत के त भैसादोन स्थित सचेंद्र यादव उर्फ़ सच्चू यादव के घर पहुंच कर परिवार वालों से मिल कर शोक व्यक्त किया. दुख के इस घड़ी में धैर्य रखने की अपील की. ज्ञात हो की सचेद्र यादव की 12 वर्षीय पुत्री रगीली कुमारी एवं माता शांति देवी इस दुर्घटना में असमय दिवगंत हो गयी थी.

जुआ खेलते आजसू नेता सहित नौ गिरफ्तार, एक लाख छह हजार जब्त

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए न सिर्फ नौ जुआरियों को धर-दबोचा, बल्कि एक लाख छह6 हजार रुपये कैश और कई बोतल अंग्रेजी शराब एवं मोबाइल भी बरामद की है. गिरफ्तार लोगों में राम लखन प्रसाद, उमेश प्रसाद साहू, तनबीर कुरैशी, टिन्कू कुरैशी, अवधेश साहू, कमलेश प्रसाद साहू, अब्दुल मजीद, मो. इम्तयाज अंसारी, मो. सोनू शामिल हैं. एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अजय उद्यान के समीप राम लखन प्रसाद के घर पर जुआ अड्डा चल रहा है. इस सूचना पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया. छापेमारी दल में टेक्नीकल दस्ता टीम के सदस्य भी शामिल थे. उक्त टीम के द्वारा 03.08.24 की रात्रि अजय उद्यान के पिछे राम लखन प्रसाद के घर में अवैध रूप से जुआ खेल रहे व्यक्तियों के विरूद्ध रात्रि करीब 22:05 बजे छापामारी किया गया. जिसमें उक्त लोगों को अवैध रूप से जुआ खेलते हुए पाया गया. जुआ अड्डा से नगद 1,06110 रुपये, काफी संख्या में ताश के पत्ते, नगद रुपये, अंग्रेजी शराब के 12 बोतल, ग्यारह मोबाईल, दो स्कूटी, दो मोटरसाईकिल को बरामद किया गया, जिसे जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया. उपरोक्त सभी 09 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. जिस संबंध में लोहरदगा थाना काण्ड संख्या 156/24, दिनांक 03.08.2024, धारा 292/3(5) बीएनएस, 3/4 बंगाल जुआ अधिनियम एवं 47 (ए) उत्पाद अधि० दर्ज किया गया. उपरोक्त सभी 09 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

खास बातें

- गिरफ्तार आरोपियों में एक टिंकू कुरैशी हिंदी फिल्म प्रोड्यूशर का
- मौके से अंग्रेजी शराब की 12 बोतल, 11 मोबाइल और कई बाइक भी जब्त

धुरकी पुलिस ने 17 हजार सीएफटी बालू जब्त किया

संवाददाता। धुरकी

धुरकी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को अवैध बालू के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया. घुरकी पुलिस व जिला खनन पदाधिकारी नंद देव बैठा के संयुक्त छापामारी के दौरान ग्राम रक्सी अंर्तगत संतोष जायसवाल द्वारा करीब 10 हजार सीएफटी अवैध बालू भंडारण को जप्त किया गया. साथ ही थाना क्षेत्र के परासपानी कला पश्चिमी टोला में ठेकेदार गोंड के घर के सामने सगमा निवासी नंदकिशोर मेहता के द्वारा करीब 7500 सीएफटी अवैध बालू भंडारण को जप्त किया गया. दोनों लोगां के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है.

जानकारी देते हुए थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र में अवैध बालू के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है. जिसमें जिला खनन पदाधिकारी भी शामिल होते है. छापामारी के दौरान अलग अलग जगहों से करीब 17 हजार सीएफटी बालू को जप्त करते संतोष जायसवाल व नंदकिशोर मेहता पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है. थाना प्रभारी ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी की थाना क्षेत्र में अलग अलग जगहों पर कनहर नदी से रात्रि में बालू चोरी कर छुपा कर रखा गया है. जिसकी सूचना पर छापामारी अभियान चलाया गया. उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध बालू के कारोबार को किसी भी हाल में चलने नही दिया जायेगा. यह छापामारी आगे भी जारी रहेगी. छापामारी दल में सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार, बीकू कुमार रजक, एएसआई शैलेंद्र कुमार सहित दलबल के जवान शामिल थे.

राजनीति

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में देश के सभी समुदाय के लोगों का रखा है ख्याल

किसान, गरीब के लिए लगातार काम कर रहे हैं पीएम : नीलकंठ

संवाददाता। खूंटी

पत्रकार वार्ता में जानकारी देते नीलकंठ सिंह मुंडा व अन्य भाजपा नेता

देश के इतिहास में दूसरी बार ऐसा हुआ किसी प्रधानमंत्री ने लगातार तीसरी बार सत्ता संभाली हो. इसके पहले जवाहर लाल नेहरू लगातार तीन बार प्रधानमंत्री चुने गये थे. प्रधानमंत्री मोदी भी देश के हर समुदाय, समाज, किसान, महिला, दलित पिछड़े सभी के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत इस वर्ष के बजट में यह साफ झलकता है. ये बातें खूंटी के विधायक और भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने रविवार को भाजपा के जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं.

उन्होंने कहा कि बजट में कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा और संरचना नवाचार अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी का सुधार शामिल हैं. उन्होंने कहा कि बजट में मुख्ता चार समूह गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता पर ध्यान केंद्रित किया गया है. अन्नदाता के लिए सरकार ने एक महीना पहले सभी मुख्य फसलों के लिए उच्चतर न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करके लागत पर काम से कम 50: मार्जिन देने का वादा को पूरा किया. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ होगा.

विधायक ने कहा कि इस बजट में विशेष रूप से रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया गया है. रोजगार कौशल प्रशिक्षण व अन्य अवसरों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं और पहले के पैकेज की घोषणा की गई जिससे पांच वर्ष की अवधि में 44.1 करोड़ युवाओं को लाभ होगा. इसके लिए केंद्रीय परिव्यय दो लाख करोड़ रुपए का है. इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण के लिए 1.48 लाख करोड रुपए का प्रावधान किया गया है.

राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि हमारी सरकार उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु के अनुकूल किस्म की फसलों के विकास पर जोर देने के लिए कृषि अनुसंधान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करेगी. किसानों की खेती- बाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्चतर पैदावार वाली हर जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में पूरे देश में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि के लिए सहायता दी जाएगी, जिसमें प्रमाण पत्र और ब्रांडिंग व्यवस्था भी शामिल है. दस हजार आवश्यकता आधारित जैव आदान संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे.साथ ही सब्जी उत्पादन क्लस्टर को भी विकसित किया जाएगा. प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय साहू और कैलाश राम, जिला महामंत्री विनोद और नाग, नगर अध्यक्ष सुरेश जयसवाल भी मौजूद थे.

प्रतिस्पर्धा में पीछे क्यों ?

भारत दुनिया की एक बड़ी आर्थिक ताकत है. लेकिन ओलंपिक कें मंच पर उसका प्रदर्शन अपने आर्थिक प्रतिस्पर्धी की तुलना में पिछउ हुआ है.इसमें दो राय नहीं कि खेलों के विकास के लिये वर्ष 2016-17 में केंद्र सरकार द्वारा लायी गई योजना 'खेलो इंडिया' खेलों के विकास की दृष्टि से एक अभिनव योजना थी. जिसका मकसद था कि देश भर में खेलों में सामूहिक भागीदारी बढ़ाने के साथ खेलों की उत्कृष्टता को भी संबल मिले. जिसके मूल में मकसद यह भी था कि देश में खेलों के बुनियादी ढांचे के निर्माण व उन्नयन में मदद मिले. जिसको लेकर केंद्र सरकार का दावा था कि यह योजना खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिये प्रेरित करेगी. निश्चित रूप से देश के कई राज्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर भी रहे हैं. लेकिन इस योजना की सफलता तभी तार्किक हो पाएगी जब आर्थिक सहायता खिलाड़ियों के प्रदर्शन और सफलता के आधार पर तय होगी. जैसे कि देश में विभिन्न उद्योगों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने के लिये उद्योगों की सफलता का मानक उत्पादन का स्तर तथा गुणवत्ता होती है. कमोबेश खेलों में भी स्वस्थ स्पर्धा को बढ़ाने के लिये इस तर्ज पर आर्थिक सहायता दिये जाने की उम्मीद की जाती रही है. कहने का अभिप्राय यह है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत किया ही जाना चाहिए. फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी वर्षों के अभ्यास व कड़ी मेहनत के बाद पेरिस ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. इसी बीच केंद्र की खेलो इंडिया योजना के तहत खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये राज्यों को आवंटित धन को लेकर एक अप्रिय विवाद खड़ा हो गया है. निश्चित रूप से यह अप्रिय विवाद उठने का समय असंगत है. निश्चित रूप से पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिये संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के मनोबल पर इसका धनात्मक प्रभाव तो नजर नहीं ही आएगा. कांग्रेसी नेतृत्व वाले मुखर विपक्ष और कुछ खेल पंडितों का आरोप है कि राज्यों को आर्थिक राशि वितरण में भेदभाव किया गया है. आरोप है कि केंद्र ने हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों के साथ भेदभाव किया है. दलील है कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने गये भारतीय खिलाड़ियों के दल में संख्या के हिसाब से पांचवां हिस्सा हरियाणा से है. लेकिन राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं मे धूम मचाने वाले हरियाणा के हिस्से में खेलो इंडिया योजना के तहत महज 66.6 करोड़ रुपये ही आए हैं. वहीं दूसरी ओर गुजरात, जिसके चुनिंदा खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में खेलने गए हैं, उसे खेलो इंडिया योजना के तहत 426 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई. उत्तर प्रदेश को भी योजना के तहत 438 करोड़ रुपये मिले. विपक्षी दलों का कहना है कि उत्तर प्रदेश से सिर्फ छह ही एथलीट ओलंपिक में भाग लेने गए हैं. वहीं पुरुष हॉकी में दबदबा रखने वाले पंजाब के हिस्से में खेलों के संरचनात्मक विकास के लिये सिर्फ 78 करोड़ रुपये ही आए हैं.

> कांग्रेसी नेतृत्व वाले मुखर विपक्ष और कुछ खेल पंडितों का आरोप है कि राज्यों को आर्थिक राशि वितरण में भेदभाव किया गया है. आरोप है कि केंद्र ने हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों के साथ भेदभाव किया है.

सुभाषित

छायामन्यस्य कुर्वन्ति स्वयं तिष्टन्ति चातपे।
फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुष इव॥

वृक्ष स्वयं सूर्य के प्रखर ताप को सहन करके दूसरों को छाया प्रदान करते हैं तथा उनके फल भी दूसरों के उपयोग के लिए होते हैं, वृक्ष के समान सत्पुरुष भला कौन है ? सज्जनों का स्वभाव भी ऐसा ही होता है. वे स्वयं कष्ट झेल कर भी दूसरों को सुख पहुंचाते हैं.

जाति गणना पर भाजपा का सेल्फ गोल!

जातीय जनगणना की राजनीति चुनाव मैदान होते हुए संसद पहुंच चुकी है. शुरुआत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की और अनुराग ठाकुर ने मोर्चा संभाल लिया. लेकिन माना जा रहा है कि जाति गणना के मुद्दे पर भाजपा और इसके नेता राहुल गांधी के ट्रैप में फंस गये हैं. राहुल गांधी के सेट किए नैरेटिव में भाजपा नेता फंस रहे हैं. भाजपा इस मुद्दे पर सेल्फ गोल करके फंसती जा रही है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

जातीय सर्वे राज्यों में पहले भी होते रहे हैं. आंकड़े भी जारी किये जाएं, ऐसा कभी जरूरी नहीं लगा. जातीय जनगणना के मुद्दे को मजबूत राजनीतिक आधार मिला बिहार में, जब नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ सरकार चलाते हुए भी तेजस्वी यादव को लेकर पहल की. बिहार में जातीय गणना कराई गई और विधानसभा में पेश किये जाने के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव भी पास किया गया. लेकिन हाईकोर्ट ने रोक लगा दी और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर मुहर भी लगा दी. अब नीतीश कुमार कह रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिहार के प्रस्ताव को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की गुजारिश कर चुके हैं. संसद में राहुल गांधी के जातीय जनगणना के जिक्र के बाद से जो ताजा बहस शुरू हुई, वह कोई नया मामला नहीं है. 2023 में संसद के विशेष सत्र में महिला बिल पेश किये जाते वक्त राहुल गांधी ने ओबीसी आरक्षण की मांग उठाई थी - और उसके बाद सोशल मीडिया के जरिए जातीय जनगणना की मांग करने लगे. बाद में कांग्रेस की कार्यकारिणी में इसे लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया था, जिसके बाद विधानसभा चुनाव के दौरान वे सत्ता में आने पर जातीय जनगणना का वादा भी करते रहे. विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी के चुनावी वादे का कोई असर नहीं दिखा, लेकिन लोकसभा चुनाव में विपक्ष को जबरदस्त फायदा हुआ - और अब उसे आगे भी भुनाने की तैयारी चल रही है. सोशल मीडिया पर जो बहस चल रही है, क्या संसद में भी वही बात हुई थी? सोशल मीडिया पर जाति के नाम पर सवाल हो रहा है. समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव का एक पुराना वीडियो भी फिर से चल पड़ा है, जिसमें वह एक पत्रकार से सरनेम बताकर जाति की तरफ इशारा कर रहे हैं. संसद में भी राहुल गांधी की तरफ से खड़े होकर अखिलेश यादव ने ही सवाल किया था. आप किसी की जाति कैसे पूछ सकते हैं?

असल में राहुल गांधी कई बार केंद्र सरकार में तैनात अधिकारियों की जाति को मुद्दा बनाने की कोशिश करते रहे हैं. संसद में महिला बिल लाये जाने के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र सरकार में कहा था कि केंद्र सरकार में 90 सचिवों में से सिर्फ तीन ही ओबीसी वर्ग के हैं. और ठीक वैसे ही बजट के हलवा की तस्वीर दिखाते हुए भी राहुल गांधी ने दावा किया था कि 20 अधिकारियों ने देश का बजट बनाया, लेकिन उनमें से सिर्फ एक अल्पसंख्यक एवं एक ओबीसी है और उनमें एक भी दलित और आदिवासी नहीं है. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कहना था, सरकार में 2-3 फीसदी लोग ही हलवा तैयार कर रहे हैं. उतने ही लोग हलवा खा रहे हैं और शेष भारत को ये नहीं मिल रहा है. बेशक बीजेपी की तरफ से लगातार जवाब दिया जा रहा है, लेकिन मुश्किल यह है कि एजेंडा कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष सेट कर रहा है और बीजेपी को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि ये पूरा नैरेटिव बीजेपी की राजनीति के खिलाफ जा रहा है. सवाल यह है कि आखिर बीजेपी क्यों कांग्रेस के जातीय विमर्श जंजाल में फंसती चली जा रही है? बीजेपी की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तो हमेशा ही ऐसी चीजों के खिलाफ रहा है. कहां संघ हिंदुओं के बीच एक कुआं, एक श्मशान और एक मंदिर की मुहिम चलाता है और कहां बीजेपी नेता बिना मतलब जातीय जनगणना की बहस में उलझे चले जा रहे हैं. अनुराग ठाकुर ने बीजेपी को 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव की तरफ फिर फंसा दिया है. अब तो बीजेपी की मजबूरी है कि अनुराग ठाकुर ने बोल दिया है तो बचाव तो करना ही पड़ेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुराग ठाकुर का एक वीडियो भी शेयर किया है और जोर देकर कहा है कि सुना जाना चाहिए. वीडियो अनुराग ठाकुर के भाषण का है, जिसमें वे शशि थरूर की किताब द ग्रेट इंडियन नॉवेल के बहाने राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं. असल में वह हास्य-व्यंग्य उपन्यास है, जिसमें शशि थरूर महाभारत की पृष्ठभूमि में तत्कालीन नेताओं की चर्चा कर रहे हैं, जिसमें महाभारत के किरदारों से तुलना की गई है. अपना उपन्यास प्रकाशित होने के 25 साल पूरे होने पर शशि थरूर ने कोलकाता के एक साहित्य समारोह में 2015 में कहा था, मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी किताब को बैन नहीं किया गया और उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा है.

अनुराग ठाकुर को तो मौका चाहिए था. लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने हिमाचल प्रदेश की चारों सीटें जरूर जीत ली हैं, लेकिन उसके बावजूद पार्टी नेतृत्व का गुस्सा कम नहीं हुआ है. अनुराग ठाकुर को केंद्र सरकार में मंत्री न बनाया जाना बता रहा है कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की हार को बीजेपी भूली नहीं है. जाहिर है अनुराग ठाकुर नेतृत्व को खुश करने के लिए ही ये सब कर रहे हैं. निश्चित तौर पर ये अनुराग ठाकुर के लिए निजी तौर पर फायदेमंद हो सकता है, लेकिन क्या बीजेपी के लिए भी फायदे का सौदा है? 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद एक इंटरव्यू में बीजेपी नेता अमित शाह ने भी माना था कि अनुराग ठाकुर जैसे नेताओं के भाषणों को विपक्ष ने मुद्दा बना दिया, जो बीजेपी के खिलाफ गया. तब अनुराग ठाकुर का एक नारा काफी चर्चित रहा, देश के गद्दारों को, गोली मारो... मालूम नहीं बीजेपी के रणनीतिकार इस बात को समझ भी पा रहे हैं या नहीं, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी जातीय राजनीति में हद से ज्यादा फायदा देख रहे हैं. पहला फायदा तो यही है कि राहुल गांधी बड़े आराम से बीजेपी को भरी संसद में घेर रहे हैं. दूसरा फायदा यह है कि जातीय राजनीति के बहाने समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे राजनीतिक दलों का कांग्रेस को मजबूत सपोर्ट मिल रहा है. तीसरा फायदा यह है कि ऐसा नैरेटिव सेट करके राहुल गांधी पिछड़े वर्ग के लोगों के दिलों में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कांग्रेस से मुंह मोड़ चुके ओबीसी तबके को फिर से कनेक्ट हुआ जा सके.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

भय और आस्तिकता

भय सामान्यतः नकारात्मक शब्द है, लेकिन है बड़े काम का. भय ही तो है जो संसार के सभी प्राणियों पर अपना अंकुश रखता है. भय ही है, जो पूरे संसार को नियंत्रण में रखता है. भय की आशंका समाप्त होते ही लोग निरंकुश हो जाते हैं और अराजकता छा जाती है. भय की न्यूनता होने पर ही कोई व्यक्ति अपराधी हो जाता है और कई घृणित अपराध कर बैठता है. हालांकि एक अपराधी को भयभीत करने के पुलिस और न्यायालय की व्यवस्था है, जिसे डरानेवाली सजा दी जा सकती है, लेकिन कई बार अपराधी नशे की हालत में स्वयं को भयमुक्त कर लेता है. सच पूछा जाये तो भय शांति का जनक है. जहां भय नहीं होता, वहा अशांति का साम्राज्य स्थापित हो जाता है, जो लोगों को बेचैन कर देता है और इसी बेचैनी का एहसास लोगों के भीतर भय उत्पन्न करता है. भय मनुष्य को दुर्गुणों से बचाता है, क्योंकि हमारे भीतर सभी सद्गुण भय से ही स्थायित्व पाते हैं. भय प्रत्येक जीव की प्राकृतिक संज्ञा है. 'ईश्वर-आस्तिक' को ईश्वर के नाराज़ होने का भय होता है तो 'कर्म-फल-आस्तिक' को बुरे प्रतिफल मिलने का भय रहता है. 'नास्तिक' को बुरा व्यक्तित्व कहलाने का भय रहता है. भय के कारण ही सभी सदाचारी रहना उचित मानते हैं और कदाचारों से दूर रहने का प्रयास करते हैं. आस्तिकों को विशेष रूप से ईश्वर और कर्म-फल के प्रति श्रद्धा व सबूरी का आधार रहता है. अगर आस्तिक को सदाचार के एवज मे प्रशंसा और प्रतिफल त्वरित न भी मिले तो वह सब्र कर लेता है और निर्णायक दिन या अगले जन्म तक का भी इन्तजार कर लेता है. और आस्था के कारण अपने विश्वास से विचलित नहीं होता. वहां भौतिकवादी नास्तिक, सदाचार के प्रतिफल में विपरीत परिणामों का अनुमान मात्र लगाकर विचलित हो जाता है. अनुकूल परिणाम न आते देखकर निराश हो जाता है, क्योंकि धैर्य का उसके पास कोई औचित्य ही नहीं होता. वह शीघ्र ही सदाचार से पल्ला झाड़ लेता है. वह जरा सी प्रतिकूलता देखते ही अपने अनास्थक मानसिकता पर और भी मजबूत हो जाता है. इस प्रकार सदाचार पर टिके रहने के लिए न तो उसके पास पर्याप्त मनोबल होता है और न ही प्रतिफल का पूर्ण विश्वास. पर्याप्त आधार के बिना भला वह क्यों सब्र करेगा? 'अच्छे का नतीजा अच्छा', या 'भले का परिणाम भला' वाला नीतिबल तो कब का नष्ट हो चुका होता है. नैतिकता पर 'चलने' का आधार समाप्त ही हो जाता है. विश्वास स्वरूप 'पैर' ही न हो तो कदम क्या खाक उठा पाएगा?

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी प्राकृतिक खेती

• कृषि क्षेत्र

देविंदर शर्मा

दो घटनाक्रम सामने आये जिनके बारे में मुझे लगता है कि हमें मूल्यांकन करने की जरूरत है. यदि हम कड़ी जोड़ सकें, तो एक वाकया उस आपदा का संकेत देता है जिसका इंतजार है, और दूसरा दुनिया जिस बड़े संकट का सामना कर रही है, उससे निपटने के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करता है, जिसके आने वाले वर्षों में और भी बदतर होने की संभावना है. जबकि मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, प्रमुख गेहूं उत्पादक यूरोपीय देश फ्रांस में भारी और लगातार बारिश के कारण फसल को बड़ा नुकसान हुआ है, नीदरलैंड के एक पत्रकार ने मुझे लिखा है कि क्या मौसम में स्पष्ट परिवर्तन किसानों के लिए आर्थिक आपदा बनने जा रहा है. उसकी चिंता हॉलैंड में, जो कुछ वह देखती है, उससे पैदा होती है, जहां बारिश रुकी नहीं है, खेत पानी से लबालब हैं, परिणामस्वरूप खेतों में लगाई आलू की फसल सड़ रही है और सब्जियों के बीज उग नहीं रहे हैं. इस बीच भारत अभूतपूर्व गर्मी की चपेट में है. जैसे-जैसे सामान्य तापमान बढ़ता जा रहा है, आशंकाएं हैं कि क्या देश आने वाले वर्षों में अपनी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा? कुछ वर्ष पहले गेहूं की कटाई के दौरान गर्मी ने कहर ढहाया था. उसके एक साल बाद, मानसून के मौसम में भी लगभग एक महीने तक बारिश नहीं हुई, धान की खड़ी फसल पर असर पड़ा. यह जानते हुए कि जलवायु परिवर्तन भविष्य में खेल बिगाड़ सकता है, सरकार अति-जागरूक हो रही है, उसने कदम उठाए हैं. इनमें गेहूं और गैर-बासमती निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना यकीनी बनाने के लिए विभिन्न कृषि वस्तुओं पर स्टॉक सीमा भी लागू करना शामिल है. जैसा कि डच पत्रकार कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन विश्वव्यापी घटना बनने जा रही है जिसके कृषि पर बेहद बड़े प्रभाव होंगे. जबकि उद्योग इसे अपनी क्लाइमेट स्मार्ट प्रौद्योगिकी बेचने के लिए उपयुक्त अवसर के रूप में देखते हैं, जिसकी वे बीते कई साल से मार्केटिंग कर रहे हैं. बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया ने जलवायु के असर झेलने में समर्थ कृषि के लिए दृष्टिकोण, नीतियों और रणनीतियों पर विचार किया है. मानवता के लिए गुलबेंकियन प्रतिष्ठित पुरस्कार इस बार दो अन्य अंतरराष्ट्रीय प्राप्तकर्ताओं के साथ ही आंध्र प्रदेश समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती यानी एपीसीएमएनएफ को प्रदान किया गया है. दरअसल, यह पुरस्कार उन जलवायु कार्यों और जलवायु समाधानों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है, जो उम्मीद और संभावनाओं को प्रेरित करते हैं. पुरस्कार के तहत एक मिलियन यूरो नकद प्रदान किये जाते हैं. बीते दिनों, रायथु साधिकार संस्था (आरवाईएसएस) के कार्यकारी उपाध्यक्ष विजय कुमार ने यह पुरस्कार पुर्तगाल के लिस्बन में एक शानदार समारोह में पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल के हाथों प्राप्त किया. एपीसीएनएफ को दुनिया भर से प्राप्त 181 नामांकनों में से चुना गया था. इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि उत्तरी अमेरिका में मैक्सिको से लेकर एशिया में फिलींपींस तक, और अमेरिका के टेक्सास से लेकर भारत में महाराष्ट्र तक- दुनिया के विभिन्न भागों में कृषि कड़े जलवायु प्रभावों से दो-चार है. विगत में भी, कुछ भागों में अतिवृष्टि, बाढ़, भयंकर तूफानों व चक्रवातों की बढ़ती तादाद से कृषि को नुकसान पहुंचता रहा है तो विभिन्न अन्य क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा और भीषण अकाल जैसी स्थितियां रही हैं. कहने की जरूरत नहीं कि जलवायु प्रेरित मौसम के मिजाज का खेती पर संचयी हानिकारक प्रभाव पड़ा है. जबकि किसान जलवायु का प्रकोप सहन करता है, वहीं नीति नियंता इसको नहीं मानते या इन विनाशकारी प्रभावों को कभी-कभार की घटनाओं के रूप में लेते हैं. यह ऐसा लगता है, जैसे दीर्घकाल तक चिंता करने की कोई बात ही नहीं हो.जबकि सतत कृषि के बारे में बातें की जाती रही, कृषि-पारिस्थितिकीय खेती प्रणालियों पर पिछले कुछ सालों में ध्यान गया है. यहां लगता है कि आंध्र प्रदेश में प्रोत्साहित की गयी समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती प्रणालियां विश्व में कृषि-पारिस्थितिकी की सबसे बड़ी प्रयोगशाला के रूप में सामने आयी है और परिणामस्वरूप सामने मौजूद बेहद हानिकारक जलवायु संकट का स्थाई समाधान प्रदान करती है. ऐसा भी महसूस होता है कि जलवायु संकट का यह जो कृषि-पारिस्थितिकीय समाधान प्रदान करती है वह उम्मीद और संकल्पों से भरपूर है. यह सही वक्त है कि क्षेत्र-विशेष की अनुकूलताओं को ध्यान में रखकर, आंध्र प्रदेश का यह मॉडल पूरे देश में लागू किया जाये. जैसा कि यह लेखक प्रायः कहते हैं कि जो आठ लाख किसान पूरी तरह से रासायनिक कृषि से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख कर चुके हैं या करने की प्रक्रिया में हैं, वे कड़ी चुनौतियों से दो-चार होते हैं, जिन्हें प्रति वर्ष आने वाली खरीफ और रबी सीज़न की रिपोर्टों में उजागर किया जा चुका है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> मानवता के लिए गुलबेंकियन प्रतिष्ठित पुरस्कार इस बार दो अन्य अंतरराष्ट्रीय प्राप्तकर्ताओं के साथ ही आंध्र प्रदेश समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती यानी एपीसीएमएनएफ को प्रदान किया गया है. दरअसल, यह पुरस्कार उन जलवायु कार्यों और जलवायु समाधानों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है, जो उम्मीद और संभावनाओं को प्रेरित करते हैं.

हानिया की हत्या के बाद पश्चिम एशिया के हालात

• देशांतर

पुष्प रंजन

एक आम भारतीय विश्लेषक से पूछेंगे कि मुहम्मद दीफ़ कौन था? तो शायद वो न में सिर हिला दे. लेकिन गुरुवार को सुबह-सुबह इजराइली अख़बारों की हेडलाइन मुहम्मद दीफ़ के मारे जाने की खबर से सनसनी पैदा कर रही थी. हमास की एक सैन्य शाखा इज़दीन अल क़सम ब्रिगेड के प्रमुख मुहम्मद दीफ़ के मारे जाने की खबर को 13 जुलाई से दबाये रखने की ज़रूरत क्या थी? दीफ़ को 13 जुलाई, 2024 को खान यूनिस इलाके में निशाना बनाया गया था. सेना ने खान यूनिस के हमले में एक और हमास कमांडर राफा सलामेह की मौत की पुष्टि की, लेकिन तब 'आईडीएफ' ने कहा था कि उसके पास मुहम्मद दीफ़ के बारे में अंतिम जानकारी नहीं है. इस्माइल हानिया पर हमले से पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगर में मंगलवार को हिजबुल्लाह के एक शीर्ष कमांडर फौद शुक्र की मौत हो गई. इजराइल का कहना है कि वह गोलान हाइट्स के मजदल शम्स शहर में एक फुटबॉल मैदान पर मिसाइल हमले के लिए जिम्मेदार था, जिसमें 12 बच्चे मारे गए थे. हालांकि हिजबुल्लाह ने हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार किया है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि सभी संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि यह आतंकी समूह द्वारा किया गया था. गत 7 अक्तूबर, 2023 के हमले में इजराइली ख़ुफ़िया एजेंसियों का जो मोरल डाउन था, वह अब फिर से ऊंचा हो चुका है. फौद, दीफ़ और हानिया, इन तीनों के मारे जाने की खबर टाइमिंग देखिये. क्या यह सब इसलिए कि इजराइल की जासूसी संस्था 'शिन बेत', जिसे हिब्रू में 'शबाक' नाम से जाना जाता है, को श्रेय दिया जा सके? शिन बेत के साथ-साथ आईडीएफ (इजराइली डिफेंस फ़ोर्स) और प्रधानमंत्री नेतन्याहू की जय-जयकार इस समय पूरे देश में हो रही है. हिजबुल्लाह और हमास के वरिष्ठ अधिकारियों की हत्याओं की सफलता के बावजूद, 115 इजराइली बंधकों की रिहाई को लेकर सबकी सांसें थमी हुई हैं. ये लोग हमास द्वारा गाजा पट्टी में 300 दिनों से बंधक बनाए गए हैं, जिनका छूटना अब भी अनिश्चित-सा है. दीफ़ की मौत का उदारवादी 'यिसरेल बेयटेनू' के प्रमुख एविगडोर लिबरमैन ने भी स्वागत किया है, जिन्होंने ट्वीट किया कि '7 अक्तूबर, 2023 को यहूदियों का कत्लेआम, बलात्कार और अपहरण करने वाले उन घृणित आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह नहीं है, और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनमें से कोई भी प्राकृतिक मौत न मरे.' रक्षा मंत्री योआव गैलेंट का कहना है कि हमास के सैन्य कमांडर मुहम्मद दीफ़ की हत्या की पुष्टि आतंकवादी समूह के खात्मे की दिशा में एक 'बड़ा कदम' है. लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान हानिया और हिज़बुल्लाह नेता की मौत का बदला लेगा? ईरान के पश्चिमी मित्र सर्वोच्च नेता को सॉफ्ट करने में लगे हुए हैं. जो लोग हमास को क़रीब से जानते हैं, उनका दावा है कि हानिया सिर्फ हाथी के दांत जैसे प्रतीकात्मक व्यक्ति थे. हमास में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले व्यक्ति याह्या सिनवार हैं. डॉ. माइकल मिल्शटाइन, तेल अवीव विश्वविद्यालय के दयान केंद्र में फिलिस्तीनी अध्ययन मंच के प्रमुख हैं. उनका मानना है कि हानिया की मौत से हमास दबाव में है, लेकिन उसका सफाया एकदम से हो जाये, यह संभव नहीं. मिल्शटाइन ने कहा, 'सिनवार हानिया को तुच्छ समझते हैं. सिनवार अक्सर कहा करते थे, 'ये सैन्य अनुभव के बिना सूट पहने हुए लोग थे, जिन्होंने हमारी तरह जेल में कष्ट नहीं झेले.' मिल्शटाइन बोलते हैं, 'हानिया का बाहरी दुनिया के लोगों से मिलना-जुलना, बयानबाज़ी चलता रहता था, लेकिन हमास का रिमोट कंट्रोल सिनवार के पास था. हानिया वास्तव में वह व्यक्ति नहीं थे जो ज़मीनी लड़ाई निर्धारित करते थे. हमास में अंतिम निर्णय लेने वाला व्यक्ति याह्या सिनवार ही रहा है, हानिया नहीं.' हानिया का दबाव जिस तरह संगठन पर था, उससे सिनवार ने राहत की सांस ली होगी, ऐसा कुछ विश्लेषकों का मानना है. मिल्शटाइन बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता कि सिनवार ने शैंपेन का गिलास उठाया होगा, लेकिन उनके लिए काम करने का माहौल और भी आरामदायक हो गया. हानिया ने ज़िंदा रहते उनके लिए कोई चुनौती नहीं पेश की, लेकिन बाधा का अहसास बना रहता था. कल गाजा में एक पत्रकार से मेरी बातचीत हुई, जिसने कहा कि हत्या के बाद गाजा और दोहा के बीच की दरारें काफी बढ़ गई हैं; इस पर नज़र रखना आवश्यक है.' गाज़ा की लीडरशिप और उनके कमांडर क्या दोहा में निर्वासित हमास नेताओं को खटकते थे?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> हालांकि हिजबुल्लाह ने हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार किया है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि सभी संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि यह आतंकी समूह द्वारा किया गया था. गत 7 अक्तूबर, 2023 के हमले में इजराइली ख़ुफ़िया एजेंसियों का जो मोरल डाउन था, वह अब फिर से ऊंचा हो चुका है.

मीडिया में अन्यत्र

कुदरत के संदेश की अनदेखी अब और नहीं

अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए मशहूर केरल के वायनाड में इन दिनों तबाही और खौफ का मंजर पसरा हुआ है. यह नतीजा है पर्यावरण से खिलवाड़, हमारे अंतहीन लालच और चेतावनियों की अनदेखी का. लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 300 को पार कर गई है. राज्य सरकार कह रही है कि बचाव कार्य चंद दिनों में पूरा होने वाला नहीं. लेकिन, क्या इस सवाल का जवाब सरकार या किसी के भी पास है कि वायनाड में हमने जिन्हें खोया और जो गंवाया, उसकी जिम्मेदारी किस पर है? इसरो के हैदराबाद सेंटर ने प्रभावित इलाके की सैटलाइट तस्वीरें ली हैं. उसके मुताबिक 1,550 मीटर की ऊंचाई पर भारी बारिश के चलते भूस्खलन हुआ. पानी के साथ बड़े पैमाने पर मलबा आया, तो भूस्खलन का दायरा बढ़ता गया और यह करीब आठ किलोमीटर तक फैल गया. यह तो वह वजह है, जो चंद तस्वीरों से नजर आती है और तात्कालिक है. सारा दोष भारी बारिश पर मढ़ देने से काम नहीं चलेगा. केवल केरल ही नहीं, पूरा पश्चिमी घाट पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने 2022 में संसद में बताया था कि 2015 से 2022 के दरम्यान देशभर में 3,782 भूस्खलन दर्ज किए गए थे. इनमें से 59% से ज्यादा घटनाएं सिर्फ केरल में हुईं. देश के जिन 30 जिलों में लैंडस्लाइड का खतरा सबसे ज्यादा है, उनमें से 10 तो सिर्फ केरल में हैं. वायनाड यूं ही अचानक लैंडस्लाइड प्रोन एरिया नहीं बन गया. 2022 की एक स्टडी बताती है कि 1950 से 2018 के दौरान वायनाड में जंगल का एरिया 62% तक घट चुका है. हालांकि सरकार पौधारोपण करती है, लेकिन क्या रोपे गए पौधे सदियों से आबाद जंगलों की जगह ले सकते हैं? भारत सरकार ने साल 2011 में वेस्टर्न घाट इकॉलजी एक्सपर्ट पैनल गठित किया था. इस पैनल ने पश्चिमी घाट को इको-सेंसिटिव घोषित करने की सिफारिश की थी. साथ ही सुझाव दिया था कि पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर इस इलाके को जोन में बांटा जाए और उसके हिसाब से इंसानी गतिविधियों पर लगाम लगाई जाए. ये सिफारिशें फाइलों में ही पड़ी रहीं. क्षेत्र में बेहिसाब निर्माण होते रहे, खनन गतिविधियां चालू रहीं, जंगलों को काटा जाता रहा. वायनाड जैसी आपदाएं आती रहती हैं, लेकिन हम सबक सीखने को तैयार नहीं. सच है कि विकास का पैटर्न, आर्थिक गतिविधियों की दिशा बदलना आसान नहीं, लेकिन यह कठिन काम अब और टाला नहीं जा सकता. ये आपदाएं प्रकृति की ओर से भेजी जाने वाली गंभीर चेतावनी हैं, जिनकी अनदेखी सबके लिए घातक होगी.

(एनबीटी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अहंकार/अभिमान

हमको है अभिमान देश का, जिसके पांव पखारे सागर, गंगा भरे संवारे गागर, शोभित जिस पर स्वर्ग वही तो,शीश मुकट हिमवान देश का, हमको है अभिमान देश का. कवि ने इन पंक्तियों में अभिमान शब्द का प्रयोग किया है, न कि अहंकार का. अभिमान एक मनोवैज्ञानिक शब्द है, इसे अहंकार और घमंड के साथ जोड़ा जा सकता है. अहंकार एक मानसिक स्थिति है जिसमें हम अपने आपको अधिक महत्वपूर्ण, श्रेष्ठ और अलगवादी मानते हैं. घमंड एक ओझल व्यवहार है, जहां हम दूसरों को नीचा देखते हैं और अपने आप को उनसे ऊंचा मानते हैं. अभिमान का प्रादुर्भाव कई कारणों से हो सकता है. एक कारण व्यक्तिगत सफलता हो सकती है, जहां हम अपने आप को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं. ध्यान देने योग्य एक और कारण हो सकता है सामाजिक या पेशेवर मुकाबलों में दिखावा करना, जहां हम अपने बारे में अधिक गर्व करते हैं. पांच ऐसे शब्द हैं, जिनका अर्थ लगभग एक जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में उनके अर्थ में भिन्नता होती है. वे शब्द हैं अहंकार, दर्प, अभिमान, दंभ और गर्व. अब इनका अंतर इस प्रकार समझा जा सकता है. इन पांचों शब्दों में आत्मश्लाघा यानी अपने आपकी प्रशंसा के तत्व विद्यमान हैं. अहंकार वह चित्तवृत्ति है, जो तब पैदा होता है, जब व्यक्ति अपने गुणों को वास्तविकता से कुछ अधिक समझने लगता है. दूसरा है दर्प. यह जिस व्यक्ति में होता है तो इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति घमंड में ऐसा चूर है कि शिष्टाचार, नियमादि की चिंता नहीं करता. जब किसी व्यक्ति में अभिमान आ जाता है, तो वह सम्मान में स्वयं को बड़ा और दूसरों को छोटा समझने लगता है. अब आते हैं दंभ पर. दंभ उस चित्त वृत्ति का नाम है, जो अयोग्य व्यक्ति को इस भ्रम में डाले रखता है कि उससे अधिक काबिलियत किसी में नहीं हो सकती और इसी बात का उसे घमंड होता है. अयोग्य व्यक्ति में होनेवाला घमंड दंभ कहलाता है.

लाठी बिना नहीं चल सकती लोकतंत्र की गाड़ी

• तीर-तुक्का

नवेन्दु उन्मेष

लोकतंत्र में लोगों के विकास में लाठी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. यह सर्वसत्य है कि बगैर लाठी खाये कोई आगे नहीं बढ़ता है. आगे बढ़ने के लिए लाठी खानी ही पड़ती है. स्कूल में पढ़े, तब टीचर की छड़ी खाई. घर में रहे तो माता-पिता की छड़ी खाई. इससे जाहिर होता है कि लोकतंत्र में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिलेगा, जिसने अपने जीवन में लाठी या छड़ी नहीं खाई हो. चाहे वह नेता हो, अभिनेता हो, पुलिस या प्रशासन का अधिकारी कभी न कभी अपने जीवन में लाठी या छड़ी अवश्य खा चुके होते हैं. लोकतंत्र में लाठीतंत्र ही काम करती है. कोई भी आंदोलन हो लाठीधारी खड़े रहते हैं. अपने शहर में प्रधानमंत्री या अन्य मंत्री भी आते हैं तो चौक-चौराहे पर लाठीधारी खड़े कर दिये जाते हैं. नेता वोट के वक्त लोगों को तरह-तरह के आश्वासन देते हैं. लोभ और लालच देते हैं, जब सत्ता में आ जाते हैं तो उनकी खुद की जिंदगी लाठीतंत्र के सहारे चलती है. अगर जनता उनके द्वारा किये गये वादों की याद दिलाये या आंदोलन करे तो वहीं नेता जनता पर लाठी चलाने का आदेश देता है. लाठी चलाने वाले यह नहीं देखते कि कौन व्यक्ति देश में कितनी ऊंची कद का है. लाठी चलाने वालों ने तो महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण पर भी लाठी चलाई. राजनीतिक दल जब सत्ता से बाहर रहते हैं तो सरकार पर लाठी चलाने का आरोप लगाते हैं, लेकिन जैसे ही वे खुद सत्ता पर काबिज होते हैं, लाठी चलवाना शुरू कर देते हैं. लोकतंत्र में एक ओर बात देखने को मिल रहीं है कि अपने साथ लाठीधारी या बंदूकरधारी लेकर चलना गर्व की बात हो गयी है. ऐसी प्रतिष्ठा मिलने के बाद नेता जनसंपर्क वाले नहीं बल्कि जन से फर्क वाले हो जाते हैं. कई विधानसभाओं में भी जब माननीय उत्तेजित होकर माइक और कुर्सी-टेबुल पटकने लगे हैं तो उन्हें मार्शल के द्वारा कंधे पर उठाकर बाहर फेंकने की कार्रवाई की जाती है. जिसे आप लाठीतंत्र का ही एक दूसरा पहलू मान सकते हैं. मैं पत्रकार रहा. यह अलग बात है कि लाठीधारियों को पत्रकार बताने पर उनकी आगे की लाठी मुझपर नहीं चली. एक बार तो रांची के पत्रकारों को छोटानागपुर के तत्कालीन आईजी ललित विजय सिंह ने आश्वासन दिया था कि पत्रकारों को हेलमेट दिया जायेगा ताकि वे समाचार संकलन करते वक्त उसे पहनकर कार्य पर निकलें. यह अलग बात है कि पत्रकारों को कभी हेलमेट नहीं मिला और मैं भी बगैर हेलमेट के समाचार संकलन करता रहा. पहले लोग कहते थे कि लाठी से भूत भी भाग जाता है. ओझा-गुणी भी लाठी या झाड़ मारकर भूत भगाने का काम करते हैं. कई साधु महात्मा तो लाठी लेकर चलते हैं और लाठी सिर पर रखकर लोगों को आशीर्वाद भी दे देते हैं. बिहार के लोगों ने एक बार लाठी की महिमा को बखूबी पहचाना था इस लिए पटना के गांधी मैदान में तेल पिलावन, लाठी चलावन रैली का भी आयोजन किया था. जवानी में जितना चाहें लोग उछल-कूद कर लें लेकिन बुढ़ापे में लाठी का ही सहारा होता हैं. सार यही है-

पैंट शर्ट कुर्ता या बंडी या धोती या साड़ी.
लाठी बिना नहीं चल सकती लोकतंत्र की गाड़ी.

सावन विशेष

ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः

हिमकर श्याम

श्रावण मास अपना एक विशिष्ट महत्व रखता है. पूरा महीना ही उत्सव एवं आराधना का महीना होता है. इसे मासोत्तम मास कहा जाता है. चातुर्मास के अन्तर्गत होने के कारण वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय हो जाता है. श्रावण मास शिव जी को विशेष प्रिय है. यह शिव का ही सामयिक रूप है. भगवान शिव ने स्वयं कहा है-

द्वादशस्वपि मासेषु श्रावणो मेऽतिवल्लभः ।
श्रवणार्हं यन्माहात्म्यं तेनासौ श्रवणो मतः ॥
श्रवणर्क्षं पौर्णमास्यां ततोऽपि श्रावणः स्मृतः।
यस्य श्रवणमात्रेण सिद्धिदः श्रावणोऽप्यतः ॥

अर्थात् मासों में श्रावण मुझे अत्यंत प्रिय है. इसका माहात्म्य सुनने योग्य है अतः इसे श्रावण कहा जाता है. इस मास में श्रवण नक्षत्र युक्त पूर्णिमा होती है, इस कारण भी इसे श्रावण कहा जाता है. इसके माहात्म्य के श्रवण मात्र से यह सिद्धि प्रदान करने वाला है, इसलिए भी यह श्रावण संज्ञा वाला है.

शिव पुराण के अनुसार सावन मास में भगवान शिव और भगवती पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था. हिमालय की पुत्री पार्वती ने निराहार रह कर कठिन व्रत किया था और शिव को प्रसन्न कर उनसे विवाह किया. इसी समय से श्रावण मास भगवान शिव के लिए प्रिय माना जाने लगा. मार्कण्डेय ऋषि ने लम्बी आयु के लिए इसी माह में घोर तपस्या कर शिव को प्रसन्न किया. सावन में विशेष रूप से शिव पूजन की परम्परा है. महाभारत के अनुशासन पर्व में महर्षि अंगिरा का वचन है-

श्रावण नियतो मासमेकभक्तेन यः क्षिपेत् ।
यत्र तत्राभिषेकेण युज्यते ज्ञातिवर्धनः ।।

अर्थात "जो मन और इन्द्रियों को संयम में रख कर एक समय भोजन करते हुए श्रावण मास को बिताता है, वह विभिन्न तीर्थों में स्नान करने के पुण्य फल से युक्त होता है और अपने कुटुम्बजनों की वृद्धि करता है."

कण-कण शिवमय

सावन में प्रकृति का कण-कण शिवमय हो जाता है. सावन को मनोकामनाओं पूर्ण करनेवाला माह भी कहा जाता है. शिव मन्दिरों में श्रद्धालुजनों की विशेष भीड़ होती है, प्रत्येक सोमवार शिव भक्त व्रत रखते हैं तथा प्रतिदिन जलाभिषेक भी करते हैं. इस पावन माह में श्रद्धा से पूजा साधना करने से भगवान शिव इच्छाओं को पूर्ण कर देते हैं. यदि जीवन में शिवत्व प्राप्त करना है तो श्रावण मास से अधिक कोई भी सिद्ध मुहूर्त नहीं है. कहा गया है- 'शिवो भूत्वा शिवं यजेत्' अर्थात् शिव बनकर शिव की पूजा करें, तभी उनकी कृपा प्राप्त हो सकती है.

शिव का जलाभिषेक

सावन में शिव के जलाभिषेक का विशेष महत्व है. कहा गया है- अलंकार प्रिय विष्णु, अभिषेक प्रिय शिव. अर्थात् जिस प्रकार विष्णु अलंकारों से प्रसन्न होते हैं, उसी प्रकार कल्याणकारी शिव जलाभिषेक से विशेष रूप से प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं. इसीलिए शिव के जलाभिषेक की परंपरा है. भगवान शिव की जटाओं से बहती गंगा उनका दिन-रात अभिषेक करती रहती हैं. भगवान शिव स्वयं जल हैं. सावन मास में शिवलिंग पर जलाभिषेक जल की महत्ता को रेखांकित करता है. जिस पात्र में जल को भर कर लाया जाता है, उस पात्र को बड़ा सम्भाल कर लाया जाता है ताकि रास्ते में छलक न जाए. यह परंपरा मनुष्य को जल संरक्षण से जोड़ती है.

कांवड़ यात्रा का महत्व

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार. अर्थात ब्रह्म यानि परात्पर शिव, जो उनमें रमन करे वह कांवरिया. सावन माह में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है. कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए बम-बम भोले, हर-हर महादेव, बोल-बम जैसे जयकारे लगाते कांवड़ लटकाए मिलेंगे. कांवड़ बांस या लकड़ी से बना डंडा होता है. कांवड़िए गंगा या अन्य नदियों का जल कलश में भरते हैं. उसको कांवड़ पर बांध कर कंधों पर लटका कर शिवालय में लाते हैं और शिवलिंग पर अर्पित करते हैं. कांवड़ का कोई निश्चित इतिहास नहीं मिलता. कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने सबसे पहले कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी. एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्री राम ने कांवड़िया बनकर सुल्तानगंज से जल था लिया और देवघर स्थित बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था.

नीलकंठ महादेव

पौराणिक मान्यता है कि सावन माह में ही समुद्र मंथन किया गया था. मंथन के दौरान पयोनिधि के गर्भ से चौदह रत्न - लक्ष्मी, कामधेनु , उच्चैःश्रवा, चन्द्रमा, कौस्तुभ, कल्पवृक्ष, वारुणी, पारिजात, धन्वन्तरि, अमृत, ऐरावत, विष (प्राणघातक हलाहल) आदि मिले थे. यह घातक विष बहुत ज्यादा मात्रा में थे. सभी देवता डर गए कि अगर इतना विष बाहर निकला तो पूरी दुनिया नष्ट हो जाएगी और इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता था. तब भगवान शिव ने विष पीकर संपूर्ण सृष्टि की रक्षा की थी. नीला विष उनके कंठ में एकत्र हो गया जिसके कारण उन्हें नीलकंठ का नाम मिला. इस विष के कारण महादेव के शरीर का तापमान तीव्र गति से बढ़ने लगा. तब शंकर ने चंद्रमा को अपने शीश पर धारण कर शरीर को शीतल किया. तत्पश्चात् समस्त देवी देवताओं द्वारा उन पर जलवृष्टि कर उन्हें ठंडक प्रदान की गई. ऐसा माना जाता है कि तभी से शिव भक्तों द्वारा सावन के महीने में विभिन्न ज्योतिर्लिंगों और शिव मंदिरों में पवित्र जल से अभिषेक की परंपरा चली आ रही है.

शिव का अर्थ

शिव का अर्थ होता है- शुभ, भला. शंकर का अर्थ होता है- कल्याण करने वाला. पूरी सृष्टि ही शिव है. सृष्टि में मौजूद हर रचना में शिव है. शिव सबके प्रिय हैं और सब शिव के प्रिय हैं. दसों दिशाओं में वे एक समान पूजनीय हैं. शिव महापुराण में कहा गया है, "शिव - ये दो अक्षरोंवाला नाम के उच्चारण मात्र से मनुष्य समस्त पापों से मुक्त हो जाता है."

शिवेति द्वयक्षरं यस्य नृणां नाम गिरेरितम् ।
सकृत्प्रसङ्गात्सकलमधमाशु विहन्ति तत् ॥

कल्याणकारी सदाशिव का स्थान सभी देवताओं में सर्वोपरि है. इसलिए उन्हें देवों के देव महादेव कहा जाता है. ब्रह्मा और विष्णु के त्रिवर्ग में उनकी गिनती होती है. महादेव सर्वव्यापी और निराकार हैं. वे सृष्टि के संरक्षक हैं. शिव के बिना सृष्टि और प्रकृति की चर्चा अधूरी है. जहां प्रकृति (पार्वती) का उल्लेख हो वहां शिव का होना अनिवार्य है. पूजा, उपासना में भी शिव और उनकी शक्ति की ही प्रमुखता है. शिव-पार्वती को इस सृष्टि के माता- पिता के रूप में पूजा जाता है. 'जगतः पितरौ वंदे पार्वतीपरमेश्वरौ.' शिव को भोलेनाथ भी कहा जाता है. वे सरलता की मूर्ति हैं. शीघ्र प्रसन्न होते हैं और मनोकामना पूर्ण करते हैं. उनको एक लोटा जल चढ़ा देना पर्याप्त है.

राशि के अनुसार करें भोले बाबा का अभिषेक

आचार्य प्रणव मिश्रा

शिवलिंग की अभिषेक से मनोवांछित कामनाओं की पूर्ति होती है. शास्त्रों में इस बात का उल्लेख है कि राशि के अनुरुप शिव के अभिषक का अलग अलग तरीका है जिसे अपनाना कल्याणकारी है. आइए जानें कि किस राशि के जातक कैसे करें अभिषेक और क्या होगा इसका फल और विधान-

मेष राशि :- मेष राशि का स्वामी मंगल है. मंगल को भूमि पुत्र कहा जाता है. आप मिट्टी से निर्मित शिवलिंग पर अभिषेक करें. साथ ही अभिषेक पंचामृत से करनी चाहिए. पंचामृत का निर्माण गंगाजल, दूध, दही, शहद व घी को मिलाकर करना चाहिए. सोमवार के दिन शिव परिवार की पंचामृत से पूजा समस्त मनोकामना को पूर्ण करनेवाली है. साथ ही 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करना उत्तम फलदायी है.

वृष राशि :- इस राशि के स्वामी शुक्र हैं. भोलेनाथ का आशीर्वाद पाने के लिए 'ओम नमः शिवायः' मंत्र का जप करते हुए दूध से अभिषेक करें. आप दही या मिश्री के मिश्रण से भी शिवलिंग पर अभिषेक कर सकते हैं. दही से अभिषेक करने पर जातक को समस्त सुख की प्राप्ति होती है और जीवन की सभी समस्याओं का नाश होता है.

मिथुन राशि :- इस राशि के जातक "ॐ नमो भगवते रूद्राय" मंत्र का जप करते हुए फल और गन्ने के रस से किसी सिद्ध मंदिर में शिव का अभिषेक करें. रुद्र अष्ठ अध्यायी के पंचम अध्याय से अभिषेक विशेष लाभ देगा. मान्यता है कि श्रावण माह में प्रतिदिन गन्ने के रस से अभिषेक करने से भोलेनाथ जल्दी ही सारी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं.

कर्क राशि :- इस राशि के जातक चंद्र प्रधान होते हैं. आपको स्फ़टिक के शिवलिंग पर 'पंचाक्षरी मन्त्र' का जप करते हुए दूध में शक्कर मिलाकर अभिषेक करना चाहिए. इसके साथ ही रुद्राष्टक का पाठ करना भी शुभ होगा. इससे मन को शांति और शुभ कार्यों को करने की प्रेरणा मिलती है.

सिंह राशि :- इस राशि के जातक सूर्य से प्रभावित हैं. आप खुले में सूर्य की रोशनी में शिवलिंग निर्माण कर अभिषेक करें. कारोबार, परिवार, राजनीति या स्वास्थ्य को लेकर जो जातक परेशान हैं तो उन्हें जल में दूध, दही, गंगाजल व मिश्री मिलाकर 'ॐ जटाधराय नमः' मंत्र का जाप करते हुए अभिषेक करना चाहिए. रुद्र अष्ठ अध्यायी के प्रथम और दूसरे अध्याय का नियमित पाठ करना चाहिए.

कन्या राशि :- इस राशि के जातकों को दूध में घी मिलकर अभिषेक करना चाहिए. इसके साथ ही 'ऊं नमः शिवाय' मंत्र का जप करें. शीघ्र ही मनोकामनाएं पूर्ण होगी.

तुला राशि :- इस राशि के जातकों को पारद शिवलिंग पर घी, मिश्री मिले दूध से अभिषेक करना चाहिए एवं भगवान 'शिव के सहस्त्रनाम' का जाप करना चाहिए. इससे जीवन में सुख-समृद्धि तथा लक्ष्मी का आगमन होगा.

वृश्चिक राशि :- इस राशि के जातकों को चंद्रन से निर्मित शिवलिंग पर पंचामृत अथवा शहद युक्त जल से भगवान शिव जी का अभिषेक कर रूद्राष्टक का पाठ करने से कार्यों में सफलता मिलती है. 'ह्रीं ओम नमः शिवाय ह्रीं'. मंत्र का जप करना शुभ फलदायी है.

धनु राशि:- इस राशि के जातकों को हल्दी से निर्मित शिवलिंग पर दूध में हल्दी अथवा गंगाजल में केसर मिलाकर अभिषेक करना चाहिए. 'ॐ तत्पुरूषाय विद्महे महादेवाय धीमहि. तन्नो रूद्रः प्रचोदयात.' मन्त्र का जाप करना चाहिए.

मकर राशि :- इस राशि के जातकों को काला पत्थर का बना शिवलिंग पर भोलेशंकर का नारियल के पानी से अथवा गंगा जल में गुड़ मिला कर अभिषेक करना चाहिए. साथ ही 'ॐ नमः शिवाय' मन्त्र का जाप करना चाहिए.

कुंभ राशि :- इस राशि के जातकों को किसी सिद्ध जगह की मिट्टी या दीमक की मिट्टी से बने शिवलिंग पर नारियल के पानी, पंचामृत अथवा तिल के तेल से अभिषेक करना चाहिए. साथ ही 'शिवाष्टाक' का पाठ करना चाहिए. रुद्री का पाठ प्रतिदिन करें.

मीन राशि :- इस राशि के जातकों को सावन माह में केसर या ताम्बे के शिवलिंग पर केसर मिश्रित जल अथवा दूध से अभिषेक करना चाहिए. "ॐ तत्पुरूषाय विद्महे महादेवाय धीमहि। तन्नो रूद्र प्रचोदयात।"- इस मंत्र का जितना अधिक हो सके जप करें.

होते-होते टल जाता है विवाह तो भोले बाबा को अर्पित करें केसर युक्त दूध

दीपिका श्रीवास्तव

ऐसी मान्यता है कि सभी देवताओं में भगवान शिव को प्रसन्न करना अत्यन्त आसान है. सावन के दौरान शिव तक भक्तों की मनोकामना अधिक शीघ्र पहुंचती है. आइए, आज कुछ ऐसे उपाय की चर्चा करें जो भगवान शिव को प्रसन्न कर हमारे जीवन को खुशहाल बनाएंगे-

- सावन के महीने में प्रतिदिन शिवलिंग पर बिल्वपत्र अर्पण करने से मनोकामना पूरी होती है.
- सावन के दौरान शिवलिंग पर चावल अर्पित करने से धन प्राप्ति होती है.
- तीर्थ के जल से भगवान शिव का अभिषेक करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है.
- भगवान शिव को रुद्रभिषेक बहुत प्रिय है. सावन माह में रुद्रभिषेक अवश्य कराएं.
- यदि आपके विवाह में अड़चन आ रही है तो शिवलिंग पर केसर मिला दूध और धान का लावा अर्पित करें.
- गो दुग्ध तथा घी से भगवान शिव का अभिषेक करने से आरोग्यता आती है.
- यदि आप प्रेम विवाह करना चाहते हैं तो सावन में पूरे महीने शिवलिंग पर इत्र अर्पित करें.

- इत्र मिले जल से अभिषेक करने से बीमारी नष्ट होती है.
- सावन में पूरे महीने शिव मंदिर में भगवान शिव का जल से अभिषेक करें और काला तिल अर्पण करें इससे शांति मिलेगी तनाव दूर होगा.
- सावन में गरीबों को भोजन कराने से पित्तरों की आत्मा को शांति मिलती है.
- सावन के दौरान गन्ने का रस और गंगाजल मिला कर शिवलिंग पर अर्पित करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं.

12 साल में एक बार खिलता है

शिवलिंगी फूल

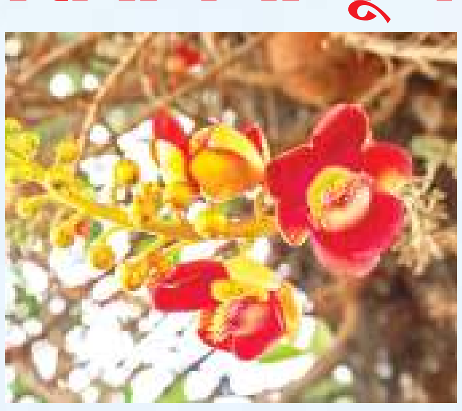

सावन के महीने में झारखंड खासतौर पर बाबा वैद्यनाथ और बासुकीनाथ के रंग में रंग जाता है. इसके साथ ही इन दिनों चर्चा होती है 'शिवलिंगी' फूल की. झारखंड की उपराजधानी दुमका के बासुकीनाथ मंदिर से सटे दारूक वन में यह खास फूल उगता है जो न केवल संरचना में खास है, बल्कि इस लिए भी खास इसलिए भी है कि ये फूल किसी नए पेड़ पर 12 साल के बाद ही खिलता है. मान्यता है कि इस फूल को चढ़ाने से भोले बाबा बहुत प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं.

इसलिए यह नाम

इस फूल को शिवलिंगी फूल इसलिए कहा जाता है क्यों कि यह शिवलिंग की आकृति की तरह दिखता है. शिवलिंगी फूल पौधा या झाड़ी में नहीं खिलता बल्कि इसके विशाल पेड़ होते है. जेष्ठ महीने से लेकर सावन महीने तक यह फूल खिलता है. सावन का महीना शिव का महीना माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि इस फूल को महादेव पर अर्पित करने से शिव अति प्रसन्न होते हैं.

यह है कथा

कहा जाता है कि यहां दारुक नामक राक्षस का वास था. दारुक राक्षस अपने साथ अपनी बगिया लेकर चलता था ताकि अपने आराध्य की पूजा में फूल की कमी ना हो. किंवदंती है कि दारुक ने एक शिव भक्त को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया. भक्त की पुकार सुनकर शिव बासुकीनाथ पहुंचे. शिव के आते ही दारुक इस स्थल को छोड़ कर समुद्र में निवास करने चला गया. उसकी बगिया बासुकीनाथ में ही रह गया. कालांतर में दारुक वन को शिव की बगिया कहा जाने लगा.

शिव मंदिर

सिडनी में महादेव को समर्पित एक मंदिर

नूपुर अशोक

ऑस्ट्रेलिया एक ऐसा देश है जिसमें कई देशों के कई धर्मों के मानने वाले लोग रहते हैं. इनमें भारतीय सनातन धर्म के अनुयायी भी बड़ी संख्या में हैं. इस कारण यहां कई मंदिर हैं जैसे – शक्ति मंदिर (टूंगाबी), मुरूगन मंदिर (मेज हिल), स्वामीनारायण मंदिर (ब्लैक टाउन और रोज़ हिल), श्री मंदिर (ऑबर्न), श्री स्वामीनारायण मंदिर (किंग्स पार्क), दुर्गा देवी देवस्थानम (रीजेंट पार्क), अयप्पा स्वामी मंदिर (वेंटवर्थ हिल), शिरडी साईं मंदिर (स्ट्रथफील्ड), इस्कॉन मंदिर (नॉर्थ सिडनी), वेंकटेश्वर मंदिर (हेलेन्सबर्ग), सीताराम मंदिर (विलावुड) इत्यादि. इन सभी मंदिरों में हिन्दू देवी-देवताओं के विग्रहों के साथ-साथ शिवलिंग भी हैं लेकिन यहां एक मंदिर ऐसा भी है जो महादेव शिव को ही समर्पित है.

12 ज्योतिर्लिंगों की प्राणप्रतिष्ठा

मिंटो नामक इलाके में स्थित इस श्री शिव मंदिर की प्रेरणा परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने अपनी 1990 की यात्रा के दौरान दी थी. इस मंदिर के लिए पांच एकड़ का एक परिसर स्थानीय भक्तों द्वारा दानस्वरूप दी गई राशि से खरीदा गया. एक भारतीय भक्त ने मंदिर के लिए भारत से शिवलिंग यहां भेजा. 1990 में प्रारम्भ हुए निर्माण कार्य में 1993 में कुछ बाधाएं आईं जिनसे यह तीन साल तक रुका रहा. 1996 में भक्तजनों के सहयोग से दुबारा निर्माण प्रारम्भ हुआ और यहां पूजा के अलावा कई अन्य धार्मिक कार्यों का आयोजन भी हुआ. 23 फरवरी 2003 को शिवलिंग की विधिपूर्वक प्राणप्रतिष्ठा की गई. 2016 में यहां 12 ज्योतिर्लिंगों की प्राणप्रतिष्ठा भी की गई. इस मंदिर परिसर में राधाकृष्ण, नवदुर्गा, नंदी, गणेश, राम दरबार तथा कई अन्य विग्रह भी हैं.

संस्कार होते पल्लिवत-पुष्पित

यहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना-आरती होती है और सभी मुख्य त्योहार मनाए जाते हैं. सत्संग और प्रवचनों का आयोजन भी होता है. बच्चों को यहां के कार्यकलापों में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास रहता है ताकि भावी पीढ़ी अपने धर्म और संस्कृति से परिचित हो सके. भारत के अलावा श्री लंका, नेपाल, फिजी, दक्षिण अफ्रीका इत्यादि कई देशों के भक्तगण भी यहां आते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

जूलियन अल्फ्रेड बनी पेरिस ओलंपिक की फर्राटा क्वीन

भाषा। सेंट डेनिस (फ्रांस)

सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड ने प्रबल दावेदार शाकैरी रिचर्डसन को पीछे छोड़कर महिलाओं की 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता और इस तरह से पेरिस ओलंपिक खेलों की फर्राटा क्वीन बनने का गौरव हासिल किया. अल्फ्रेड ने 10.72 सेकंड में दौड़ पूरी करके अपने देश को ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया. अमेरिका की रिचर्डसन 10.87 सेकंड का समय लेकर दूसरे जबकि अभ्यास में उनकी साथी मेलिसा जेफरसन 10.92 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं. सेंट लूसिया की एथलीट को जमैका की शेली एन फ्रेज़र प्राइस के सेमीफाइनल से ठीक पहले हट जाने का भी फायदा मिला. ओलंपिक में 100 मीटर की दौड़ सबसे प्रतिष्ठित दौड़ मानी जाती है.

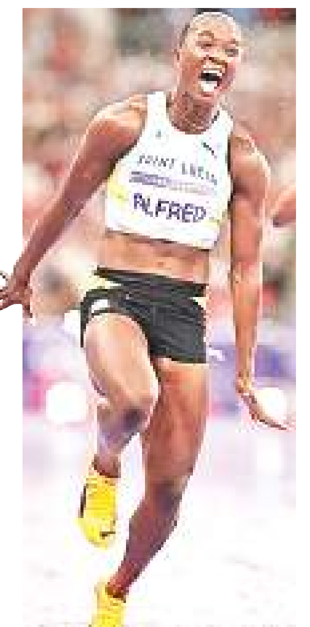

केटी लेडेस्की ने 800 फ्रीस्टाइल जीतकर रच दिया इतिहास

एजेंसी। नानटेरे (फ्रांस)

केटी लेडेस्की पेरिस ओलंपिक खेलों में महिलाओं की 800 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक जीत कर लगातार चार ओलंपिक खेलों में एक प्रतियोगिता को जीतने वाली दूसरी तैराक बन गई है. लेडेस्की का पेरिस ओलंपिक में यह दूसरा जबकि ओलंपिक खेलों में नौवां स्वर्ण पदक है. वह ओलंपिक में नौ या इससे अधिक स्वर्ण पदक जीतने वाली केवल छठी खिलाड़ी हैं. लेडेस्की ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में तैराक मार्क स्पिट्ज, ट्रैक स्टार कार्ल लुईस, सोवियत जिमनास्ट लारिसा लैटिनिना और फिनलैंड के धावक पावो नूरमी के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है. ओलंपिक में सर्वाधिक

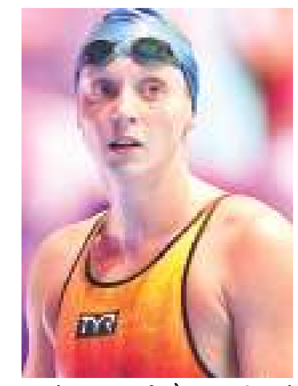

स्वर्ण पदक जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के तैराक माइकल फेल्प्स (23 स्वर्ण पदक) के नाम दर्ज है. लेडेस्की ने 800 मीटर फ्री स्टाइल में आठ मिनट 11.04 सेकंड का समय लेकर ऑस्ट्रेलिया की एरियान टिटमस को पीछे छोड़ा.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	17	12	9	38
2. अमेरिका	14	25	23	62
3. फ्रांस	12	14	16	42
4. ऑस्ट्रेलिया	12	8	7	27
5. ब्रिटेन	10	10	14	34
6. द. कोरिया	10	7	6	23
7. जापान	8	5	9	22
8. इटली	6	8	5	19
9. नीदरलैंड	6	4	4	14
10. जर्मनी	5	5	2	12
54. भारत	0	0	3	3

महेश्वरी, रेजा 14वें और 23वें स्थान पर रहीं

शेटराउ (फ्रांस)। भारतीय निशानेबाज महेश्वरी चौहान और रेजा ढिल्लों रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की महिला स्कीट स्पर्धा में क्रमशः 14वें और 23वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे. पांच सीरीज के क्वालीफिकेशन की अंतिम दो सीरीज रविवार को खेली गई, जिसके बाद महेश्वरी का कुल स्कोर 118 रहा. उन्होंने पांच सीरीज में 23, 24, 24, 25 और 22 अंक जुटाए. रेजा का कुल स्कोर 113 रहा। उन्होंने पांच सीरीज में 21, 22, 23, 23 और 24 अंक जुटाए. स्पर्धा में 29 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया जिनमें से शीर्ष छह ने फाइनल में जगह बनाई. इटली की 2016 रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता डायना बेकोसी भी फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं. वह 117 अंक के साथ 15वें स्थान पर रहीं. पहले दिन के क्वालीफिकेशन के बाद महेश्वरी तीन सीरीज में 23, 24 और 24 से 71 अंक जुटाकर आठवें स्थान पर चल रहीं थी और फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में थीं. रविवार को हालांकि चौथी सीरीज में पूरे 25 अंक जुटाने के बावजूद वह शीर्ष छह निशानेबाजों में जगह नहीं बना पाई.

पेरिस ओलंपिक : सेमीफाइनल में हारे भारतीय शटलर लक्ष्य सेन

लीड के बाद भी चूके लक्ष्य

भाषा। पेरिस

भारत के लक्ष्य सेन दोनों गेम में मजबूत बढ़त बनाने के बावजूद रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में डेनमार्क के दूसरे वरीय और गत चैंपियन विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ सीधे गेम में हार गए और अब कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेंगे. ओलंपिक सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य को रियो ओलंपिक के कांस्य और टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एक्सेलसन के खिलाफ 54 मिनट में 20-22, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा. दो बार के पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी एक्सेलसन के खिलाफ लक्ष्य की नौ मैचों में यह आठवीं हार है. दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य अब सोमवार को कांस्य पदक के मुकाबले में मलेशिया के सातवें वरीय ली जी जिया से भिड़ेंगे, जिन्हें थाईलैंड के आठवें वरीय कुनलावुत वितिदसार्न के खिलाफ एक अन्य सेमीफाइनल में 14-121, 15-21 से हार झेलनी पड़ी. फाइनल एक्सेलसन और वितिदसार्न के बीच होगा. लक्ष्य सेमीफाइनल में अहम मौकों पर दबाव झेलने में नाकाम रहे, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा. पहले गेम में उनके पास तीन गेम प्वाइंट थे लेकिन उन्होंने लगातार पांच अंक गंवाकर गेम भी गंवा दिया. दूसरे गेम में भी लक्ष्य ने 7-0 की बेहद मजबूत बढ़त बना रखी थी लेकिन इसके बाद डेनमार्क के खिलाड़ी ने अगले 28 में से 21 अंक जीतकर गेम और मैच अपने नाम कर लिया और ओलंपिक में लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया. लक्ष्य अब ली को हराकर ओलंपिक पदक जीतने वाला पहला भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बनने के इरादे से उतरेंगे. विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता 22 साल के लक्ष्य ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत की लेकिन गलतियां भी की जिससे एक्सेलसन ने कुछ आसान अंक जुटाकर 3-0 की बढ़त बनाई. एक्सेलसन ने अपनी लंबाई का फायदा उठाकर कोर्ट पर अच्छी कवरेज हासिल की जिससे लक्ष्य की परेशानी बढ़ी. भारतीय खिलाड़ी ने दमदार

स्मैश से कुछ अच्छे अंक जुटाए और 2-5 से पिछड़ने के बाद स्कोर 5-5 किया. उत्तराखंड के अल्मोड़ा के लक्ष्य ने क्रॉस कोर्ट स्मैश से 7-6 के स्कोर पर मैच में पहली बार बढ़त बनाई. एक्सेलसन को लक्ष्य के स्मैश के सामने लगातार परेशानी हो रही थी जिससे भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बनाने में सफल रहा. दबाव के बीच एक्सेलसन ने लगातार गलतियां की जिसका फायदा उठाकर लक्ष्य ने लगातार छह अंक के साथ 15-9 की मजबूत बढ़त बनाई.

एक्सेलसन ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 13-17 और फिर लगातार चार अंक के साथ 17-18 किया. लक्ष्य ने 19-17 के स्कोर पर क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ तीन गेम प्वाइंट हासिल किए. लक्ष्य ने दो शॉट बाहर मारकर तीनों गेम प्वाइंट गंवा दिए जिससे स्कोर 20-20 हो गया. लक्ष्य ने फिर बाहर शॉट बाहर मारकर एक्सेलसन को बढ़त दी और फिर नेट पर शॉट मारकर गेम 20-22 से गंवा दिया. भारतीय खिलाड़ी ने इस तरह अंतिम चार अंक अपनी गलती से गंवाकर 29 मिनट में गेम एक्सेलसन की झोली में डाला.

दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार शुरुआत करते हुए 7-0 की बढ़त बनाई. तीस साल के एक्सेलसन दूसरे गेम में थके हुए नजर आए जबकि लक्ष्य की तेजी बरकरार थी.

लवलीना बोरगोहेन हारी

पेरिस। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के रविवार को यहां चीन की ली कियान से क्वार्टर फाइनल में हारने से भारत का मौजूदा पेरिस खेलों में मुक्केबाजी

अभियान बिना पदक के समाप्त हो गया. इस वर्ग की मौजूदा विश्व चैम्पियन लवलीना (26 वर्ष) को कड़े मुकाबले में तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता 34 साल की ली कियान से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. इस दौरान दोनों मुक्केबाजों को बार-बार क्लिंचिंग और होल्ड करने के लिए चेतावनी दी गई.

श्रीजेश एक बार फिर भारतीय हॉकी की दीवार साबित हुए

10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए भारत ने ब्रिटेन को शूटआउट में हराया

- टोक्यो ओलंपिक में ब्रिटेन को ही हराकर टीम इंडिया अंतिम चार में पहुंची थी

भाषा। पेरिस

अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारतीय हॉकी की दीवार साबित हुए और 42 मिनट तक दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. तारीफ करनी होगी भारतीय डिफेंस की जिसने ब्रिटेन के हर हमले का बचाव करते हुए उसे बढ़त नहीं बनाने दी. ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और महज एक कामयाबी मिली. निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने पर मुकाबला शूटआउट में गया. शूटआउट में भारत के लिये कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल दागे जबकि इंग्लैंड के जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ही गोल कर सके. कोनोर विलियमसन का निशाना चूका और फिलिप रोपर का शॉट श्रीजेश ने बचाया. निर्धारित समय में भारत के लिए हरमनप्रीत ने 22वें और ली मोर्टन ने 27वें मिनट में गोल दागा था. रोहिदास को रेड कार्ड मिलने का ब्रिटेन ने फायदा उठाते हुए 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन गोल नहीं कर सके. भारत को जवाबी हमले में 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे हरमनप्रीत ने गोल में बदला. यह पेरिस ओलंपिक में उनका सातवां गोल था.

बेल्जियम पदक की दौड़ से बाहर: मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम पेरिस ओलंपिक की पुरूष हॉकी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में स्पेन से 2-3 से हारकर पदक की दौड़ से बाहर हो गया. बेल्जियम की एकमात्र टीम है जिसने पूल बी में भारत को हराया था.

हॉकी इंडिया ने चिंता जताई : हॉकी इंडिया ने आधिकारिक तौर पर चल रहे पेरिस ओलंपिक (पुरुष टूर्नामेंट) में अंपायरिंग और निर्णय लेने की गुणवत्ता के बारे में चिंता जताई है. शिकायत भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच एक महत्वपूर्ण मैच पर केंद्रित है, जहां अंपायरिंग में कई विसंगतियों ने संभावित रूप से खेल के नतीजे को प्रभावित किया.

मेरे आंसू रुके ही नहीं : पिल्लै

नयी दिल्ली। मेरे आंसू ही नहीं रुक रहे थे, बरसों बाद इतनी अच्छी हॉकी देखी और अब मुझे यकीन हो गया है कि यह टीम 44 साल बाद हमें ओलंपिक का स्वर्ण दिला सकती है, यह कहना है महान हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै का. भारतीय टीम ने दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में ब्रिटेन को 4-2 से हराया तो टीवी के सामने नजरें गड़ाये बैठे धनराज जैसे दिग्गज भी खुशी से उछल पड़े. चार ओलंपिक और चार विश्व कप खेल चुके धनराज ने भाषा से बातचीत में कहा, मेरी आंखों से आंसू अपने आप टपक गए. सिडनी ओलंपिक 2000 के बाद ऐसा मैच पहली बार देखा. श्रीजेश गोलपोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़ा था और जितने उसने बचाव किये हैं, वह चमत्कार से कम नहीं. मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे, मैच देखते समय.

शेली एन फ्रेजर चोट के कारण दौड़ से हटीं

सेंट डेनिस (फ्रांस)। ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता शेली एन फ्रेजर प्राइस अज्ञात चोट के कारण पेरिस ओलंपिक खेलों की इस स्पर्धा से हट गई हैं. जमैका की फ्रेजर प्राइस ने शनिवार को सेमीफाइनल से पहले हटने का फैसला किया. ओलंपिक अधिकारियों के अनुसार उनकी चोट अज्ञात है. टीम मैनेजर लुडलो वॉट्स ने जमैका ऑब्जर्वर से कहा, हमें केवल इतनी जानकारी मिली है कि वह चोटिल है। टीम का एक डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है. फ्रेज़र प्राइस ने बीजिंग ओलंपिक 2008 और लंदन ओलंपिक 2012 में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था. यह उनका पांचवां और अंतिम ओलंपिक होगा.

पारुल 3000 मीटर स्टीपलचेज हीट रेस में आठवें स्थान पर रहीं

भाषा। पेरिस

भारत का पेरिस ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में निराशाजनक प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा, जब राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पारुल चौधरी और जेसविन एल्ड्रिन क्रमशः महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ और पुरुषों की लंबी कूद में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे. पारुल ने अपनी हीट रेस में आठवें और कुल मिलाकर 21वें स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान समाप्त किया. ओलंपिक से पहले अमेरिका में पेरिस की अनुकूल परिस्थितियों में अभ्यास करने वाली 29 वर्षीय

पारुल ने नौ मिनट 23.39 सेकेंड में दूरी तय की, जो उनके इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. वह हालांकि अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड नौ मिनट 15.31 सेकंड से काफी पीछे रही, जो उन्होंने 2023 में विश्व चैंपियनशिप में बनाया था.

लिन यू-टिंग ने ओलंपिक पदक पक्का किया

विलेपिंटे (फ्रांस)। ताइवान की मुक्केबाज लिन यू-टिंग ने रविवार को पेरिस खेलों में उनके नाम के नारे लगाने वाली भीड़ के सामने अपना पहला ओलंपिक पदक जीता. इससे एक दिन पहले अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खेलीफ ने भी कई दिनों तक ऑनलाइन दुर्व्यवहार और उनकी भागीदारी को लेकर कड़ी जांच के बाद पदक हासिल किया था. लिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया की स्वेतलाना कामेनोवा स्टेनेवा को फैसले में हराया. सेमीफाइनल दौर में पहुंचकर उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया कि वह कम से कम कांस्य पदक जीतेंगी. लिन और खेलीफ लैंगिक पहचान और खेलों में नियमों को लेकर टकराव के केंद्र में रही हैं.

विवादित स्कोरिंग से हारे निशांत, उठे सवाल

- ओलंपिक कांस्य विजेता भारत के विजेंदर सिंह ने भी रिजल्ट पर आश्चर्य जताया

भाषा। नयी दिल्ली

मुक्केबाजी में विजेता का फैसला एक दूसरे पर घूंसों की बरसात से होता है लेकिन इसकी स्कोरिंग प्रणाली आज तक किसी को समझ में नहीं आई और ताजा उदाहरण पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव का क्वार्टर फाइनल मुकाबला है. निशांत 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में दो दौर में बढ़त बनाने के बाद मैक्सिको के मार्को वेरडे अलवारेज से 1-4 से हार गए तो सभी हैरान रह गए. निशांत का मामला पहला नहीं है और ना ही आखिरी होगा. निशांत के

हारने के बाद कल पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा, मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है लेकिन यह काफी करीबी मुकाबला था. उसने अच्छा खेला. कोई ना भाई .

सियोल ओलंपिक, 1988 : रोम ओलंपिक 1960 में कई अधिकारियों को एक बाउट में विवादित फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बाहर कर दिया. इसके बावजूद सियोल ओलंपिक में खुलेआम 'लूट' देखी गई जब अमेरिका के रॉय जोंस जूनियर ने कोरिया के पार्क सि हुन पर 71 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक के मुकाबले में 86 घूंसे बरसाये और सिर्फ 36 घूंसे खाये. इसके बावजूद कोरियाई मुक्केबाज को विजेता घोषित किया गया. जोंस बाद में विश्व चैम्पियन भी बने लेकिन उस हार को भुला नहीं सके.

1992 बार्सीलोना ओलंपिक में कम्प्यूटर स्कोरिंग : अमैच्योर मुक्केबाजी की विश्व नियामक इकाई ने लगातार हो रही आलोचना के बाद 1992 बार्सीलोना ओलंपिक में स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव किया.

रियो ओलंपिक 2016 में कोनलान ने निकाला गुस्सा : बेंटमवेट विश्व चैम्पियन कोनलान ने क्वार्टर फाइनल में पूरे समय दबदबा बनाये रखा लेकिन उन्हें विजेता घोषित नहीं किया गया. वह गुस्से में बरसते हुए रिंग से बाहर निकले. एआईबीए ने उन पर निलंबन भी लगा दिया था.

पहलवानों से आस | पेरिस ओलंपिक में कुश्ती प्रतियोगिता आज से, भारत के छह पहलवानों पर रहेगी नजर

विनेश सहित भारतीय पहलवानों को देनी होगी कड़ी परीक्षा

भाषा। पेरिस

भारत को अगर ओलंपिक खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में पदक जीतने का सिलसिला जारी रखना है तो फिर सोमवार से यहां शुरू होने वाले मुकाबलों में विनेश फोगाट सहित सभी छह पहलवानों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. भारत ने बीजिंग ओलंपिक 2008 से लेकर प्रत्येक ओलंपिक खेल में कुश्ती में पदक जरूर जीता है. ऐसे में सभी की निगाह अनुभवी पहलवान विनेश पर टिकी रहेंगी, जिनका पिछला कुछ समय उथल-पुथल में बीता है. विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में दो, राष्ट्रमंडल खेलों में तीन और एशियाई चैंपियनशिप में आठ पदक

जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक पदक नहीं जीत सकी है. ओलंपिक से पहले विनेश को अभ्यास का पर्याप्त मौका नहीं मिला. वह भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप को लेकर धरना प्रदर्शन करने वाली प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रही. विनेश की चुनौतियां यहीं पर समाप्त नहीं हुई. वह विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकी. अंतिम पंघाल ने उनके वजन वर्ग 53 किग्रा में कोटा हासिल कर दिया. इस कारण विनेश को 50 किग्रा वजन वर्ग में अपनी चुनौती पेश करनी पड़ रही है. वह गैर वरीयता प्राप्त है जिसका मतलब है कि उनका सफर आसान नहीं होगा.

विनेश के इस वजन वर्ग में कई दिग्गज पहलवान शामिल हैं जिनमें चार बार की विश्व चैंपियन युई सुसाकी, चार बार की ओलंपिक पदक विजेता मारिया स्टैडनिक, टोक्यो खेलों की कांस्य विजेता सारा हिल्डेब्रांट और दो बार की विश्व पदक विजेता डोलगोरजाविन ओटगोंजरगल प्रमुख हैं. अंशू मलिक (महिला 57 किग्रा) और अमन सहरावत (पुरुषों का 57 किग्रा) भी पदक के दावेदारों में शामिल हैं. अंशु की फिटनेस को लेकर हालांकि संदेह बना हुआ है क्योंकि अभ्यास के दौरान उनकी गर्दन में ऐंठन आ गई थी. अंतिम पंघाल की तैयारी भी अनुकूल नहीं रही हैं. उन्हें पिछले साल एशियाई खेलों के बाद प्रतियोगिताओं में किसी तरह की कड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है. पीठ की चोट के कारण वह इस साल मार्च में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाई थीं. भारत पहली बार महिलाओं के 76 किग्रा हैवीवेट वर्ग में चुनौती पेश करेगा, जिसमें रीतिका दांव लगाएगी. उन्हें पदक का दावेदार नहीं माना जा रहा है लेकिन वह छुपा रुस्तम साबित हो सकती है और अपने प्रदर्शन से लोगों को चौंका सकती है. ओलंपिक में चुनौती पेश कर रही भारत की एक अन्य पहलवान निशा दहिया के पास बहुत कम अनुभव है. वह महिलाओं के 68 किग्रा भार वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेगी.

ओलंपिक पदक जीतने तक संन्यास नहीं लूंगी : दीपिका

भाषा। पेरिस

लगातार चार ओलंपिक में विफल रही कई बार की विश्व कप पदक विजेता तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि वह पोडियम पर पहुंचने तक खेल को अलविदा नहीं कहेंगी और उन्हें लगता है कि चार साल बाद लॉस एंजिलिस में वह ऐसा करने में कामयाब रहेंगी. दीपिका खेलों के सबसे बड़े मंच पर दबाव भरे हालात में विफल रही हैं. उन्होंने यहां इंडिया हाउस में पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा, निश्चित रूप से मैं भविष्य में और खेलना चाहती हूं और अपना खेल जारी रखूंगी. मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं और जब तक मैं इसे हासिल नहीं कर लेती, तब तक मैं खेल नह छोड़ूंगी. मैं कड़ी मेहनत करूंगी और

मजबूती से वापसी करूंगी. दीपिका (30 साल) ने कहा, मैंने ओलंपिक से यही सीखा है कि देर से निशाना लगाना कारगर नहीं होता, आपके पास बड़ी गलतियों की गुंजाइश नहीं होती. आपको इस पर नियंत्रण रखना होता है. वह पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं. दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद खेल में वापसी की. राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता.

नालंदा में बाढ़ की स्थिति, सौ एकड़ फसल जलमग्न

संवाददाता। बिहारशरीफ

हिलसा अनुमंडल क्षेत्र के लोकाईन नदी में उफान आने से नालंदा में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है. बढ़ते जलस्तर से नदी किनारे तटबंध टूट गया है, जिससे तकरीबन 100 घर पानी से घिर गए हैं. हिलसा अनुमंडल क्षेत्र में 100 एकड़ खेतों में लगी धान की फसल नष्ट हो गई है. अनुमंडलीय एवं जिला जिला प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं. हिलसा अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीणों ने कहा कि बीते दो दिनों से लगातार बारिश होने के कारण लोकाईन नदी में उफान आ गया है. नदी का तटबंध भी टूट गया है और कई घरों में पानी भर गया है. इससे ग्रामीण को परेशानी का सामना पर रहा है. इस संबंध में जल संसाधन विभाग के जेई सुधांशु कुमार ने बताया कि बाढ़ की स्थिति देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर पहल की जा रही है. जल्द ही स्थिति नियंत्रण में कर ली जाएगी.

बाढ़ के पानी में डूबा बिहारशरीफ का एक गांव.

नालंदा में पोखर में डूबने से तीन वर्षीय मासूम की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के राहुई प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर गांव में शनिवार की देर शाम पोखर में डूबने से तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई. उसकी पहचान रघुनाथपुर गांव निवासी सुधांशु केवट के पुत्र सुजीत कुमार के रूप में की गई है. सूचना पर रहुई थानाध्यक्ष कुणाल कुमार मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की.

अलकायदा के नाम से आया ईमेल

सीएम कार्यालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी

संवाददाता। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना स्थित कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. सीएमओ के सरकारी ईमेल आईडी पर अलकायदा की ओर से यह धमकी भरा मेल भेजा गया है. एटीएस की टीम मामले की जांच कर रही है और संबंधित मेल आईडी के बारे में भी पता लगाया जा रहा है. दरअसल, बीते जुलाई माह की 16 तारीख को ही पटना स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय को उड़ाने की धमकी वाला मेल आया था जिसमें लिखा था-बिहार की स्पेशल पुलिस भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है. इसे हल्के में लेने की कोशिश न करें. सचिवालय थाने में मामला दर्ज किए जाने के बाद जांच शुरू हुई तो अलकायदा ग्रुप के नाम से धमकी देने की बात सामने आई. धमकी भरा यह मेल achw700@gmail.com आईडी से भेजा गया था. पुलिस ने 02 अगस्त को अज्ञात के खिलाफ खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 351 (4), (3) और 66 (एफ) आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है. बता दें कि इससे पहले पटना एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी.

ब्रीफ खबरें

वाहन चोर गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

नवादा। पुलिस ने रविवार को अंतर्जिला वाहन चोर के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है. साथ ही उनके पास से चोरी की नौ बाइक और एक ऑटो बरामद किया है. नवादा की सिरदला पुलिस ने विजयपुर, भट्टबीघा, चौली गांव और झगड़ी बिगहा गांव में छापेमारी कर इस गैंग का पर्दाफाश किया है. पुलिस के मुताबिक, सभी शातिर चोरी करने वाले वाहनों की पहले रेकी करते थे. इन वाहनों को दूसरे जिलों में ले जाकर अवैध कार्य में इस्तेमाल करते थे. गिरफ्तार आरोपितों में आशीष राजवंशी भी शामिल है.

205 ईंट निर्माताओं के खिलाफ वारंट

पूर्वी चंपारण। जिला प्रशासन ने वर्षों से सरकारी राशि दबाकर बैठे 205 ईंट निर्माताओं के विरुद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी किया है. प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई के चिमनी संचालक ईंट निर्माताओं में हड़कंप मचा हुआ है. जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी यशवंत एवं नीलाम पत्र के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन पदाधिकारी राजेश्वरी पांडे ने बताया कि डिफॉल्टर चिमनी संचालक यदि गिरफ्तारी से बचना चाहते हैं तो जिला खनन कार्यालय से संपर्क स्थापित कर और अविलंब बकाया राशि चालान के माध्यम से बैंक में जमा करें.

नालंदा में करंट लगने से किसान की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के अंगारी थाना क्षेत्र अंतर्गत रसलपुर गांव में बिजली के करंट लग जाने से किसान की मौत हो गई. मृतक की पहचान रसलपुर गांव निवासी विनोद प्रसाद के 37 साल के पुत्र मनीष रंजन बताया जाता है. घटना के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि खेत की सिंचाई के लिए रविवार की अहले सुबह गए थे, जहां बिजली के तार जोड़ने के क्रम में बिजली प्रवाहित करंट की संपर्क में आ गए जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई. घटना की सूचना अंगारी थाना पुलिस को दी गई. पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

सफलता : 50 हजार रुपये का इनामी था पिंकू यादव

शराब कांड का सरगना धराया

पुलिस की गिरफ्त में पिंकू यादव.

संवाददाता। नवादा

नवादा में 14 लोगों की जहरीली शराब से मौत के मामले में फरार 50 हजार रुपये के इनामी आरोपित पिंकू उर्फ चंदन यादव को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. पुलिस की इस सफलता पर लोगों ने नवादा के टाउन इंस्पेक्टर अविनाश कुमार को बधाई दी है. वर्ष 2021 में नवादा नगर थाने के गोंदपुर व बुधौली इलाके में आंख की रोशनी खत्म होने तथा दिमागी हालत खराब होने पर बड़ी संख्या में लोगों को नवादा सदर अस्पताल में दाखिल कराया गया था. इस दौरान 14 लोगों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई थी. जांच के बाद सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया था कि जहरीली शराब पीने से इनकी मौत हुई है.

तत्कालीन डीएम यशपाल मीणा तथा तत्कालीन एसपी धूरत सायली सबलराम ने इस मामले की सघन जांच करायी, तो पता चला कि गोंदापुर का पिंकू यादव उर्फ चंदन यादव शराब बनाकर इलाके में आपूर्ति करने का काम करता है. उसकी शराब पीने से लोगों की मौत हुई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन थाना प्रभारी तिवारी को निलंबित कर दिया गया था. तत्कालीन एसपी धूरत सायली तथा डीएम यशपाल मीणा के सख्त रवैया के कारण इस धंधे में शामिल अधिकांश अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था लेकिन पिंकू तब से फरार था, जिसे पुलिस ने नवादा जिले का रजौली थाना क्षेत्र के इलाके में गिरफ्तार कर लिया है.

दो तस्कर 10 करोड़ के चरस के साथ गिरफ्तार

चरस के साथ गिरफ्तार अपराधी.

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिले के दो तस्कर 10 करोड़ के चरस के साथ गिरफ्तार किये गये है. उक्त कार्रवाई यूपी-बिहार सीमा के बलथरी चेकपोस्ट पर गोपालगंज जिला के कुचायकोट थाना पुलिस ने की है. बताया गया कि गुप्त सूचना के बाद एनएच 27 पर पूर्वी चंपारण की ओर से आने वाले वाहनों की जांच शुरू की गई, इस दौरान दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर कार आती दिखाई दी. जब रोककर कार की तलाशी ली गई तो कार में बनाये गये तहखाने से 71. 140 किलो चरस बरामद किया गया,साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार तस्करों की पहचान पूर्वी चंपारण के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुदीश कुमार व पताही थाना क्षेत्र के परसौनी गांव के मंदीप कुमार के रूप में हुई है.पूछताछ में तस्करों ने बताया कि चरस नेपाल से दिल्ली लेकर जा रहा था.

बरामद चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ आंकी गई है. इसकी तहकीकात के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को भी सूचना दी गई है. गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात के अनुसार ड्रग्स तस्करी के इस पूरे नेटवर्क को खंगालने के लिए टीम का गठन किया गया है.

बच्ची को बेचने वाला तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिले में जीआरपी व आरपीएफ के सहयोग से एक मानव तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही चोरी कर बेचने ले जा रहे एक चार वर्षीय एक मासूम बच्ची को मुक्त कराया गया. मुक्त करायी गयी बच्ची जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के सिसवा पश्चिमी पंचायत की रहने वाली है. मिली जानकारी के अनुसार चार वर्षीय बच्ची अपने घर में सोई थी तभी शुक्रवार की देर रात लक्ष्मी प्रसाद उर्फ विक्की नामक मानव तस्कर ने उसे सोए हुए अवस्था में उठा लिया था. सुबह में परिजनो ने बच्ची को गायब देख कि बंजरिया थाना को सूचित किया.इसके बाद बंजरिया थाना की पुलिस ने तलाश के क्रम में इसकी सूचना रेल थाना को भी दी. जिसके बाद यह पता चला कि रक्सौल से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में एक व्यक्ति बच्ची को लेकर जा रहा है,बच्ची चिल्लाते हुए कह रही है,कि युवक उसका कोई नहीं है और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जा रहा है.

दोषी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए: मुकेश सहनी

पटना। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने अयोध्या में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी. सहनी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस जघन्य अपराध के लिए दोषी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए. उन्होंने अपने सोशल साइट फेसबुक और एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अयोध्या में बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना वास्तव में अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है. इस प्रकार के अपराधों के लिए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह की घटनाओं के बारे में सोच भी न सके.

बिहार में बदलाव के लिए काम कर रहे हैं : प्रशांत किशोर

संवाददाता। पटना

बापू सभागार में रविवार को चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने जन सुराज युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया. इस संवाद कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने अपनी आगे की रणनीति पर लोगों से संवाद किया. पीके ने कहा कि 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर कोई पार्टी नहीं बना रहे हैं, बल्कि बिहार के एक करोड़ लोग अपने बच्चों के भविष्य और लालू, नीतीश और भाजपा के 30 साल के शासन से मुक्ति के लिए एक पार्टी बना रहे हैं. उन्होंने कहा कि जन सुराज जब राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित हो जाएगा तब भी प्रशांत किशोर की भूमिका पहले जैसी ही है. यानी जैसे पहले में दल और नेताओं को सुझाव देता था. अब बिहार की जनता को सुझाव दे रहा हूं, उन्होंने कहा कि यह पहली बार होगा जब बिहार के एक करोड़ लोग एक साथ आकर एक पार्टी बनाएंगे.

पीके ने कहा कि हम बिहार में नए बदलाव के लिए काम कर रहे हैं. 2 अक्टूबर को नई पार्टी के गठन के पहले हमारे संगठन की बैठके होंगी. उसके बाद 1 करोड़ लोगों के साथ नए दल का गठन किया जाएगा.

कारोबार

मार्केट कैप : सेंसेक्स की शीर्ष 10 की ताजा स्थिति

आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.29 लाख करोड़ घटा

भाषा। नयी दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 1,28,913.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई. शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं. समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 37,971.83 करोड़ रुपये घटकर 15,49,626.88 करोड़ रुपये पर आ गया. सबसे अधिक नुकसान टीसीएस को ही हुआ. इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 23,811.88 करोड़ रुपये घटकर 7,56,250.47 करोड़ रुपये पर आ गया. आईटीसी का बाजार हैसियत 16,619.51 करोड़ रुपये घटकर 6,11,423.11 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 13,431.54 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 7,56,717.85 करोड़ रुपये रह गई. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मूल्यांकन 13,125.49 करोड़ रुपये घटकर 20,28,695.57 करोड़ रुपये पर आ गया. भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 11,821.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 8,50,389.88 करोड़ रुपये रहा. आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 7,843.75 करोड़ रुपये घटकर 8,42,176.78 करोड़ रुपये रह गई. हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,288 करोड़ रुपये घटकर 6,32,862.41 करोड़ रुपये पर आ गया. इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,759.37 करोड़ रुपये बढ़कर 12,63,601.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 1,075.25 करोड़ रुपये बढ़कर 7,47,677.98 करोड़ रुपये रहा. बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 350.77 अंक या 0.43 प्रतिशत नीचे आया. शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही. उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा.

आईआईएचएल ने आदेश नहीं माना : रिलायंस

नयी दिल्ली। कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आरकैप) के प्रशासक ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में एक हलफनामा दायर किया है. आरकैप ने इसमें आईआईएचएल पर गैर-अनुपालन का आरोप लगाते हुए कहा है कि हिंदुजा समूह की कंपनी न्यायाधिकरण के 23 जुलाई के आदेश में निर्धारित शर्तों को पूरा करने में विफल रही है. प्रशासक ने अपने हलफनामे में एनसीएलटी को सूचित किया कि भारत और विदेश में ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के निर्दिष्ट एस्क्रो (किसी तीसरे पक्ष के) खातों में 2,750 करोड़ रुपये जमा करने के बजाय इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) ने अपने स्वयं के खातों के साथ-साथ प्रवर्तकों के खातों में भी धन जमा कर दिया है.

कुछ महीनों में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा

ग्रेट निकोबार ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह की डीपीआर को मिला अंतिम रूप

भाषा। नयी दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में ग्रेट निकोबार द्वीप पर 41,000 करोड़ रुपये की लागत वाली अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को सरकार अंतिम रूप दे रही है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अगले कुछ महीनों में परियोजना का कार्यान्वयन शुरू होगा. ग्रेट निकोबार ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह परियोजना पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण जांच के दायरे में है. बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग सचिव टी के रामचंद्रन ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, इस परियोजना को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) से पर्यावरण संबंधी मंजूरी और स्वीकृति मिल गई है और अब इसके कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है. परियोजना के डीपीआर को भी अंतिम रूप दे दिया गया है और हम अगले कुछ महीनों में आगे इसका कार्यान्वयन शुरू करेंगे. पिछले साल बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि इस परियोजना के 41,000 करोड़ रुपये के निवेश से पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें सरकारी निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) दोनों शामिल हैं. मंत्रालय ने कहा, ग्रेट निकोबार द्वीप पर अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह परियोजना के लिए 11 कंपनियों ने रुचि पत्र प्रस्तुत किए हैं. इन कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड शामिल हैं.

विदेश पर्यटन पर खर्च 11% बढ़कर 55 अरब डॉलर होने का अनुमान

भाषा। नयी दिल्ली

भारत से विदेश जाने वाले पर्यटन पर खर्च 2024 के 18.82 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2034 में 55.39 अरब डॉलर होने का अनुमान है. नांगिया एनएसटी और फिक्की की संयुक्त रिपोर्ट नेविगेटिंग होराइजन्स में कहा गया कि पैकेज्ड टूर अब भी भारत के विदेशी पर्यटन पर हावी हैं. इसके मुताबिक, 2024 में इसकी हिस्सेदारी 39.20 प्रतिशत होगी. पर्यटक अधिक सुविधा और अनुकूलन के कारण पूर्व नियोजित टूर पैकेज को प्राथमिकता देते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय या शाकाहारी भोजन के विकल्पों की उपलब्धता के साथ ही विशिष्ट पर्यटन के बारे में जागरूकता के चलते आने वाले वर्षों में भारत से विदेश जाने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी. इसके अलावा खर्च योग्य आय में बढ़ोतरी, बढ़ते मध्यम वर्ग, वीजा पाने में आसानी और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों की इच्छा के चलते बाजार में मजबूत वृद्धि देखी गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि मिस्र, अजरबैजान और जॉर्जिया जैसे देश अधिक से अधिक भारतीयों को विदेश जाने के लिए आकर्षित कर रहे हैं. ऐसे गंतव्य अक्सर अधिक किफायती होते हैं.

जेएसडब्ल्यू ने पट्टा वापस करने का नोटिस सौंपा

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने आर्थिक रूप से अव्यावहारिक परिचालन का हवाला देते हुए ओडिशा में एक लौह अयस्क ब्लॉक के खनन पट्टे को वापस करने का नोटिस सौंपा है. जेएसडब्ल्यू स्टील ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि क्योंझर में जाजंग लौह अयस्क ब्लॉक सहित चार लौह अयस्क खनन पट्टों को उसने 2020 में नीलामी के जरिये हासिल किया था. कंपनी ने कहा, जेएसडब्ल्यू स्टील ने बिना मुनाफे के परिचालन के कारण, जाजंग लौह अयस्क ब्लॉक के खनन पट्टे को तीन अगस्त को वापस करने का नोटिस सौंपा है.

सीमेंट की मांग सात-आठ प्रतिशत बढ़ेगी

नयी दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष में सीमेंट की मांग सात से आठ प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है. अल्ट्राटेक सीमेंट ने हाल ही में जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि इस वृद्धि को देशभर में निर्माण गतिविधियों में बढ़ोतरी से मदद मिलेगी. आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ने कहा कि इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सीमेंट उद्योग में अगले वित्त वर्ष में 3.5 से चार करोड़ टन क्षमता बढ़ने का अनुमान है. मांग में इस वृद्धि से चालू वित्त वर्ष (2024-25) में उद्योग का क्षमता इस्तेमाल 72 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा.

एएआई ने 796 करोड़ रुपये खर्च किए

नयी दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 101 हवाई अड्डों के रखरखाव और मरम्मत पर कुल 796 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. यह राशि इससे पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है. आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. वित्त वर्ष 2021-22 से एएआई का हवाई अड्डों पर इन गतिविधियों को लेकर खर्च लगातार बढ़ रहा है. मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में यह राशि बढ़कर 795.72 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 में 663.42 करोड़ रुपये थी. 2021-22 में मरम्मत और रखरखाव कार्यों पर खर्च 535.02 करोड़ रुपये था.

शेयर समीक्षा रिजर्व बैंक के ब्याज दर के निर्णय पर टिकी है नजर

वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक बाजारों के रुख से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी. विश्लेषकों ने यह राय जताई है. विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे. सेवा क्षेत्र के एचएसबीसी पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) आंकड़ों की घोषणा सोमवार को होगी. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह सभी की निगाह वैश्विक बाजारों पर रहेगी. लंबे समय की स्थिरता के बाद अब बाजार में कमजोरी का कुछ संकेत दिखने लगा है. इससे भारतीय बाजार की मजबूती की परख होगी, जो तरलता की बेहतर स्थिति की वजह से अभी तक जुझारू बना हुआ है. मीणा ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर आठ अगस्त को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रहेगी. उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं. इसके अलावा संस्थागत प्रवाह भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा. सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, बीईएमएल, ओएनजीसी, एनएचपीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम और एमआरएफ जैसी बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आगे चलकर ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है. इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिदृश्य पर कुछ संकेत मिलेगा. फिलहाल केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है. पिछले सप्ताह बिकवाली दबाव के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुक्रवार को 885.60 अंक या 1.08 प्रतिशत गिरकर 80,981.95 अंक पर बंद हुआ था. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.20 अंक या 1.17 प्रतिशत फिसलकर 24,717.70 अंक रहा था. विश्लेषकों ने कहा कि बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख पर भी रहेगी.

श्रीलंका के साथ एफटीए में शुल्क रियायत मांगी

नयी दिल्ली। भारत एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत श्रीलंका से कारों, वाणिज्यिक वाहनों और मशीनरी सहित कई वस्तुओं पर सीमा शुल्क रियायत की मांग कर रहा है. एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच एफटीए पर बातचीत जारी है. भारत और श्रीलंका के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच 14वें दौर की वार्ता हाल ही में कोलंबो में संपन्न हुई. अधिकारी ने कहा कि भारत ने यहां से पेशेवरों के प्रवेश को और सुविधाजनक बनाने के लिए आसान वीजा मानदंडों की भी मांग की है. दोनों देशों के बीच वार्ता के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं और व्यापार के लिए, तकनीकी बाधाएं शामिल थीं.

विशेषज्ञों की राय : रेपो दर 6.5% पर रखेगा आरबीआई

आनेवाले महीनों में मौद्रिक नीति में ढील दी जा सकती है

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गुरुवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को एक बार फिर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रख सकता है. विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा है कि केंद्रीय बैंक दर में कटौती करने से पहले अधिक व्यापक आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकता है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने फिलहाल अपनी ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है और संकेत दिया है कि आने वाले महीनों में मौद्रिक नीति में ढील दी जा सकती है. विशेषज्ञों ने कहा कि महंगाई का दबाव बने रहने के बीच आरबीआई ब्याज दर पर अपना रुख बदलने से पहले अमेरिकी मौद्रिक नीति पर बारीकी से नजर रखेगा. मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) भी दर में कटौती से परहेज कर सकती है, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति अब भी ऊंची है. यह रेपो दर 6.5 प्रतिशत (रेपो दर) तक बढ़ा दी गई हो, आर्थिक वृद्धि अच्छी है. रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी की बैठक 6-8 अगस्त के बीच होनी है. दास आठ अगस्त (गुरुवार) को दर निर्धारण समिति के फैसले की घोषणा करेंगे. बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, हमें उम्मीद है कि आगामी नीतिगत समीक्षा में आरबीआई यथास्थिति बनाए रखेगा.

ब्रीफ खबरें

जंगली भालू के हमले में एक व्यक्ति की मौत

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के जिले में रविवार को जंगली भालू के हमले में 28 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह घटना बदरौदी गांव के पास सुबह उस दौरान हुई जब पीड़ित छब्बल, घासीराम (45) और संतलाल (42) वन में लकड़ियां एकत्र करने गए थे. तीनों ने उसका मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन भालू ने छब्बललाल पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई जबकि घासीराम और संतलाल गंभीर रूप से घायल हो गए.'

यूक्रेन ने रूस के क्षेत्रों में किया ड्रोन से हमला

मॉस्को। यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस के कई क्षेत्रों पर ड्रोन से हमला किया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ने अनेक क्षेत्रों में 75 ड्रोन को 'बीच में भी नष्ट' कर दिया. ये ड्रोन बेलगोरोड, क्रास्नोडार, कुर्स्क, ओर्योल, रोस्तोव, वोरोनिश और रियाजान सहित कई क्षेत्रों में दागे गए जो यूक्रेन की सीमा से लगते इलाके हैं. बयान में कहा गया कि इनमें से एक ड्रोन को आजोव सागर पर मार गिराया गया. मंत्रालय के अनुसार, रूस के रोस्तोव क्षेत्र में 36 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया.

अखिलेश का अदालत से संज्ञान लेने का आग्रह

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को अदालत से अनुरोध किया कि वह अयोध्या में नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुषकर्मा मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए इसका स्वतः संज्ञान ले और अपनी निगरानी में दुष्कर्म पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित कराए. उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि 'कांग्रेस के मोहरा' अखिलेश यादव इस मामले में न्यायालय की बात कर गुमराह न करें.

वडोदरा की सड़कों पर पहुंच रहे मगरमच्छ

अहमदाबाद। गुजरात के वडोदरा शहर में विश्वामित्री नदी से निकलकर मगरमच्छों के आवासीय इलाकों में घुसने की समस्या हर साल की तरह इस साल भी देखने को मिल रही है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पिछले महीने आवासीय इलाकों में पहुंचे 21 मगरमच्छों को पानी में छोड़ा गया. अधिकारी ने बताया कि नदी का 17 किलोमीटर हिस्सा वडोदरा से होकर गुजरता है. इसमें 300 मगरमच्छ रहते हैं जिसके कारण किनारे के इलाकों में अक्सर ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं.

बांध से पानी छोड़े जाने पर सेना से मदद मांगी

पुणे। खडकवासला बांध से रविवार को अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद महाराष्ट्र के पुणे में जलमग्न आवासीय क्षेत्र में सेना के जवानों को तैनात किया गया. एक अधिकारी ने बताया कि राहतकार्य के दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने एकता नगर इलाके में स्थित सोसाइटी से कुछ सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है. सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक पखवाड़े में भारी बारिश के बाद रविवार को पुणे जिले के खडकवासला बांध से 35,000 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) पानी छोड़ा गया.

मर्सीसाइड में तीन छोटी बच्चियों की हत्या के बाद कई शहरों में भड़की धुर दक्षिणपंथियों की हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल

ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी और समर्थकों के बीच टकराव, 90 गिरफ्तार

जवाब में फ़ासीवादी विरोधी प्रदर्शनकारी भी सड़क पर उतरे एकता व सहिष्णुता की अपील की

13 साल में यह सबसे बड़ा दंगा, विपक्ष के निशाने पर आए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

मर्सीसाइड में मशहूर सिंगर टेलर स्विफ़्ट की थीम वाली डांस पार्टी में तीन छोटी बच्चियों की हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में प्रवासी विरोधी धुर दक्षिणपंथी प्रदर्शकारियों की हिंसा के दौरान 90 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है. शनिवार को हिंसक प्रदर्शन के दौरान लीवरपूल, हल, ब्रिस्टल, मैनचेस्टर, ब्लैकपूल और बेलफास्ट में बोतलें फेंकी गईं. दुकानें लूटी गईं और पुलिस अफ़सरों पर हमले हुए. यह 13 साल में सबसे बड़ा दंगा बताया जा रहा है, जिसको लेकर प्रधानमंत्री विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं. शैडो गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली ने प्रधानमंत्री स्टार्मर और गृह मंत्री से कहा है कि वो 'क़ानून व्यवस्था दोबारा स्थापित करने के लिए और प्रयास करें और बदमाशों को साफ़ संदेश दें.' वहीं प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने कहा है कि नफ़रत पैदा करने वाले ''अतिवादियों'' के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को सरकार का पूरा समर्थन है. हिंसक प्रदर्शन के दौरान लीवरपूल में पुलिस पर ईंटें, बोतलें और फ्लेयर फेंके गए. एक पुलिस अफ़सर पर कुर्सी से हमला किया गया जिसमें उसके सिर पर चोट आई है. एक और पुलिस अफ़सर को लात मारकर मोटसाइकिल से गिरा दिया. हिंसक प्रदर्शन के जवाब में लीवरपूल के लाइम स्ट्रीट स्टेशन में लंच टाइम के दौरान कुछ सौ फ़ासीवादी विरोधी प्रदर्शनकारी जमा हुए और एकता और सहिष्णुता की अपील करने लगे. वो नारे लगा रहा थे- 'शरणार्थियों का यहां स्वागत है.' 'नाज़ी गंदगियों हमारी सड़कों से चले जाओ.' वो शहर की नदी के किनारे जमा आप्रवास विरोधी प्रदर्शनकारियों से मुक़ाबला करने के लिए बढ़ गए. वहां जमा एक हज़ार लोग इस्लाम के विरोध में अपशब्द कह रहे थे.

पुलिस को दोनों पक्षों की भिड़ंत को रोकने के लिए खासी मशक्क़त करनी पड़ी

पुलिस को दोनों पक्षों के लोगों को काबू करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाना पड़ा. प्रदर्शन और अशांति का ये सिलसिला रविवार को सुबह में भी कुछ देर तक जारी रहा. इस दौरान पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए. रॉदरहैम में हॉलिडे इन एक्सप्रेस के बाहर एक प्रदर्शनकारी ने पुलिस अधिकारियों पर आग बुझाने वाले यंत्र का इस्तेमाल किया. पुलिस दंगों के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले साज़ो-सामान के साथ मौजूद थी. मर्सीसाइड पुलिस ने इस बात की पुष्टि की कि 'गंभीर अव्यवस्था' के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं. इनमें से दो को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. शनिवार को सरकार के मंत्रियों की एक बैठक में प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर के एक प्रवक्ता ने कहा कि पीएम ने कहा है, ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार और हमने जो हिंसक अव्यवस्था देखी है, उनमें काफी अंतर है.'' उन्होंने कहा, ''किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. सरकार सड़कों को सुरक्षित करने के लिए सभी ज़रूरी कार्रवाइयां का समर्थन करती है.'' गृह मंत्री यिवेत कूपर ने कहा, "ब्रिटेन की सड़कों पर आपराधिक हिंसा और अव्यवस्था के लिए कोई जगह नहीं है." उन्होंने कहा कि इस तरह की बदमाशियों के ख़िलाफ़ पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है.

वेस्ट बैंक और गाजा में इजराइल के हमलों में नौ चरमपंथियों सहित 27 की मौत

मध्य पूर्व में चरम पर पहुंचा तनाव

एजेंसी। तेल अवीव/जेइटा (वेस्ट बैंक)

इजराइल की ओर से शनिवार और रविवार तड़के वेस्ट बैंक और गाजा में किये गये हमलों में नौ चरमपंथियों सहित 27 लोगों की मौत हो गई. वहीं, इजराइल के तेल अवीव के उपनगर में एक फलस्तीनी ने दो लोगों की चाकू घोंपकर हत्या कर दी. इजराइल और हमास के बीच लगभग 10 महीने से जारी युद्ध तथा बुधवार को तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनिया और मंगलवार को बेरूत में हिजबुल्लाह कमांडर फौद शुकूर की हत्या के बाद से क्षेत्र में जारी तनाव के युद्ध में बदलने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि ईरान और उसके सहयोगियों ने इस हमले का करारा जवाब देने की धमकी दी है. पुलिस ने बताया कि तेल अवीव के उपनगर में एक फलस्तीनी आतंकवादी ने यह हमला किया था. फलस्तीनी आतंकी द्वारा चाकू से किए गए हमले में 70 वर्षीय एक महिला और 80 वर्षीय एक पुरुष की मौत हो गई जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए हैं. वहीं गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल द्वारा रविवार को गाजा के अल-अक्सा शहीद अस्पताल परिसर के अंदर विस्थापित लोगों के लिए बने शिविर में किए गए हमले में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई. दीर अल-बलाह के पास एक घर पर हमले में एक बच्ची और उसके माता-पिता की मौत हो गई. उत्तरी गाजा में हुए एक अन्य हमले में एक घर पूरी तरह नष्ट हो गया जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं. गाजा शहर में एक वाहन पर हुए हमले में तीन अन्य लोगों की जान चली गई.

इजरायल ने हिजबुल्लाह के बड़े हमलों को किया नाकाम

मिडिल-ईस्ट में जारी तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है. लेबनान की ओर से इजरायल पर 30 से ज्यादा रॉकेट दागे गए, जिनमें से अधिकांश को इजरायली सेना की आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली के जरिए रोका गया. इजरायली डिफेंस फोर्स ने कहा कि एक प्रोजेक्टाइल बीट हिलेल क्षेत्र में गिरा. वहीं बाकी खुले इलाकों में गिरे हैं. इजरायली सेना ने तुरंत इस हमले का जवाब दिया और उसने हिजबुल्लाह के उस लॉन्चर पर हमला किया, जहां से यह रॉकेट दागे गए थे. इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. हालांकि बीट हिलेल के मोशाव में आग लग गई. एपी

इजराइली हमले में वेस्ट बैंक में नौ चरमपंथी ढेर

वहीं इजराइल के दो हवाई हमलों में वेस्ट बैंक में शनिवार को नौ फलस्तीनी चरमपंथी मारे गए. इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी. इजराइली सेना ने कहा कि शनिवार सुबह उसके सैनिकों ने उत्तरी वेस्ट बैंक में तुलकरम शहर के बाहर एक ग्रामीण इलाके में एक वाहन पर हमला किया, जिसमें पांच लोग मारे गए. हमास ने सभी पांचों की पहचान समूह के सदस्यों के रूप में की है, जिनमें एक स्थानीय कमांडर भी शामिल है. 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक पत्रकार और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हमला फलस्तीन के जेइटा और कफिन गांव को जोड़ने वाली सड़क पर किया गया. स्थानीय निवासी तैसर अब्दुल्ला ने कहा, 'हम घटनास्थल पर पहुंचे. वहां एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया. उसका आधा चेहरा गायब था.' फलस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'वफ़ा' ने कहा कि चार शव बुरी तरह से जले हुए हैं और उनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है. इजराइली सेना ने इससे पहले शनिवार को कहा कि उसने तुलकरम क्षेत्र में इजराइली सैनिकों पर गोलीबारी की घटना के कुछ ही समय बाद चार अन्य फलस्तीनी चरमपंथियों को मार गिराया.

अदन की खाड़ी से गुजरते जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक मालवाहक जहाज पर शनिवार देर रात मिसाइल हमला कर दिया. अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह इजराइल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनिया को निशाना बनाए जाने के बाद समूह का संभवतः पहला हमला है. हनिया को हूती विद्रोहियों का मुख्य वित्त पोषक माना जाता था. हालांकि, हूती विद्रोहियों ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है. हूती विद्रोहियों ने लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले जहाजों पर अपने हमलों में दो हफ्ते के विराम का कोई कारण नहीं बताया है. पिछले साल नवंबर में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के हमले में इसी तरह का विराम देखने को मिला था. अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हमला तेहरान में इजराइल के संदिग्ध हवाई हमले में हमास नेता हनिया की मौत के बाद हुआ है. अधिकारियों ने बताया कि हमला अदन से लगभग 225 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अदन की खाड़ी के उस हिस्से में हुआ, जहां हूती विद्रोही पहले भी कई जहाजों को निशाना बना चुके हैं. ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर (यूकेएमटीओ)' के बयान के मुताबिक, जहाज पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जहाज को एक मिसाइल से निशाना गया, लेकिन इससे "आग लगने, पानी भरने या तेल का रिसाव होने की कोई सूचना नहीं है." यूकेएमटीओ पश्चिम एशिया में हमलों की जानकारी उपलब्ध कराता है. उसने मिसाइल हमले के शिकार जहाज का कोई विवरण साझा नहीं किया.

मध्य प्रदेश में भारी बारिश में गिरी दीवार, 9 बच्चों की मौत

- चल रहा था धार्मिक कार्यक्रम तभी हुआ हादसा, दो अन्य लोग घायल
- सीएम मोहन यादव ने की 4-4 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के सागर जिले के एक गांव में रविवार सुबह एक जर्जर मकान की दीवार ढह जाने से पास में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल नौ बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि सागर में आफत की बरसात हो रही है. बीते 24 घंटों के दौरान 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई. कलेक्टर दीपक आर्य ने दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत का कारण भी बारिश बताया गया है. बच्चों की मौत मामले में अधिकारियों पर गाज गिर सकती है.

सागर के मंडल आयुक्त वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि अब तक मिली सूचना के अनुसार, शाहपुर गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दीवार ढहने की घटना में 10 से 15 साल के नौ बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. रावत ने कहा कि जिला अधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर दुख व्यक्ति किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. भाजपा के स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने संवाददाताओं को बताया कि जर्जर मकान के पास एक टेंट में पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था. उन्होंने बताया कि मकान की दीवार टेंट के ऊपर गिर गई, जिससे मिट्टी के शिवलिंग के निर्माण के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल कई बच्चे मलबे के नीचे दब गए.

भार्गव ने कहा कि घटना में जान गंवाले कई बच्चे अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे. जिलाधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि बच्चे मंदिर के पास लगाए गए टेंट में बैठे हुए थे, तभी बारिश के कारण जर्जर मकान की दीवार ढह गई. उन्होंने बताया कि हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य ने अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. आर्य के अनुसार, हादसे में घायल दो बच्चों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है. दोनों खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं.

छत्तीसगढ़ : मकान ढहने से दंपति की मौत, बेटा घायल

एजेंसी। गौरेला

छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में लगातार जारी भारी बारिश के कारण कच्चे मकान का एक हिस्सा ढह जाने से उसमें सो रहे दंपति की रविवार तड़के मौत हो गई, जबकि उनका बेटा घायल हो गया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले में लगातार जारी बारिश के कारण पेंड्रा थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में एक कच्चे मकान का एक हिस्सा उस समय ढह गया, जब परिवार सो रहा था. अधिकारी के मुताबिक, घटना में दिनेश वाकरे और उसकी पत्नी शारदा की मौत हो गई, जबकि दोनों के आठ वर्षीय बेटे को चोटें आईं. अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और दोनों शव को मलबे से बाहर निकाला. उन्होंने कहा कि घायल लड़के को गौरेला के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारी के अनुसार, घटना की जांच की जा रही है.

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात हुई भीषण सड़क दुर्घटना, 25 लोग हुए घायल

कार से टकराकर पलटी बस, सात की मौत

एजेंसी। इटावा

- नगालैंड के नंबर वाली एक डबल डेकर बस रायबरेली से दिल्ली जा रही थी

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर एक डबल डेकर बस के शनिवार देर रात गलत दिशा से आ रही कार से टकराने के बाद खंदक में पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि तीन/चार अगस्त की दरमियानी रात को करीब पौने एक बजे नगालैंड के नंबर वाली एक डबल डेकर बस रायबरेली से दिल्ली जा रही थी, तभी वह रास्ते में इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 129 के पास सामने से आ रही कार से टकरा गई. बताया जा रहा है कि कार में सवार परिवार राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन के बाद कन्नौज के तालग्राम में अपने घर लौट रहा था. वर्मा के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि कार चालक को नींद आ गई और गलत लेन में दाखिल होने के कारण उसकी गाड़ी सामने से आ रही बस से टकरा गई. उन्होंने बताया कि टक्कर से अनियंत्रित हुई बस सड़क के किनारे खंदक (गहरा गड्ढा) में जा गिरी. वर्मा के मुताबिक, इस हादसे में कार सवार मोनू (25), उसकी मां चंदा देवी (52) और प्रद्युम्न (24) तथा बस सवार ओमप्रकाश (50) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. उन्होंने बताया कि पुलिस तीन अज्ञात शवों की शिनाख्त की कोशिश कर रही है.

वायनाड त्रासदी

मदद के लिए बढ़ने लगे हाथ

- विपक्ष सहायता के लिए आगे आया यूडीएफ विधायक मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे एक महीने का वेतन
- अल्लू अर्जुन ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए केरल मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये दिये
- चिरंजीवी ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की

एजेंसी। कोच्चि/मुंबई/हैराबाद

भूस्खलन से तबाह हुए वायनाड में पुनर्निर्माण कार्यों के लिए केरल सरकार को अपना पूरा सहयोग देते हुए कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने रविवार को घोषणा की कि उसके सभी विधायक मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में एक माह का वेतन देंगे. विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि यूडीएफ सभी पुनर्वास प्रयासों में भाग लेगा और जिंदा बचे लोगों के जीवन को पटरी पर लाने की दिशा में काम करेगा. कांग्रेस की 100 मकान बनाने की पेशकश के अलावा यूडीएफ में उसकी बड़ी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भी पुनर्वास पैकेज की घोषणा की है.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से 100 मकान बनाये जाने की घोषणा की थी. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने भी घोषणा की थी कि विधानसभा और संसद के उसके सदस्य एक महीने की तनख्वाह सीएमडीआरएफ में देंगे. वहीं तेलुगू फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन ने केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले से सुरक्षित बचाये गए लोगों के पुनर्वास प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में 25 लाख रुपये दिए हैं. मेगास्टार चिरंजीवी और उनके अभिनेता पुत्र रामचरण ('आरआरआर' फेम) ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन के पीड़ितों की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये का योगदान देने की रविवार को घोषणा की. तमिल अभिनेता कमल हासन, सूर्या, ज्योतिका, कार्थी, विक्रम, नयनतारा और विग्नेश शिवन और अन्य मलयालम सितारों ममूटी, दुलकर सलमान, फहद फासिल, नाजरिया और टोविनो थॉमस ने भी मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में दान दिया है. हासन ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 25 लाख रुपये, ज्योतिका, सूर्या और कार्थी ने मिलकर 50 लाख रुपये दान किए हैं. ममूटी ने 20 लाख रुपये, दुलकर ने 15 लाख रुपये और टोविनो ने 25 लाख रुपये का योगदान दिया है. वहीं, फहद और नाजरिया ने 25 लाख रुपये का योगदान दिया.

वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की वैधता की जांच करेगा केंद्र

वायनाड। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की विभिन्न हलकों से उठ रही मांग की वैधता की जांच करेगी. इस घटना में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है. केंद्रीय पर्यटन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि केंद्र सरकार भूस्खलन का मूल्यांकन करने के बाद 'इसके कानूनी पहलुओं की जांच' करेगी. वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला में भूस्खलन से सैकड़ों घर तबाह हो गए हैं और बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं. उन्होंने कहा, 'प्रभाव का आकलन किया जाना चाहिए.' केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए वायनाड पहुंचे थे और उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में ये बात कही.

गृह मंत्री ने कहा

विपक्ष को जो कहना है कहे, देश की जनता को नरेंद्र मोदी पर भरोसा

राजग 2029 में फिर सरकार बनाएगा : अमित शाह

एजेंसी। चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीए सरकार के संख्याबल को लेकर सवाल उठाने पर रविवार को विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह गठबंधन न केवल अपना कार्यकाल पूरा करेगा, बल्कि 2029 में भी सरकार बनाएगा. शाह ने चंडीगढ़ के मनीमाजरा में चौबीस घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजना का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं कि विपक्ष जो भी कहना चाहे, कह सकता है, लेकिन आप चिंता मत कीजिए. वर्ष 2029 में भी एनडीए ही सत्ता में आएगा, नरेंद्र मोदी जी (ही सत्ता में) आएंगे. उन्होंने कहा, विपक्ष को लगता है कि थोड़ी बहुत सफलता से वे चुनाव जीत गए हैं. उन्हें नहीं पता है कि (पिछले) तीन चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीट मिलीं, भाजपा ने इस चुनाव (2024 लोकसभा चुनाव) में उससे ज्यादा सीट जीती हैं. शाह ने कहा, वे यह नहीं जानते. एनडीए के एकमात्र घटक दल भाजपा के पास उनके पूरे गठबंधन की कुल सीट से अधिक सीट हैं. उन्होंने कहा, अनिश्चितिता का माहौल बनाने का मंसूबा पाले ये लोग बार-बार कहते हैं कि यह सरकार नहीं चलेगी. भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मैं विपक्ष के मित्रों को आश्वासन देना चाहता हूं कि यह सरकार न केवल पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा. विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहें और विपक्ष में प्रभावी ढंग से काम करना सीखें. शाह ने पिछले 10 साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, पीएम मोदी ने सर्जिकल स्टाइक(पाकिस्तान) और एयर स्टाइक किया. कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया गया. देश की जनता ने मोदी जी के काम पर भरोसा किया है. आगे भी भरोसा करेंगे.

24×7 जलापूर्ति परियोजना महत्वपूर्ण कार्यक्रम

शाह ने 24×7 जल आपूर्ति परियोजना को लेकर कहा, यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है. पानी बहुत महत्वपूर्ण है, इसके बिना हमारा अस्तित्व नहीं रह सकता. जब यह स्पष्ट नहीं होता तो हमें बहुत सारी बीमारियां हो जाती हैं. इस पूरे क्षेत्र में लोगों के लिए इसके जरिए फिल्टर से साफ किये गये पानी की 24X7 आपूर्ति की जायेगी. यह समय की कसौटी पर खरा उतरेगा. इसका फायदा 1 लाख से ज्यादा लोगों को होगा.

कांग्रेस नेता को पुलिस ने किया घर में नजरबंद

गृहमंत्री अमित शाह के चंडीगढ़ दौरे को लेकर पुलिस ने युवा कांग्रेस के नेता आशीष गजनवी को हिरासत में लिय. गजनवी के अनुसार सुबह 6.30 बजे पुलिस उनके घर आयी और साथ चलने का आदेश दिया, लेकिन वह नहीं गये. इस पर पुलिस उनके घर पर जम गय उन्हें घर से बाहर नहीं जाने दिया. बता दें कि गजनवी और उनकी टीम समय-समय पर गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते रहे हैं. पुलिस ने इसी अंदेशे से गजनबी को उनके घर में नजरबंद कर दिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)